शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 10 | अंक : 177 | गुवाहाटी | गुरुवार, 25 जनवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

स्थानीय और मातृभाषा में कोर्स को भी तैयार करें विश्वविद्यालय : यूजीसी — पेज 2
देश की बहुसंख्यक आबादी आज भी न्याय की संपूर्ण स्थापना से दूर : कन्हैया कुमार — पेज 3
केंद्र सरकार के समर्थन से आज उग्र दुनिया में बना रहा विशिष्ट... — पेज 5
सूर्यकुमार आईसीसी टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने : लगातार दूसरी बार मिला अवार्ड — पेज 7

राशन कार्ड से चावल के साथ अन्य लाभ भी मिलेंगे : सीएम

शिवसागर (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को शिवसागर जिले के नाजिरा में चाकीमुख हायर सेकेंडरी स्कूल खेल के मैदान में आयोजित एक कार्यक्रम में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम के लाभार्थियों को राशन कार्ड के औपचारिक वितरण में भाग लिया। नाजिरा विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत कुल 8,411 लाभार्थी परिवारों को राशन कार्ड आवंटित किए जाएंगे। यह नाजिरा एलएसी में पहले से मौजूद लाभार्थी परिवारों की 43,692 संख्या के अतिरिक्त है, इस प्रकार लाभार्थी परिवारों की कुल संख्या 52,103 हो गई है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि पहले की आय सीमा दो लाख रुपए प्रति वर्ष होने के कारण समाज के वंचित वर्गों के कई परिवार राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (एनएफएसए) के तहत लाभ से वंचित थे, क्योंकि उन्हें राशन कार्ड के लिए अयोग्य माना गया। उन्होंने कहा, राज्य सरकार ने आय सीमा को बढ़ाकर चार लाख रुपए करने का फैसला किया है, ताकि अधिक संख्या में परिवार राशन कार्ड का लाभ उठा सकें। उन्होंने कहा कि परिणामस्वरूप, कार्ड वितरण के इस चरण में नाजिरा विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र (एलएसी) में अतिरिक्त 8,411 परिवार राशन कार्ड के लिए खुद को पंजीकृत कराने में सक्षम हुए। उन्होंने कहा कि 8,441 लाभार्थी परिवारों के नवीनतम जुड़ाव के साथ, नाजिरा एलएसी में राशन कार्ड रखने वाले लाभार्थी परिवारों की कुल संख्या 52,103 हो जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए लगातार काम कर रही है कि राशन कार्ड धारक एनएफएसए के तहत सभी लाभों का आनंद ले सकें। उन्होंने कहा कि इसे ध्यान में रखते हुए, सरकार अन्न सेवा सप्ताह लेकर आई और इसका सकारात्मक प्रभाव पूरे राज्य में जमीनी स्तर पर देखा जा रहा है। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड अब केवल चावल वितरण के बारे में नहीं है, बल्कि कई अन्य लाभ और योजनाएं -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल लोकसभा चुनाव के बाद गिरफ्तार किए जाएंगे : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी को लोकसभा चुनाव के बाद गिरफ्तार किया जाएगा। राहुल के खिलाफ राज्य में हिंसा भड़काने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई है। दरअसल, असम पुलिस ने कांग्रेस की *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* के दौरान मंगलवार को हिंसा भड़काने के आरोप में राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, कन्हैया कुमार और पार्टी के अन्य कई नेताओं के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए प्राथमिकी दर्ज की थी। शर्मा ने शिवसागर जिले के नजीरा में एक कार्यक्रम से इतर कहा कि हमने प्राथमिकी दर्ज कर ली है। एक विशेष जांच दल जांच करेगा और राहुल को लोकसभा चुनाव के बाद गिरफ्तार किया जाएगा। बता दें कि लोकसभा चुनाव

कुछ ही महीने में होने हैं। असम के पुलिस महानिदेशक जीपी सिंह ने कहा कि अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (सीआईडी) द्वारा गठित एसआईटी के माध्यम से गहन जांच के लिए मामला असम सीआईडी को स्थानांतरित कर दिया गया है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को अवरोधक तोड़ने के लिए भीड़ को उकसाने को लेकर राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज करने का निर्देश दिया था। दरअसल राहुल की यात्रा को शहर में प्रवेश नहीं दिया गया। इसके लिए रास्ते में बैरिकेडिंग की गई थी। कांग्रेस समर्थकों ने जब अवरोधक हटाए तो पुलिसकर्मियों के साथ उनकी झड़प हो गई। इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष भूपेन बोरा और राज्य विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देबब्रत सैकिया को चोट आई थी। उधर कांग्रेस सांसद राहुल गांधी, पार्टी महासचिव केसी वेणुगोपाल, भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के प्रभारी कन्हैया कुमार और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की विभिन्न -शेष पृष्ठ दो पर

राज्य के प्रमुख स्थानों पर नहीं गए राहुल : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ हिमंत विश्व शर्मा ने राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी पर अशांति फैलाने का आरोप लगाते हुए कहा कि जब राहुल गांधी को राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के समय बटद्रवा थान में जाने की अनुमति नहीं दी गई तो दोपहर को राहुल गांधी वहां क्यों नहीं गए? भारत जोड़ो न्याय यात्रा के बीच *दर्शन* के लिए मां कामाख्या मंदिर, डॉ. भूपेन हजारिका समाधि क्षेत्र, श्रीश्री हयग्रीव माधव मंदिर, पोआ मक्का दरगाह सरीफ, बरपेटा सत्र जैसी जगहों पर कमसे कम उन्हें जाना चाहिए था। मुख्यमंत्री आज मीडिया से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि दो दिन पहले नगांव में कार्यक्रम केवल मीडिया का ध्यान -शेष पृष्ठ दो पर

ममता बनर्जी की कार का एक्सीडेंट, ब्रेक मारने पर लगी चोट

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी बुधवार को बर्धमान से कोलकाता लौटते समय एक मामूली कार दुर्घटना में घायल हो गईं। सूत्रों के मुताबिक, बारिश के कारण ममता बनर्जी कार से लौट रही थीं। कोहरे के बीच दृश्यता कम होने के कारण ड्राइवर ने अचानक ब्रेक लगा दिया, जिससे मुख्यमंत्री घायल हो गये। तृणमूल प्रमुख के सिर में मामूली चोटें आईं और उन्हें वापस कोलकाता लाया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को सड़क मार्ग से वर्द्धमान से कोलकाता लौटते समय माथे पर चोट लग गई, जब सीएम के काफिले के सामने अचानक दूसरी कार आ गई तो उनकी कार ने तुरंत ब्रेक लगा दिया। खराब मौसम के -शेष पृष्ठ दो पर

मैं मर ही जाती : 200 किमी. की रफ्तार से आ रही थी गाड़ी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल कीमुख्यमंत्री ममता बनर्जी वर्द्धमान से लौटते वक्त हादसे का शिकार हो गईं। उनके सिर पर चोट लगी है। वर्द्धमान से लौटने के बाद ममता बनर्जी बुधवार शाम को राजभवन गईं और राज्यपाल से मुलाकात की। वहीं से उन्होंने बताया कि कैसे हादसा हुआ, उससे उनकी जान भी जा -शेष पृष्ठ दो पर

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

जवान ने छह साथियों पर गोलियां बरसाई, और खुद को उड़ाया

इंफाल। मणिपुर में भारत म्यांमार बॉर्डर पर तैनात असम राइफल्स के एक जवान ने कथित तौर पर अपने साथियों पर फायरिंग की है। इसके बाद उसने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। बुधवार को पुलिस अधिकारी ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, मणिपुर के चंदेल जिले में असम राइफल्स के एक जवान ने पहले अपने सहकर्मियों पर गोली चलाई, जिसमें कम से कम 6 जवान गंभीर रूप से जख्मी हो गए। इसके बाद जवान ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। -शेष पृष्ठ दो पर

राहुल के एफआईआर का मामला सीआईडी को

डीजीपी बोले- एसआईटी गठित कर होगी गहन जांच

बरपेटा। राहुल गांधी ने असम की पुलिस को और प्राथमिकी दर्ज करने की चुनौती दी है। उन्होंने कहा कि जितना संभव हो, पुलिस उतने मामले दर्ज करे। इसके बावजूद वे डरने वाले नहीं हैं। कांग्रेस सांसद ने पुराने सहयोगी और अब असम के मुख्यमंत्री, हिमंत विश्व शर्मा को भी आड़े हाथों लिया। राहुल ने भूमि घोटाले और रिश्वतखोरी का जिक्र करते हुए कहा कि सीएम हिमंत विश्व शर्मा पूरे भारत में सबसे भ्रष्ट मुख्यमंत्री हैं। राहुल ने असम के बरपेटा में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कहा कि भाजपा और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) मिलकर भी उन्हें डरा नहीं सकते। असम पुलिस के पास दर्ज मामलों को

सीआईडी यानी अपराध अनुसंधान शाखा (सीआईडी) के पास भेज दिया गया है। असम पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जीपी सिंह ने बताया कि असम पुलिस की सीआईडी के एडीजीपी (अतिरिक्त महानिदेशक) मामले की जांच के लिए विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन करेंगे। उन्होंने कहा कि सीआईडी की एसआईटी मामले की गहन जांच करेगी। इसलिए मामला पुलिस के सामान्य विभाग के बदले सीआईडी को स्थानांतरित किया गया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने असम पुलिस की कार्रवाई पर कहा, असम के मुख्यमंत्री ने उनके अलावा राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, जितेंद्र सिंह, -शेष पृष्ठ दो पर

कैबिनेट सहयोगी फिलहाल अयोध्या न जाएं : पीएम

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को अपने कैबिनेट सहयोगियों से फिलहाल अयोध्या स्थित राम मंदिर जाने से परहेज करने की सलाह दी। बता दें कि प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में कैबिनेट मंत्रियों की बैठक हुई। इस बैठक में प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जनता को असुविधा न हो इसकी वजह से केंद्रीय मंत्री मार्च में अयोध्या का कार्यक्रम बनाएं। एजेंसी ने सूत्रों के हवाले से बताया कि प्रधानमंत्री मोदी ने विस्तृत सुरक्षा विवरण के साथ शहर में वीवीआईपी और वीआईपी दौरों के कारण भक्तों की भारी भीड़ और जनता को होने वाली असुविधा पर चिंता व्यक्त की। बकौल एजेंसी, प्रधानमंत्री मोदी ने केंद्रीय मंत्रियों को सुझाव दिया कि उन्हें मार्च में अपनी अयोध्या यात्रा की योजना बनानी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

बंदरगाह आधारित औद्योगीकरण जरूरी : सोनोवाल

चेन्नई (हि.स.)। चेन्नई के शोलिंगनल्लूर स्थित होटल में भारत-रूस के बीच कंटेनरीकृत कार्गो, बंदरगाह और टर्मिनल मामले में बुधवार को चेन्नई पोर्ट अथॉरिटी द्वारा आयोजित पूर्वी समुद्री क्षेत्र के संचालन पर भारत-रूस कार्यशाला आयोजित की गई। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने कहा कि भारत समुद्री क्षेत्र प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ब्लू इकोनॉमी 2047 के दृष्टिकोण को प्राप्त करने की दिशा में लगातार प्रगति कर रहा है। भारत समग्र आर्थिक समृद्धि लाने के लिए घरेलू और वैश्विक स्तर पर विकास, सहयोग और निजी भागीदारी को लक्ष्य बनाकर कार्य कर रहा है। पूर्वी समुद्री क्षेत्र के बारे में उन्होंने परिवहन लागत और शिपमेंट के समय में भारी बचत पर प्रकाश डाला। कार्यशाला के उद्घाटन के बाद केंद्रीय मंत्री सोनोवाल ने रूसी प्रतिनिधियों का -शेष पृष्ठ दो पर

शॉपिंग मॉल में आग, 25 की मौत

बीजिंग। चीन के जियांगशी प्रांत में बुधवार को आग लगने के कारण कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई। स्थानीय अधिकारियों ने यह जानकारी दी। जियांगशी प्रांत के युशुई जिले के अधिकारियों ने बताया कि बुधवार को 15:24 बजे एक शॉपिंग मॉल के बेसमेंट में आग लग गई। उन्होंने कहा कि 120 कर्मियों को घटनास्थल पर तैनात किया गया है। इनमें अग्निशमन विभाग के अलावा पुलिस और स्थानीय सरकारी अधिकारी भी शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि राहत एवं बचाव अभियान जारी है तथा आग लगने के कारण का पता लगाया जा रहा है।

भारत बंद का 16 फरवरी को टिकैत ने किया आह्वान

नई दिल्ली। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने 16 फरवरी को भारत बंद का आह्वान किया है। भारतीय किसान यूनियन के राष्ट्रीय प्रवक्ता राकेश टिकैत ने कहा कि 16 फरवरी को भारत बंद का आह्वान किया गया है, जिसमें संयुक्त किसान मोर्चा के साथ और भी बहुत सारे संगठन हैं। किसान 16 फरवरी को खेत में काम न करें। दुकानों को भी बंद रखने का अनुरोध है। इसमें एमएसपी, नौकरी, अग्निवीर, पेंशन आदि मुद्दे उठाए जाएंगे। राकेश टिकैत ने कहा कि संयुक्त किसान मोर्चा के साथ और भी बहुत सारे -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

अपने स्थान पर बने रहने से ही मनुष्य पूजा जाता है।
- **आचार्य चाणक्य**

न्यूज गैलरी

ज्ञानवापी मामला : सार्वजनिक की जाएगी सर्वे रिपोर्ट

वाराणसी। ज्ञानवापी परिसर की सीलबंद सर्वे रिपोर्ट को लेकर जिला जज डॉ. अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत ने बुधवार को फैसला सुनाया। जिला जज ने सर्वे रिपोर्ट सार्वजनिक करने का आदेश दिया है। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने पहले ही रिपोर्ट अदालत में दाखिल की थी। हिंदू पक्ष का प्रतिनिधित्व कर रहे वकील विष्णु शंकर जैन ने कहा कि आज अदालत ने दोनों पक्षों को सुना और सहमति बनी कि एएसआई की रिपोर्ट की हार्ड कॉपी दोनों पक्षों को दी जाएगी। एएसआई ई-मेल के -शेष पृष्ठ दो पर

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से 57 मुस्लिम देश तिलमिलाए

दुबई। अयोध्या में भव्य राम मंदिर निर्माण और रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा से पाकिस्तान सहित 57 मुस्लिम देश तिलमिला उठे है। राम मंदिर को लेकर मुस्लिम देशों के संगठन इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) ने सार्वजनिक बयान जारी कर रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा समारोह को लेकर जहर उगला है। ओआईसी इस्लामिक सहयोग संगठन ने अयोध्या राम मंदिर समारोह पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा

कि अयोध्या में पहले से ध्वस्त बाबरी मस्जिद के स्थान पर राम मंदिर के निर्माण और उद्घाटन की निंदा करते हैं। ओआईसी के महासचिव ने अयोध्या में राम मंदिर के निर्माण और उद्घाटन पर गंभीर चिंता व्यक्त की। ओआईसी ने अपने आधिकारिक बेवसाइट पर राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा पर कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि हम इस्लामिक धर्म से ताल्लुक रखने वाले बाबरी -शेष पृष्ठ दो पर

यूक्रेन के 65 युद्धबंदियों समेत 74 लोगों को ले जा रहा सैन्य विमान दुर्घटनाग्रस्त

मास्को (हि.स.)। रूस में 74 लोगों को लेकर जा रहा एक रूसी सैन्य विमान यूक्रेन सीमा के निकट बेलगोरोड क्षेत्र में दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। रूसी समय के मुताबिक यह हादसा सुबह करीब 11 बजे पश्चिमी बेलगोरोड क्षेत्र में हुआ। विमान में 65 यूक्रेनी युद्धबंदी थे। रक्षा मंत्रालय का हवाला देते हुए रूसी समाचार एजेंसियों ने बताया कि विमान में सवार लोगों में से 65 यूक्रेनी सैनिक थे, जिन्हें कैदियों की अदला-बदली से पहले बेलगोरोड ले जाया जा रहा था। यह रूस का

मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्रॉफ्ट आईएल-76 है। इस पर छह चालक दल के सदस्य और तीन *सहकर्मी* थे। फिलहाल दुर्घटना का कारण ज्ञात नहीं है। क्रेमलिन ने रिपोर्ट की गई दुर्घटना पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया। प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा कि यह बिल्कुल नई जानकारी है, हम अब इससे निपटेंगे। मैं अभी कुछ नहीं कह सकता। बेलगोरोड के गवर्नर व्याचेस्लाव ग्लैडकोव ने कहा कि एक जांच दल और आपातकालीन स्थिति मंत्रालय -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

स्थानीय और मातृभाषा में कोर्स को भी तैयार करें विश्वविद्यालय : यूजीसी

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय सहित देश भर के उच्च शिक्षण संस्थानों में स्थानीय या मातृभाषा में कोर्सों को शुरू करने की पहल के बीच विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने सभी संस्थानों को इससे जुड़ी जरूरी तैयारियों को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए है। संस्थानों को इन कोर्सों की विषयवस्तु को स्थानीय व मातृभाषा में तैयार करने को कहा है। साथ ही संस्थानों से शिक्षकों को भी इसके लिए विशेष रूप से प्रशिक्षण देने को कहा है। यूजीसी ने इस दौरान भारतीय भाषा समिति (बीबीएस) के साथ मिलकर शुरु किए गए संयुक्त प्रशिक्षण कार्यक्रम की जानकारी भी साझा की है। देश भर के विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों को लिखे पत्र में यूजीसी ने कहा है कि भारतीय भाषा समिति के साथ मिलकर शिक्षकों को मातृभाषा में पढ़ाने के लिए प्रशिक्षित करने के लिए यह कार्यक्रम फरवरी-मार्च माह में शुरू होगा। इसके लिए सभी संस्थानों से एक-एक शिक्षक को नामित करने को कहा है। जिन्हें मास्टर ट्रेनर के रूप में तैयार किया जाएगा। बाद में वह संस्थान के दूसरे शिक्षकों को भी प्रशिक्षण देंगे। यूजीसी का मानना है कि मातृभाषा में पढ़ाने की पहल तभी आगे बढ़ पाएगी, जब शिक्षक भी मातृभाषा में पढ़ाने के लिए तैयार हो। माना जा रहा है कि इस पहल से देश में उच्च शिक्षा का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) बढ़ेगा, जो मौजूदा समय में 25 प्रतिशत के आसपास ही है। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति में इसे वर्ष 2035 तक 50 प्रतिशत तक पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। मौजूदा समय में देश के बड़ी संख्या छात्र सिर्फ इसलिए उच्च शिक्षा तक नहीं पहुंच पाते है, क्योंकि उनकी पिछली पढ़ाई मातृभाषा या स्थानीय भाषा में होती है। ऐसे में जिन कोर्सों की वह पढ़ाई करना चाहते है, वह कोर्स उनकी स्थानीय या मातृभाषा में संचालित नहीं होते है। यूजीसी ने इसके साथ ही सभी उच्च शिक्षण संस्थानों से स्थानीय या मातृभाषा में तैयार होने वाली अध्ययन सामग्री को ठीक से जांचने की भी सलाह दी है, ताकि मातृभाषा में पढ़ने वाले छात्र उस विषय को ठीक तरीके से समझ भी सकें। मंत्रालय से जुड़े अधिकारियों ने इस बीच साफ किया है कि छात्रों को मातृभाषा में पढ़ाने के लिए संस्थानों में अलग से शिक्षकों की नियुक्ति नहीं होगी, बल्कि मौजूदा शिक्षकों को इसके लिए तैयार किया जाएगा।

सामाजिक न्याय को समर्पित रहा कर्पूरी ठाकुर का जीवन : नड्डा

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि सामाजिक न्याय के लिए बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री व जननायक स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर ने पूरा जीवन लगा दिया था। ऐसे महान नेता को भारत रत्न से सम्मानित कर देश के प्रधानमंत्री ने गरीबों का मान बढ़ाया है। नड्डा ने बुधवार को एक बयान जारी कर कहा कि एक अत्यंत गरीब परिवार से निकल कर बिहार के मुख्यमंत्री पद को सुशोभित करने वाले, सामाजिक न्याय की लड़ाई लड़ने वाले जननायक कर्पूरी ठाकुर को प्रधानमंत्री मोदी द्वारा *भारत रत्न* से सम्मानित करने के निर्णय की जितनी भी सराहना की जाए कम है। कर्पूरी ठाकुर को सम्मानित करने का मतलब है कि भारत के हर गरीब और वंचित को सम्मानित किया गया है। नड्डा ने कहा कि ठाकुर ने गरीबों को न्याय दिलाने में पूरा जीवन लगा दिया। इसके लिए कभी भी उन्होंने अपने सिद्धांतों से समझौता नहीं किया। वह कांग्रेस के जन विरोधी नीतियों के खिलाफ लड़ते रहे। आपातकाल का भी उन्होंने जमकर विरोध किया। नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने पिछड़े वर्ग को सबसे अधिक पहचान और सम्मान देने का काम किया है। आज मोदी कैबिनेट में 27 मंत्री ओबीसी समाज से हैं। भाजपा के 100 से अधिक सांसद पिछड़े वर्ग से हैं। देशभर में 300 से अधिक भाजपा के विधायक पिछड़े वर्ग से आते हैं और 65 से अधिक एमएलसी पिछड़े वर्ग से हैं, जो यह दिखाता है कि पिछड़े वर्ग को सबसे अधिक पहचान और सम्मान प्रधानमंत्री मोदी ने दिलवाने का काम किया है। नड्डा ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में प्रधानमंत्री ने गरीबों के कल्याण के लिए बहुत काम किए हैं। उसके लिए सामाजिक न्याय एक दृढ़ संकल्प है। उन्होंने गरीबों, पिछड़ों,अनुसूचित जातियों, महिलाओं व किसानों के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री ने पिछड़ा आयोग को संवैधानिक दर्जा दिलाने का काम किया है।

नौसेना ने ब्रह्मोस से भूमि लक्ष्य पर सफलतापूर्वक हमला किया

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय नौसेना ने बुधवार को उन्नत सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल ब्रह्मोस के साथ उन्नत सीमा पर एक भूमि लक्ष्य पर सफलतापूर्वक हमला किया। इस परीक्षण का मकसद विस्तारित दूरी की ब्रह्मोस मिसाइल से सटीक प्रहार करके स्वदेशी क्षमता का मूल्यांकन करना था। यह *आत्मनिर्भर भारत* के लिए एक और शॉट था। इस ब्रह्मोस मिसाइल में नई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है। भारतीय नौसेना ने स्वदेशी बूस्टर के साथ ब्रह्मोस मिसाइल के एंटी-शिप वर्जन का सफल परीक्षण किया है, जो भारत की आत्मनिर्भरता के प्रति नौसेना की प्रतिबद्धता को मजबूत करता है। इस ब्रह्मोस मिसाइल में नई प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल किया गया है। आज किया गया सफल परीक्षण आत्मनिर्भर भारत के लिए एक और शॉट था। नियंत्रण प्रणाली सहित नई अतिरिक्त तकनीकों के साथ किए गए परीक्षण से मिले विस्तृत आंकड़ों का विश्लेषण किया जा रहा है।

ममता के बिना इंडिया गठबंधन की कल्पना नहीं : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने बुधवार को कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी के बिना कोई भी विपक्षी गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) के अस्तित्व की कल्पना नहीं कर सकता। पार्टी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान असम के उत्तरी सलमारा में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने संवाददाताओं से कहा कि बनर्जी की पार्टी तृणमूल कांग्रेस विपक्षी गठबंधन का एक *महत्वपूर्ण स्तंभ* है। उन्होंने कहा कि ममता जी के बिना कोई भी इंडिया गठबंधन की कल्पना नहीं कर सकता। इंडिया गठबंधन पश्चिम बंगाल में लोकसभा चुनाव लड़ेगा और सभी (साझेदार) भाग लेंगे। रमेश ने कहा कि ममता बनर्जी ने कहा है कि लोकसभा चुनाव में भाजपा को हराना हम सभी की प्रमुख जिम्मेदारी है। जयराम ने कहा कि ममता बनर्जी को न्याय यात्रा में शामिल होने का न्योता भेजा है। हम उनसे बात कर बीच का कोई रास्ता निकालेंगे। ममता बनर्जी ने बुधवार को घोषणा की कि उनकी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव राज्य में अकेले लड़ने का फैसला किया है। बनर्जी ने कांग्रेस और टीएमसी के बीच सीटों के बंटवारे पर चल रहे टकराव के बीच कहा कि मैंने उन्हें (कांग्रेस) सीटों के बंटवारे पर एक प्रस्ताव दिया था लेकिन उन्होंने शुरू में ही इसे नकार दिया। हमारी पार्टी ने अब बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि उन्होंने राज्य में सीटों के बंटवारे पर कांग्रेस में किसी से बात नहीं की है।

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देश के 70 करोड़ गरीबों का सम्मान : शाह

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बुधवार को यहां कहा कि मोदी सरकार ने कर्पूरी ठाकुर को सम्मानित कर देश के 70 करोड़ गरीबों को सम्मानित करने का काम किया है। साथ ही सबको न्याय, सबको समान अधिकार के हमारे संविधान के मूलमंत्र को भी साकार करने की दिशा में काम किया है। शाह ने बुधवार को विज्ञान भवन में कर्पूरी ठाकुर की जन्म शताब्दी समारोह पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने का निर्णय दलितों, गरीबों, आदिवासियों और अन्य हाशिए के समुदायों के लिए काम करने वालों के लिए प्रेरणा बनेगा। शाह ने कहा कि पिछले दो दिनों में मोदी जी ने रामकाज और गरीबकाज को जोड़ा है। उन्होंने कहा कि सबसे बड़ा संयोग ये रहा कि 22 जनवरी को मोदी जी ने रामकाज (राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा) किया और 23 तारीख को गरीब काज (कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न) करके राम और गरीब को जोड़ने का काम किया। उन्होंने कहा कि ठाकुर को भारत रत्न से सम्मानित कर प्रधानमंत्री ने सादगी, प्रामाणिकता, बराबरी के सिद्धांत, सात्विकता, नैतिकता और आत्मसम्मान के साथ राजनीति में संघर्ष कर रहे युवाओं का भी प्रतीकात्मक रूप से सम्मान किया है। बिहार में अपने समय में कर्पूरी ठाकुर ने मंडल कमीशन से भी एक दशक पहले ओबीसी,महिला और गरीबी से पीडि़त सामान्य वर्ग के लोगों को आरक्षण देने की शुरुआत की थी। उस दौर में यह कोई मामूली बात नहीं थी। उन्हें अपनी पार्टी में भी बहुत कुछ सहना पड़ा होगा। आज केंद्र की मोदी सरकार कर्पूरी ठाकुर के दिखाए रास्ते पर चल रही है। यहां महिलाओं को राजनीति के क्षेत्र में आरक्षण देने के साथ-साथ ओबीसी समाज के लिए भी व्यापक स्तर पर काम किया गया है। आज प्रधानमंत्री मोदी के कैबिनेट में 27 मंत्री ओबीसी समाज से हैं। देश में सामान्य वर्ग के गरीब लोगों को भी आरक्षण देने का काम मोदी सरकार ने किया है। शाह ने कहा कि मोदी सरकार भारतीय भाषाओं को बढ़ाने का काम कर रही है।

पृष्ठ एक का शेष

राशन कार्ड से ...

हैं, जिनका राशन कार्ड धारक परिवार आनंद ले सकते हैं। ऐसी ही एक योजना आयुष्मान भारत है जो प्रति परिवार 5 लाख रुपए का सुनिश्चित चिकित्सा लाभ प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि राशन कार्ड धारक भी उज्ज्वला योजना के लिए नामांकित होने के लिए पात्र हैं। उन्होंने कहा कि आकस्मिक मृत्यु बीमा और जीवन बीमा के तहत राशन कार्ड धारकों के नामांकन की संभावना भी तलाशी जा रही है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री ने कहा कि वह 2026 तक सभी राशन कार्ड धारकों को अरुणोदय योजना के लाभार्थी के रूप में शामिल देखना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान राज्य सरकार असम और उसके निवासियों के समग्र विकास के लिए चौबीसों घंटे काम कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकारी नौकरियों में भर्ती बहुत पारदर्शी तरीके से की जा रही है। उन्होंने कहा कि मिशन बसुंधरा 2.0 पर काम जोरों से चल रहा है और अगले महीने तक इसके तहत बड़ी संख्या में आवेदकों को जमीन का पट्टा आवंटित किया जाएगा। इस दौरान असम के कैबिनेट मंत्री डॉ रनोज पेगू और जोगेन मोहन, सांसद कामाख्या प्रसाद तासा, विधान सभा सदस्य तरंग गोगोई और धर्मेश्वर कोंवर भी आज उपस्थित रहे।

राहुल लोकसभा चुनाव...

धाराओं और सार्वजनिक संपत्ति क्षति निवारण अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई है। यह एफआईआर असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा के मंगलवार को उस बयान के बाद आई है जिसमें उन्होंने कहा था कि राज्य पुलिस राहुल गांधी के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज करेगी और लोकसभा चुनाव के बाद उन्हें गिरफ्तार करेगी। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने इस मामले में सोशल मीडिया एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर पोस्ट कर लिखा कि कांग्रेस सदस्यों द्वारा आज हिंसा, उकसावे, सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और पुलिस कर्मियों पर हमले के अनियंत्रित कृत्यों के संदर्भ में, राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, कन्हैया कुमार और अन्य व्यक्तियों के खिलाफ धारा 120(बी)143 / 147 / 188 / 283 / 353 / 332 / 333 / 427 आईपीसी आर / डब्ल्यू धारा के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। खानापाड़ा इलाके में पुलिस और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प की घटना के बाद, असम के मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने लगभग 3000 लोगों और 200 वाहनों के साथ गुवाहाटी में प्रवेश करने की कोशिश की थी। असम के मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस जांच शुरू करेगी और लोकसभा चुनाव के बाद वायनाड सांसद को गिरफ्तार करेगी। राहुल गांधी पार्टी की मणिपुर से मुंबई तक भारत जोड़ो न्याय यात्रा का नेतृत्व कर रहे हैं और जैसे ही यात्रा गुवाहाटी शहर में प्रवेश करने वाली थी, कांग्रेस कार्यकर्ताओं को शहर में प्रवेश करने से रोक दिया गया और असम पुलिस के साथ उनकी झड़प हुई। बुधवार को यात्रा बरपेटा, बंगाईगांव की ओर बढ़ेगी और शाम को धुबड़ी में एक सार्वजनिक बैठक होगी।

राज्य के प्रमुख...

आकर्षित करने और राज्य में अस्थिरता पैदा करने के लिए आयोजित किया गया था। मीडिया से बात करते हुए, मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने कहा कि अगर राहुल गांधी वास्तव में महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की प्रशंसा करते हैं, तो वह बरपेटा सत्र का दौरा कर सकते थे, जिसे शंकरदेव ने बनाया था। हालांकि, मुख्यमंत्री ने अभी कहा कि राहुल गांधी संभवत: बरपेटा में पटबाउशी सत्र गए होंगे, जिसे श्रीमंत शंकरदेव ने बनाया था। उन्होंने एक क्षण भी रुककर जालुकबारी में डॉ. भूपेन हजारिका समाधि क्षेत्र पर श्रद्धांजलि क्यों नहीं दी? यदि वह वास्तव में हिंदू संस्कृति की प्रशंसा करते हैं, तो वे गुवाहाटी के नीलाचल पहाड़ पर मां कामाख्या मंदिर के दर्शन क्यों नहीं किए? कांग्रेस पार्टी का प्राथमिक लक्ष्य अपनी भारत जोड़ो न्याय यात्रा के जरिए असम में अशांति पैदा करना था। मुख्यमंत्री ने यह भी पुष्टि की कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उन्हें लोकसभा चुनाव के बाद गिरफ्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हम इस समय राहुल गांधी को गिरफ्तार नहीं करेंगे, क्योंकि कुछ लोग इसे एक राजनीतिक कदम कहेंगे। मामला दर्ज कर लिया गया है। सीआईडी की एक विशेष जांच दल (एसआईटी) मामले की जांच करेगा। हमारे पास यह दिखाने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि कैसे राहुल गांधी और उनकी ब्रिगेड ने पुलिस बैरिकेट को तोड़कर राज्य पुलिस बल पर हमला करने के लिए भीड़ को उकसाया। उन्होंने कल शहर में अराजकता पैदा करने का प्रयास किया, लेकिन हम स्थिति को नियंत्रित करने में सफल रहे। इस प्रकार, हम इसे राजनीतिक नहीं बनाएंगे और लोकसभा चुनाव के बाद उचित समय तक इंतजार करेंगे।

ममता बनर्जी की...

कारण वह हेलीकॉप्टर से नहीं लौटीं। आज ममता लगातार सुर्खियों में हैं। विपक्षी दलों के गठबंधन इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस (इंडिया) को बड़ा झटका देते हुए पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) प्रमुख ममता बनर्जी ने बुधवार को घोषणा की है कि उनकी पार्टी ने आगामी लोकसभा चुनाव राज्य में अकेले लड़ने का फैसला किया है। बनर्जी ने कांग्रेस और टीएमसी के बीच सीटों के बंटवारे पर चल रहे टकराव के बीच कहा कि मैंने उन्हें (कांग्रेस) सीटों के बंटवारे पर एक प्रस्ताव दिया था, लेकिन उन्होंने शुरू में ही इसे नकार दिया। हमारी पार्टी ने अब बंगाल में अकेले चुनाव लड़ने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री ने सीटों के बंटवारे पर चर्चा को लेकर मीडिया में आ रही खबरों का भी खंडन किया और कहा कि उन्होंने इस मुद्दे पर कांग्रेस में किसी से भी बात नहीं की है। उन्होंने कहा कि अब, हमने तय किया है कि बंगाल में कांग्रेस के साथ कोई संबंध नहीं है।

मैं मर ही जाती ...

सकती थी। एक कार 200 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से उनके काफिले में घुस गई, जिसके कारण उनके ड्राइवर को ब्रेक लगाने पर मजबूर होना पड़ा। ममता बनर्जी ने कहा कि अभी भी उनका सिर घूम रहा है। दर्द हो रहा है। उन्हें फीवर जैसा लग रहा है। राजभवन से निकलने के बाद ममता बनर्जी ने कहा कि राज्यपाल से उनकी मुलाकात सार्थक रही। उन्होंने संवाददाताओं को सवाल के जवाब में कहा कि सुप्रीम कोर्ट के जजमेंट के लेकर राज्यपाल से बातचीत हुई है। वह 26 जनवरी को फिर राजभवन आएंगी। ममता बनर्जी के सिर पर एक छोटी सी पट्टी बंधी हुई थी। उन्होंने कहा कि एक कार अचानक मेरे काफिले में घुस गई। कार 200 किमी की रफ्तार से जा रही थी। मेरे ड्राइवर ने जोर से ब्रेक मारा। डैशबोर्ड से मेरा सिर टकरा गया। ममता बनर्जी ने कहा कि उनके सिर में अब भी दर्द हो रहा है। सिर अभी भी घूम रहा है। मैंने इसके बावजूद काम किया। मुझे हल्की ठंड भी लग रही है। मै अब घर जा रही हूं। हालात के बारे में बताते हुए मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि मेरी कार की खिड़की खुली हुई थी। अगर शीशा बंद होता तो मैं मर ही जाती। शीशा टूट कर मेरे ऊपर आ जाता और मैं और भी घायल हो जाती। मैं फिलहाल अस्पताल नहीं जा रही हूं। उन्होंने कहा कि पुलिस पूरे मामले की जांच करेगी कि कार किसकी है। साजिश हुई या नहीं इस पर मैं कुछ नहीं कहूंगी। पुलिस को जांच करने दीजिये। इसके पहले बीएसएफ का ड्रेस पहनकर एक व्यक्ति उनके घर में घुस गया था। वर्द्धमान के गोदर मैदान में ममता बनर्जी ने प्रशासनिक बैठक की। बैठक के बाद मुख्यमंत्री कोलकाता लौटने के लिए कार में बैठ गयीं। सभा स्थल से जीटी रोड पर चढ़ते समय रास्ते में चालक ने अचानक ब्रेक मार दिया। उस झटके में मुख्यमंत्री के माथे पर चोट लगी। हालांकि, ममता बिना गाड़ी रोके बिना सीधे कोलकाता के लिए रवाना हो गईं। एक प्रत्यक्षदर्शी के मुताबिक, घायल होने के बाद मुख्यमंत्री ने माथे पर रूमाल बांधा था। बता दें कि सीएम ममता बनर्जी इसके पहले उत्तर बंगाल के दौरे पर गईं थी। उस समय उनका हेलीकॉप्टर तेज हवा के कारण उसकी आपात लैंडिंग हुई थी। इसमें ममता बनर्जी के पैर में चोट लग गई थी। बाद में उसकी सर्जरी हुई थी, लेकिन सर्जरी के बाद सेप्टिक हो गया और चिकित्सा के लिए महीनों सीएम को घर से ही कामकाज करना पड़ा था। उसी तरह से विधासनभा चुनाव 2021 के दौरान नंदीग्राम में चुनाव प्रचार के दौरान ममता बनर्जी के पैर में चोट लगी थी। उन्होंने अपना पूरा चुनाव प्रचार ह्वीलचेयर पर बैठकर किया था। हालांकि नंदीग्राम में चोट को लेकर बीजेपी ममता बनर्जी पर सियासत का आरोप भी लगाती रही है।

जवान ने छह साथियों...

उन्होंने आगे बताया कि यह घटना मंगलवार देर रात साजिक तम्पाक इलाके में हुई जब असम राइफल्स के जवान ने अपने साथियों पर गोली चला दी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि बाद में उसने खुद को गोली मार ली। मणिपुर पुलिस ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना को चल रहे जातीय संघर्ष से नहीं जोड़ा जाना चाहिए, इस तथ्य को देखते हुए कि घायलों में से कोई भी मणिपुर से नहीं है। तथ्यों का पता लगाने के लिए घटना की जांच के आदेश दे दिए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि घायल कर्मियों का इलाज चल रहा है और उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

राहुल के एफआईआर का...

गौरव गोगोई, भूपेन बोरा, देबब्रत सैकिया समेत कई नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने कहा कि असम पुलिस की प्राथमिकी राजनीतिक एफआईआर है और इसका वास्तविकता से कोई संबंध नहीं है। रमेश का दावा है कि सोनितपुर में मची अफरा-तफरी से जुड़े सबूत और वीडियो सबके पास हैं। कांग्रेस पार्टी डरने वाली नहीं है। सीआईडी की तरफ से गठित एसआईटी की जांच का फैसला होने पर कांग्रेस महासचिव ने कहा कि यह असम के सीएम की एक और धमकी है। हम बिना किसी भय के कानूनी कार्रवाई और प्रक्रिया का सामना करेंगे। भारत जोड़ो न्याय यात्रा जारी रहेगी। उन्होंने असम के अलावा केंद्र सरकार को भी आड़े हाथों लिया। रमेश ने कहा कि पीएम मोदी दुनिया भर में जाकर कहते हैं कि भारत लोकतंत्र की जननी है। हालांकि, ऐसी घटनाएं लोकतंत्र की जननी होना नहीं, लोकतंत्र की हत्या दिखाती हैं। इससे पहले भीड़ को कथित तौर पर उकसाने के लिए गुवाहाटी पुलिस ने स्वत: संज्ञान लेते हुए राहुल गांधी और अन्य कांग्रेस नेताओं के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक दिन बाद आक्रामक तेवर दिखाते हुए राहुल ने कहा कि उन्हें नहीं पता कि असम के मुख्यमंत्री ने ऐसा क्यों सोच लिया कि पुलिस के पास मामले दर्ज होने पर वे डर जाएंगे। उन्होंने कहा कि 25 और मामले दर्ज कराएं। जितना संभव हो मामला दर्ज करें, उन्हें इस बात से फर्क नहीं पड़ता। वे किसी से डरने वाले नहीं हैं। राहुल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह पर भी निशाना साधा। कांग्रेस सांसद ने आरोप लगाया कि सीएम शर्मा के अलावा पीएम मोदी और शाह के भी दिल नफरत से भरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा-आरएसएस असम की भाषा, संस्कृति और इतिहास को मिटाना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा और संघ असम को नागपुर (आरएसएस मख्यालय) से चलाना चाहते हैं, लेकिन कांग्रेस और असम की जनता उन्हें ऐसा करने की इजाजत नहीं देगी। असम में यहीं के लोगों का शासन होगा। असम में लगातार हो रहे कथित भ्रष्टाचार की तरफ इशारा करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा देश के *सबसे भ्रष्ट सीएम* हैं। बकौल राहुल कि जब वह (सीएम शर्मा) आपसे बात करते हैं, तो वह आपकी जमीन चुरा लेते हैं। जब आप सुपारी खाते हैं, तो वह सुपारी कारोबार पर भी कब्जा कर लेते हैं। राहुल का आरोप है कि सीएम शर्मा ने काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में भी जमीन ली है। गौरतलब है कि राहुल ने भारत जोड़ो न्याय यात्रा की शुरुआत मणिपुर से की है। यात्रा के 11वें दिन वे असम के बरपेटा में हैं। 6200 किलोमीटर की इस यात्रा में राहुल समेत कद्दावर कांग्रेसी 14 राज्यों से गुजरेंगे।

बंदरगाह आधारित औद्योगीकरण ...

स्वागत किया और भारतीय प्रतिनिधियों को उनकी सक्रिय भागीदारी के लिए धन्यवाद दिया। कार्यशाला में सोनोवाल ने आधुनिकीकरण, कनेक्टिविटी वृद्धि, बंदरगाह आधारित औद्योगीकरण, नवाचार और अनुसंधान में राष्ट्रों के साथ साझेदारी के माध्यम से भारतीय समुद्री क्षेत्र को आगे बढ़ाने के भारत सरकार के लक्ष्य को स्पष्ट किया। इस अवसर पर चेन्नई बंदरगाह प्राधिकरण के अध्यक्ष एस. विश्वनाथन ने कार्यक्रम में दोनों देशों के मंत्रियों, प्रतिनिधियों और प्रतिभागियों का आभार व्यक्त किया।

भारत बंद का ...

संगठन हैं। उन्होंने किसानों और दुकानदारों से अपील की है कि 16 फरवरी को खेत में काम न करें। दुकानों को भी बंद रखें। भाकियू नेता ने कहा कि 16 फरवरी को भारत बंद है. उसमें बहुत से यूनियन शामिल हैं। टिकैत ने कहा कि 16 फरवरी किसान के लिए अमावस्या ही है. एग्रीकल्चर हड़ताल देश में रखें तो इससे एक बड़ा मैसेज जाएगा। टिकैत ने कहा कि हम सरकार के सामने एमएसपी, नौकरी, अग्निवीर, पेंशन आदि मुद्दे उठाएंगे। मुद्दों के बारे में राकेश टिकैत ने कहा कि एमएसपी गारंटी कानून, पेंशन, अग्निवीर, बेरोजगारी का मुद्दा है।

कैबिनेट सहयोगी फिलहाल...

चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि केंद्रीय मंत्री मार्च में अयोध्या जाने की योजना बनाएं या फिर कार्यक्रम को स्थगित कर दें। 22 जनवरी को रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा हुई। इसके बाद मंगलवार को भक्तों के लिए राम मंदिर के दरवाजे खोल दिए गए। इसी के साथ ही भगवान श्रीराम के दर्शन के लिए लोगों की भारी भीड़ पहुंचना शुरू हो गई। बता दें कि प्राण-प्रतिष्ठा के बाद मंगलवार को पांच लाख से अधिक भक्तों ने रामलला के दर्शन किए और बुधवार को भी भारी भीड़ देखने को मिली। बातचीत में रैपिड एक्शन फोर्स (आरएएफ) के डिप्टी कमांडेंट अरुण कुमार तिवारी ने बुधवार को कहा कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि भक्तों को असुविधा न हो। मंदिर के अंदर और बाहर लगभग हजार जवानों को तैनात किया गया है। तैनाती अगले कुछ दिनों तक जारी रहेगी।

रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा...

मस्जिद को तोड़कर बनाई गई राम मंदिर की निंदा करते हैं। उन्होंने कहा कि जिस जगह पर राम मंदिर का निर्माण किया गया है उस जगह पर पिछले 500 सालों से बाबरी मस्जिद थी। राम मंदिर के प्राण-प्रतिष्ठा को लेकर पाकिस्तान का भी बयान सामने आया था। पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा था कि बाबरी मस्जिद को तोड़कर, जिस जगह पर मंदिर बनाई गई है वो गलत है। ओआईसी वही संगठन है जो बार-बार कश्मीर मसले पर पाकिस्तान का साथ देता रहा है और कई बार भारत के खिलाफ बयान जारी कर चुका है। पाकिस्तान इसका सक्रिय सदस्य है. पाकिस्तान शुरू से ही ओआईसी के मंच को कश्मीर मुद्दे के लिए इस्तेमाल करता रहा है और उसने कश्मीर में धारा 370 खत्म करने के खिलाफ प्रस्ताव भी पारित कराया था। गौरतलब है कि सोमवार 22 जनवरी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में राम मंदिर का उद्घाटन किया और दिव्य गर्भगृह में रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा की। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद सोमवार को रामलला का पट आम लोगों के लिए खुल गया। पहले दिन यानी मंगलवार को करीब 5 लाख से अधिक रामभक्तों ने रामलला का दर्शन किया। बता दें कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद राम मंदिर का निर्माण हुआ है। इस्लामिक सहयोग संगठन (ओआईसी) मुस्लिम देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला एक संगठन है जिसका मकसद अंतर्राष्ट्रीय शांति और सद्भाव को कायम रखते हुए मुस्लिम दुनिया के हितों की रक्षा करना है। ओआईसी संगठन की स्थापना 1969 में हुई थी। इसके पीछे 21 अगस्त 1969 की एक घटना थी जिसमें येरूशल की अल आक्सा मस्जिद में आग लगा दी गई थी। येरूशल के पूर्व मुफ्ती आमिन अल हुसैनी ने इस आगजनी को यहूदियों का अपराध कहा गया था और दुनिया के मुस्लिम देशों के प्रमुखों को एक सम्मेलन बुलाने को कहा था। इसके सदस्य देशों की संख्या 57 है।

यूक्रेन के 65 ...

के कर्मचारी वर्तमान में घटनास्थल पर काम कर रहे हैं। मैंने अपना कामकाज का शेड्यूल बदला और क्षेत्र में गया। इससे संबंधित विवरण बाद में मिल सकेंगे। ग्लैडकोव ने कहा कि *घटना* बेलगोरोड शहर के उत्तर-पूर्व में बेलगोरोड क्षेत्र के कोरोचान्स्की जिले में हुई।

ज्ञानवापी मामला : सार्वजनिक...

माध्यम से रिपोर्ट देने पर आपत्ति जता रही थी, इसलिए दोनों पक्ष रिपोर्ट की हार्ड कॉपी प्राप्त करने पर सहमत हुए। नकल के लिए पक्षकार कोर्ट में आवेदन देंगे। मां श्रृंगार गौरी केस की वादिनी सीता साहू, रेखा पाठक, मंजू व्यास और लक्ष्मी देवी की तरफ से सर्वे रिपोर्ट की प्रति दिए जाने का अनुरोध अदालत से किया गया था। वादिनी महिलाओं का कहना था कि यह जनहित का मुद्दा है। इसे गोपनीय बनाकर हौव्वा बनाया जा रहा है। हिंदू पक्ष की ही एक अन्य वादिनी राखी सिंह का कहना था कि अदालत में दाखिल रिपोर्ट के अध्ययन का अधिकार वादी पक्ष को है। वहीं, अंजुमन इंतेजामिया मसाजिद कमेटी का कहना है कि यदि सर्वे रिपोर्ट वादिनी महिलाओं को दी जाती है तो उन्हें भी उपलब्ध कराई जाए। उधर, एएसआई का कहना है कि जब तक प्राचीन मूर्ति स्वयंभू ज्योतिर्लिंग लॉर्ड विश्वेश्वरनाथ के मुकदमे में ज्ञानवापी सर्वे की रिपोर्ट की प्रति वह दाखिल न कर दे, तब तक उसे सार्वजनिक न किया जाए।

देश की बहुसंख्यक आबादी आज भी न्याय की संपूर्ण स्थापना से दूर : कन्हैया कुमार

गुवाहाटी (हिंस)। देश में सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय स्थापित करने के लिए ही *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* हो रही है। देश को युवा न्याय, भागीदारी न्याय, नारी न्याय, किसान न्याय और श्रमिक न्याय की जरूरत है। इससे देश को शक्ति मिलेगी। गुरुवार को भारत जोड़ो न्याय यात्रा के मद्देनजर यहां भारतीय राष्ट्रीय छात्र संघ (एनएसयूआई) के प्रभारी कन्हैया कुमार ने एक संवाददाता सम्मेलन में कही। उन्होंने कहा कि हमारे देश की बहुसंख्यक आबादी आज भी न्याय की संपूर्ण स्थापना से दूर है। पांच न्याय के उद्देश्य की व्याख्या करते हुए उन्होंने कहा कि युवा न्याय का मतलब है, युवाओं को रोजगार मिले। सभी क्षेत्र में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करनी है, महिलाओं के लिए एक सुरक्षित और स्वतंत्र समाज का निर्माण करना, किसानों को उनकी फसल के उचित दाम मिलें और श्रमिकों को उचित मूल्य दिलाने के लिए कांग्रेस हर संभव प्रयास करेगी। उन्होंने कहा कि *भारत जोड़ो यात्रा* के दौरान सरकार ने कोई बाधा उत्पन्न नहीं की थी, लेकिन इस बार न्याय की इस लड़ाई में अन्यायी शक्तियां बाधा पैदा कर रही हैं। जो कांग्रेस पार्टी अंग्रेजों की तोप से नहीं डरी, वे बैरिकेडिंग से क्या डरेंगे। कन्हैया कुमार ने कहा कि जननायक कर्पूरी ठाकुर का आज जन्म शताब्दी दिवस है, जिन्हें सरकार ने *भारत रत्न* देने की घोषणा की है। इसका स्वागत है, लेकिन साथ ही यह प्रश्न उठाया है कि.. आप यदि कर्पूरी ठाकुर को सच्ची श्रद्धांजलि देना चाहते हैं तो उनका भागीदारी से जुड़ा मॉडल लागू कीजिए।

एसटीएफ ने 40 क्विंटल गांजा किया जब्त, दो गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस के स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने बुधवार सुबह गुवाहाटी के बशिष्ठ थानाक्षेत्र के बेहारबाड़ी में एक ट्रक से 40 क्विंटल गांजा जब्त किया है। पुलिस ने तस्करी के आरोप में दो लोगों को गिरफ्तार भी किया है। दरअसल, पुलिस एसटीएफ को गांजा की तस्करी की सूचना मिली थी। एसटीएफ प्रमुख पार्थसारथी महंत के नेतृत्व में एसटीएफ की एक टीम ने पड़ोसी राज्य से उत्तर की ओर आ जा रहे एक ट्रक को रोका। ट्रक में कच्ची रबर के नीचे छिपा 40 क्विंटल गांजा जब्त कर लिया। जब्त गांजे की बाजार कीमत करीब 10 करोड़ रुपए आंकी गई है। एसटीएफ ने तस्करी आरोप में राजू शर्मा (46) तथा विश्वजीत दास (29) को गिरफ्तार किया है।

राहुल गांधी डरपोक हैं : मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी *डरपोक* हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राहुल गांधी ने अपनी यात्रा के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिंसा भड़काने के लिए प्रोत्साहित किया। इसके बाद वे चुपचाप अपनी लग्जरी बस से बाहर निकल गए और एक छोटी कार में सवार होकर शहर छोड़कर अपने अगले पड़ाव हाजो की ओर चले गए। कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 11वें दिन असम के बोंगाईगांव में पहुंचे हैं। मुख्यमंत्री डॉ शर्मा ने बुधवार को सोशल मीडिया के जरिए राहुल गांधी पर गंभीर आरोप लगाए। मुख्यमंत्री शर्मा ने अपने एक्स हैंडल पर बुधवार को लिखा कि दिलचस्प... कांग्रेस कार्यकर्ताओं को हिंसा के लिए उकसाने के बाद, राहुल गांधी (जो बस यात्रा पर हैं) चुपचाप अपनी फैंसी बस से बाहर आए और एक छोटी कार से शहर से भाग गए हाजो, जो उनकी अगली मंजिल है। राहुल ने डरपोक होने का एक नया मानक स्थापित किया है...हा हा। उल्लेखनीय है कि मंगलवार को गुवाहाटी में राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा के दौरान कांग्रेस समर्थकों और असम पुलिस के बीच हुई झड़प मामले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और कन्हैया कुमार समेत अन्य के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। एफआईआर में उन पर कई गैर जमानती धाराएं लगाई गई हैं।

अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय में पीजी कोर्सेस में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित

गुवाहाटी। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय अपने पूर्णकालिक दो वर्षीय पीजी कोर्सेस में प्रवेश के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। इनमें एमए एजुकेशन, एमए डेवलपमेंट स्टडीज, मास्टर ऑफ पब्लिक हेल्थ और एमए अर्थशास्त्र कोर्सेस शामिल हैं। यह कोर्सेस अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय के बेंगलुरू और भोपाल स्थित कैम्पस में चलाए जाएंगे। विद्यार्थियों को बेहतरीन शिक्षा उपलब्ध कराते हुए विद्यार्थियों में सामाजिक प्रतिबद्धता व विशेषज्ञता निर्माण करना इन कोर्सेस का लक्ष्य है। इसके जरिए सार्थक करियर बनाने के मौके मिलें। विद्यार्थी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर जाकर आवेदन कर सकते हैं। पहले आवेदकों की लिखित परीक्षा ली जाएगी। लिखित परीक्षा में शॉर्टलिस्ट किए गए आवेदकों का साक्षात्कार लिया जाएगा। आवेदकों को परीक्षा और साक्षात्कार में प्रदर्शन के आधार पर प्रवेश दिया जाएगा। विश्वविद्यालय विविधतापूर्ण और समावेशी विद्यार्थी समूह बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। हम जिन्हें आवश्यकता हो, उन्हें ट्युशन-फीस और छात्रावास ख़र्चों के लिए (आंशिक और पूर्ण) वित्तीय सहायता प्रदान करते हैं। विद्यार्थियों को उनके ऐच्छिक और अपेक्षित करियर के अवसरों को उपलब्ध करवाने के लिए समर्पित करियर मार्गदर्शन और प्लेसमेंट सेल है। प्लेसमेंट सेल विद्यार्थियों को काम करने की बेहतर जगह खोजने में मदद करने वाले मंच के रूप में कार्य करता है, ताकि वे समाज को बेहतर बनाने की दिशा में में योगदान दे सकें। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन ने बेंगलुरू और भोपाल में अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय की स्थापना पूर्ण रूप से परोपकारी और लाभ निरपेक्ष संस्था के रूप में की है। विश्वविद्यालय न्यायसंगत, समतापरक, मानवीय और टिकाऊ समाज की रचना के स्पष्ट सामाजिक उद्देश्य से काम कर रही है। अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, बेंगलुरू की स्थापना कर्नाटक सरकार के अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी *एक्ट 2010* के तहत की गई थी। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय, भोपाल की स्थापना *मध्य प्रदेश निजी विश्व विद्यालय (स्थापना एवं संचालन) द्वितीय संशोधन अधिनियम, 2022* के प्रावधानों के तहत की गई थी।

कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री शाह को पत्र लिखा

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने असम में राहुल गांधी की सुरक्षा को लेकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है। खड़गे ने असम में भारत जोड़ो न्याय यात्रा की सुरक्षा व्यवस्था पर चिंता व्यक्त किया है। खड़गे ने पत्र में असम में यात्रा के प्रवेश वाले दिन राहुल के साथ हुई घटना का जिक्र किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया है कि असम पुलिस ने भाजपा कार्यकर्ताओं को राहुल के काफिले के करीब आने की अनुमति दी। उनका सुरक्षा घेरा तोड़ दिया गया।

मुख्यमंत्री, 36 विधायकों, दो सांसदों ने लीं मणिपुर की रक्षा की शपथ

इंफाल (हिंस)। आज मणिपुर के कांगला में एक बैठक में 36 मैतेई विधायक और दो सांसद ने एकत्र होकर राज्य की सुरक्षा के लिए शपथ ली। सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी दल कांग्रेस दोनों के विधायकों ने राज्य की रक्षा के लिए एकजुट होकर काम करने के प्रस्ताव पर भी हस्ताक्षर किए। बाद में मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने भी शपथपत्र पर हस्ताक्षर किए। हालांकि, मुख्यमंत्री कांगला में आयोजित इस बैठक में शामिल नहीं हुए। बैठक का आयोजन मैतेई नागरिक समाज संगठन अरामबाई तेंगगोल (एटी) द्वारा आज किया गया। यह बैठक पिछले दिनों संदिग्ध विद्रोहियों द्वारा चार मैतेई लकड़हारे, एक ग्राम रक्षा स्वयंसेवक और दो पुलिस कमांडो की हत्याओं के प्रतिक्रिया स्वरूप में बुलाई गई थी। एटी ने मैतेई विधायकों को इस महत्वपूर्ण समय में अपने राजनीतिक मतभेदों को दूर करके लगभग नौ महीने से जातीय हिंसा से जूझ रहे मणिपुर की रक्षा के लिए प्रार्थना करने और साथ मिलकर काम करने के लिए आमंत्रित किया था। बैठक में युवाओं, महिला समूहों, छात्रों सहित हजारों की संख्या में लोग कांगला में आयोजित इस बैठक में भाग लेने के लिए एकत्र हुए। एटी के स्वयंसेवकों की कुल संख्या 50 हजार से 80 हजार के बीच होने की जानकारी दी गई है। सोशल मीडिया पर प्रसारित एक वीडियो में विधायकों और मंत्रियों को कांगला उत्रा मंदिर के सामने शपथ लेते हुए देखा गया। एटी के प्रमुख कोरौंगनबा खुमान ने कहा कि इसका उद्देश्य निर्वाचित सदस्यों को लोगों की समस्या का समाधान करने की उनकी जिम्मेदारी का याद दिलाना है। बैठक में एटी ने छह मांगें रखी। इनमें सन् 1951 को आधार वर्ष मानकर एनआरसी लागू करना। कुकी उग्रवादियों के साथ सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन (एसओओ) समझौते को रद्द करना। सभी म्यांमार शरणार्थियों का निर्वासन करना। सीमा पर बाड़ लगाना। असम राइफल्स को अन्य केंद्रीय बलों से बदलना तथा अवैध कुकी अप्रवासियों को अनुसूचित जनजाति सूची से हटाना शामिल है। भीड़ को संबोधित करते हुए खुमान ने घोषणा की कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशन (एसओओ) के तहत कुकी उग्रवादियों को नियंत्रित करने के उपायों का आश्वासन दिया है। केंद्रीय गृह मंत्रालय की तीन सदस्यीय विशेष टीम 23 जनवरी को इम्फाल आई और एटी से बातचीत की। इस बीच, नगा जनजातियों के नेताओं सहित 35 विधायकों ने केंद्र से 25 कुकी विद्रोही समूहों के साथ एसओओ समझौते को रद्द करने के लिए कहा है।

असम के मुख्यमंत्री नफरत फैलाते और जमीन पर कब्जा करते : राहुल गांधी

बरपेटा (हि.स.)। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि असम के मुख्यमंत्री एक तरफ नफरत फैलाते हैं और दूसरी ओर जमीन पर कब्जा करते हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सुबह उठते ही नफरत फैलाते हैं और जब तक जनता इधर-उधर देखती है, उसके जेब से रुपये निकाल लेते हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी अपनी *भारत जोड़ो न्याय यात्रा* के दौरान बुधवार को राज्य के बरपेटा में जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। राहुल गांधी ने आरोप लगाया कि देश के सबसे भ्रष्ट असम के मुख्यमंत्री हैं। उन्होंने कहा कि आप मुंह में पान खाओ तो सुपारी का व्यापार मुख्यमंत्री का है। हर कदम पर जनता की जेब से पैसे निकल रहे हैं। इस दौरान राहुल गांधी ने असम के मुख्यमंत्री पर कई गंभी आरोप भी लगाए। उल्लेखनीय की राहुल गांधी की भारत जोड़ो न्याय यात्रा 14 जनवरी को मणिपुर से शुरू होकर नगालैंड होते हुए शिवसागर जिले की सीमा से असम में पहुंची थी। इसके बाद यात्रा जोरहाट होते हुए माजुली, लखीमपुर, अरुणाचल प्रदेश से होकर वापस असम के विश्वनाथ जिले के शोणितपुर होते हुए नगांव जिले के धिंग में पहुंची है। पुलिस ने उनकी यात्रा को धिंग में ही रोक दी थी। खानापाड़ा में रोके जाने पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने बेरीकेडिंग को तोड़कर शहर में घुसने की कोशिशें की गई। इस दौरान कई सुरक्षाकर्मियों मामूली घायल हुए थे। असम पुलिस ने इस सिलसिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल, कन्हैया कुमार आदि के विरुद्ध गैर-जमानती धाराओं के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

देबलाल गार्लोसा तीसरी बार बने एनसी हिल्स ऑटोनॉमस कौंसिल के सीईएम

डिमा हसाओ (हिंस)। देबलाल गार्लोसा को तीसरी बार नॉर्थ कछार हिल्स ऑटोनॉमस काउंसिल के मुख्य कार्यकारी सदस्य (सीईएम) चुना गया है। देबलाल गार्लोसा ने आज हाफलोंग जिला पुस्तकालय सभागार में मुख्य कार्यकारी सदस्य के रूप में पद और गोपनीयता की शपथ ली। डिमा हसाओ जिला आयुक्त सीमंत कुमार दास ने देबलाल गार्लोसा को पद और गोपनीयता के पाठ पढ़ाए। देवलाल गार्लोसा ने अपनी मातृभाषा डिमासा भाषा में शपथ ली। भाजपा पार्षद दल की बैठक में देबलाल गार्लोसा को स्वायत्तशासी परिषद का नेता चुने जाने के बाद राज्यपाल ने देबलाल के नाम को मुख्य कार्यकारी सदस्य के रूप में मंजूरी दी।

आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज व परमाध्या माताजी का केशलोंचन कार्यक्रम

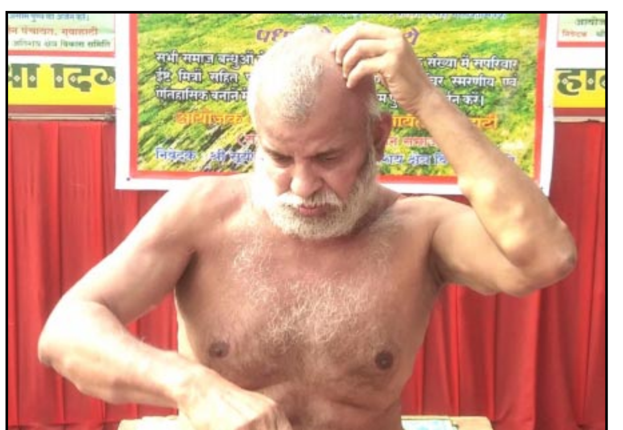

गुवाहाटी। फैंसी बाजार स्थित भगवान महावीर धर्मस्थल में बुधवार को दिगंबर जैन समाज के महान संत आचार्य श्री प्रमुख सागर महाराज का केशलोंच हुआ। इस अवसर पर आचार्य श्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि किसी भी जैन संत की दीक्षा का पहला चरण केशलोंच होता है।क्योंकि इस प्रक्रिया से शरीर से ममत्व भाव घटता है तथा शरीर का आकर्षण समाप्त होता है। इसलिए आंतरिक चेतना के जागरण और नश्वर देह से राग हटाने के लिए संतों की यह प्रक्रिया जीवन में वैराग्य लाने और कड़ी साधना का एक प्रतीक होती है। उन्होंने कहा कि केशलोंच करना प्रत्येक दिगंबर जैन साधु का धर्म है। यह एक तप है, जिसे सहज भाव से स्वीकार किया जाता है। केशलोंचन से शरीर को कष्ट देना नहीं बल्कि यह तो उत्कृष्ट साधना का परीक्षण है, जिसे एक वर्ष में चार बार किया जाता है। प्रचार प्रचार के मुख्य संयोजक ओम प्रकाश सेठी ने बताया कि एक दिगंबर जैन साधु को केशलोच करते देखने से 100 जिनालयों के दर्शन जितना पुण्य मिलता है। प्रचार प्रसार के सह-संयोजक सुनील कुमार सेठी ने बताया कि आचार्य श्री संघस्थ परमाध्या माताजी का भी केश- लोंचन हुआ। इस अवसर पर काफी संख्या में समाज के सदस्य उपस्थित थे।

उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर मुख्यमंत्री ने दीं शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व सरमा ने बुधवार को उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर अपनी शुभकामनाएं दीं हैं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया एक्स पर एक फोटो शेयर करते हुए कहा कि अपनी गौरवशाली विरासत, अनूठी संस्कृति के लिए सुप्रसिद्ध संभावनाओं के प्रदेश, उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस पर सभी प्रदेशवासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। उन्होंने कहा है कि धर्म और आस्था की पावन भूमि, यह राज्य आज आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उल्लेखनीय है कि आज उत्तर प्रदेश का स्थापना दिवस है। इस अवसर पर राजभवन की ओर से एक विशेष कार्यक्रम का भी आयोजन किया जा रहा है।

अंग्रेजों के विरुद्ध पूरी शक्ति के साथ लड़ने वाले व्यक्ति सुभाष चंद्र बोस का नाम हमेशा याद किया जाएगा : मंत्री केशव मंहत

होजाई (निसं)। भारतवर्ष के स्वाधीनता आंदोलन के समय अंग्रेजों के विरुद्ध पूरी शक्ति के साथ लड़ने वाले व्यक्तियों में सुभाष चंद्र बोस का नाम हमेशा याद किया जाएगा-उक्त संवाद राज्य के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंत ने शहर के प्लेबॉय स्पोर्ट्स क्लब के तत्वाधान में नेताजी जन्म जयंती के समारोह मे व्यक्त किया। उक्त समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में असम के स्वास्थ्य मंत्री केशव महंतो ने कहा कि देश के स्वाधीनता के लिए महात्मा गांधी के नेतृत्व में चल रहे अहिंसा के आंदोलन के साथ-साथ एक वृहद परिणाम हेतु अंग्रेजों के विरुद्ध नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने आंदोलन किया था। उन्होंने विदेश में जाकर अपनी सेना बनाई थी। भारत वर्ष के स्वाधीनता आंदोलन को अंतरराष्ट्रीय आंदोलन के रूप में प्रतिष्ठित करने के लिए चेष्टा किया था। उन्होंने आजाद हिंद फौज का गठन कर फौज के माध्यम से ब्रिटिश शासन के विरुद्ध लड़ने की तैयारी की थी। देश स्वाधीन होने के 50 वर्ष के पश्चात नेताजी की जन्म जयंती को राष्ट्रीय बंद के रूप में केंद्रीय सरकार ने घोषणा की थी। शहर के लाल पट्टी स्थित प्ले बॉय स्पोर्ट्स क्लब एवं असम राज्यिक अल्पसंख्यक विकास बोर्ड के तत्वाधान मे होने वाले नेता जी के जन्म जयंती उत्सव के विशिष्ट अतिथि के रूप में जिला उपायुक्त लाचित कुमार दास, भाषिक संख्या लघु उन्नयन बोर्ड के अध्यक्ष तथा होजाई के पूर्व विधायक शिलादित्य देव, नगरपालिका अध्यक्ष चतुर्थी रानी विश्वास, बीजेपी जिला सभापति अनूप दें, मौजुदार रंजन बोरा, अजमल फाउंडेशन के प्रबंधक एमआर आजाद, मरकाजुल मारीफ के साधारण संपादक खलील उल रहमान सहित कई लोग उपस्थित रहे। समारोह का सभापतित्व प्रमोद रंजन दास एवं धन्यवाद ज्ञापन सचिव कमल दत्त ने दिया।

जेमा की ओर से आशी अप्सरा में *इलेक्ट्रोफेस्ट* एक्सपो 3 फरवरी से

गुवाहाटी (विभास)। असम सहित पूर्वोत्तर के इतिहास में गुवाहाटी इलेक्ट्रिक मर्चेंट्स एसोसिएशन (जेमा) की ओर से अब तक का सबसे बड़ा इलेक्ट्रोफेस्ट नामक इलेक्ट्रिकल एक्सपो का आयोजन किया जा रहा है। नगर के बीचों बीच उल्लूबाड़ी स्थित आशी अप्सरा प्रांगण में आगामी 3 से 5 फरवरी को आयोजित होने जा रहे इस एक्सपो की तैयारी संस्था के अध्यक्ष नवल किशोर सारडा एवं सचिव साकेतराज पूगलिया के निर्देशन में सफलतापूर्वक चल रही है। आयोजन के संदर्भ में आज पोस्टर का अनावरण किया गया। प्रोजेक्ट चेयरमैन व संस्था के उपाध्यक्ष गोपाल पसारी ने बताया है आगामी दिनों होने वाले इस एक्सपो में देश की इलेक्ट्रिकल से संबंधित विभिन्न कंपनियां हिस्सा ले रही है। उन्होंने बताया की तीन दिनों तक चलने वाले एक्सपो में 70 से अधिक प्रमुख कंपनियां भाग लेंगी और अपने उत्पादों का प्रदर्शन करेंगी। एक्सपो के संयोजक अभिषेक केजरीवाल ने कहा कि पहली बार होने वाले इस एक्सपो में इलेक्ट्रिकल्स में नवीनतम नवाचार दिखाने वाली सभी इलेक्ट्रिकल कंपनियों को एक साथ ला रहा है और पूरे पूर्वोत्तर के बिल्डरों, आर्किटेक्ट्स, ठेकेदारों, व्यापारियों, इंटीरियर डिजाइनरों और उपभोक्ताओं के लिए देखने का मौका प्रदान कर रहा है। सचिव साकेत राज पुगलिया ने कहा कि इलेक्ट्रिकल, लाइटिंग और पावर जगत के दिग्गज इस एक्सपो में मैन्युफैक्चरर्स, ओईएम, सप्लायर्स और डिस्ट्रीब्यूटर्स से लेकर एजेंट तक शामिल होंगे और व्यापार के भरपूर अवसर प्रदान करेंगे। एक्सपो के संयोजक एवं जेमा कोषाध्यक्ष नवीन सेठिया ने कहा कि एक्सपो एक ऐसा मंच है जहां एक आम खरीदार आकर इलेक्ट्रिकल्स से संबंधित उत्पादों की पूरी रेंज देख सकता है। यह इवेंट पैनासोनिक द्वारा एंकर द्वारा समर्थित है और केईआई और कोलोर्स द्वारा सह-समर्थित है, और आरआर काबेल, प्रेस्टो प्लास्ट, बर्लिया और इजोक द्वारा संबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि संयोजक अनिल डुग्गर, सौरभ बोथरा, अभिषेक कागलीवाल के अलावा संस्था के सभी सदस्य इस आयोजन को सफल बनाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं।

शुभम् एलिट आस्था परिवार ने राम उत्सव मनाया

गुवाहाटी (विभास)। गांधी बस्ती स्थित शुभम एलिट आस्था परिवार में रामलला प्राण प्रतिष्ठा के अवसर पर अनेक कार्यक्रम आयोजित किए गये। इस उपलक्ष में प्रात: 8 बजे जय श्री राम के जयकारा के साथ सोसाइटी के परिसर में शोभायात्रा निकाली गई। उसके पश्चात कीर्तन, सुंदरकांड पाठ और हवन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। दोपहर 12 बजे अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा कार्य संपन्न होते ही महा आरती की गई। इस उपलक्ष में श्रम सेवा एवं दान पुण्य का कार्यक्रम किया गया। संध्या समय सांस्कृतिक कार्यक्रम में राम चरित्र पर आधारित रामायण नाटक का मंचन आस्था परिवार के सदस्यों द्वारा किया गया। इससे पहले भजन गायिका मीनाक्षी बुच्चा ने भजनों की प्रस्तुति दी। इस कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप बोथरा एवं दौलत गोलछा, सह संयोजक कैलाश राठी ने सारी व्यवस्था संभाल रखी थी।

संपादकीया

राम मंदिर के अलावा

प्रधानमंत्री मोदी ने अयोध्या में श्रीराम की तुलनात्मक व्याख्याएं कीं कि राम आग नहीं, ऊर्जा हैं। राम विवाद नहीं, समाधान हैं। राम वर्तमान नहीं, अनंतकाल हैं। राम की प्राण-प्रतिष्ठा कालचक्र का नया उद्गम है। ऐसी कई तुलनाओं के बाद प्रधानमंत्री ने यह सवाल भी किया कि राम मंदिर तो बन गया, अब आगे क्या? उन्होंने जवाब-सा भी दिया कि राम से राष्ट्र तक चेतना का विस्तार करना है। 'चेतना का विस्तार' अत्यंत व्यापक और उपदेशी-सा कथन है। जो राम मंदिर को 'सांप्रदायिक' करार देते रहे हैं, वे आगे के अभियान मथुरा और काशी को ही मानेंगे। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी के विवाद अदालतों में हैं। उन्हें अदालतों के विचाराधीन ही रहने दिया जाए। अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों की पीठ ने जो ऐतिहासिक निर्णय दिया था, जिसकी बदौलत राम मंदिर में भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा की जा सकी, अब वह निर्णय निचली अदालतों के लिए आधार-बिंदु हो सकता है। उपासना स्थलों की यथास्थिति को लेकर 1991 में संसद ने जो कानून बनाया था, उसकी व्याख्या प्राचीन पूजा-स्थलों के संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने फिलहाल छोड़ दी है। बहरहाल प्रधानमंत्री ने भविष्य के अभियान सिर्फ मथुरा और काशी ही तय नहीं किए हैं, बल्कि वह राम मंदिर सरीखे लक्ष्यों के साथ विकास, बुनियादी ढांचे, जन-कल्याण और प्रौद्योगिकी को लेकर भी आगे बढना चाहते हैं। उन्हें अनुभव है कि सिर्फ राम मंदिर की चुनावी रणनीति ही पर्याप्त नहीं है, लिहाजा अयोध्या से दिल्ली लौट कर उन्होंने एक करोड़ घरों की छत पर सौर-ऊर्जा का सिस्टम स्थापित करने वाली योजना की घोषणा की। अयोध्या का तो कायाकल्प हो चुका है। जो योजनाएं शेष हैं, उन पर कार्य लगातार जारी है। अयोध्या में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और जंक्शन के रूप में नया, विकसित रेलवे स्टेशन, सडक़ों और राजमार्गों का चौड़ीकरण और 50 से अधिक विश्वस्तरीय होटलों की निर्माण-प्रक्रिया नई अयोध्या के नूतन चेहरे हैं। करीब 50,000 करोड़ रुपए की योजनाएं निर्माणाधीन हैं। औद्योगिक संगठनों का आकलन है कि अयोध्या में बहुत जल्द ही एक लाख करोड़ रुपए का कारोबार होगा। प्रधानमंत्री के हालिया संबोधनों से यह भी स्पष्ट है कि इस बार आम चुनाव में उनका फोकस दक्षिण भारत पर भी रहेगा। वहां वह बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं, लिहाजा राम मंदिर प्राण-प्रतिष्ठा के लिए 11 दिनों का जो कठिन अनुष्ठान किया था, उस दौरान प्रधानमंत्री आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु, केरल के राम मंदिरों में गए। उनके विधि-विधान के अनुसार पूजा-पाठ किए और उनकी भाषाओं में 'रामायण' के पाठ भी सुने। इससे पहले प्रधानमंत्री ने दक्षिण भारत के राज्यों के लिए हजारों करोड़ रुपए की परियोजनाओं के शिलान्यास और उद्घाटन भी किए। दक्षिण भारत के इन राज्यों में भाजपा के चुनावी हासिल 'शून्य' रहे हैं। केरल, तमिलनाडु, आंध्र से भाजपा का एक भी सांसद चुनकर संसद तक नहीं जा पाया है। सवाल है कि राम मंदिर पर आधारित प्रधानमंत्री की रणनीति क्या और किस सीमा तक भाजपा को चुनावी लाभांश दिला सकती है? बेशक राम मंदिर 'मोदी की गारंटी' को सत्यापित करता है। हालांकि बुनियाद संविधान पीठ ने डाली, लेकिन प्रशासनिक और अन्य प्रबंध न किए जाते, तो अयोध्या का समारोह इतना विशाल और विविध न हो पाता। अयोध्या का समारोह भाजपा-संघ प्रायोजित ही था। अब यहां से एक नए किस्म का 'सांस्कृतिक राष्ट्रवाद' शुरू होगा।

राम की प्राण-प्रतिष्ठा कालचक्र का नया उद्गम है। ऐसी कई तुलनाओं के बाद प्रधानमंत्री ने यह सवाल भी किया कि राम मंदिर तो बन गया, अब आगे क्या? उन्होंने जवाब-सा भी दिया कि राम से राष्ट्र तक चेतना का विस्तार करना है। 'चेतना का विस्तार' अत्यंत व्यापक और उपदेशी-सा कथन है। जो राम मंदिर को 'सांप्रदायिक' करार देते रहे हैं, वे आगे के अभियान मथुरा और काशी को ही मानेंगे। श्रीकृष्ण जन्मभूमि और ज्ञानवापी के विवाद अदालतों में हैं। उन्हें अदालतों के विचाराधीन ही रहने दिया जाए। अयोध्या विवाद पर सर्वोच्च अदालत के पांच न्यायाधीशों की पीठ ने जो ऐतिहासिक निर्णय दिया था, जिसकी बदौलत राम मंदिर में भगवान की प्राण-प्रतिष्ठा की जा सकी, अब वह निर्णय निचली अदालतों के लिए आधार-बिंदु हो सकता है। उपासना स्थलों की यथास्थिति को लेकर 1991 में संसद ने जो कानून बनाया था, उसकी व्याख्या प्राचीन पूजा-स्थलों के संदर्भ में सर्वोच्च अदालत ने फिलहाल छोड़ दी है। बहरहाल प्रधानमंत्री ने भविष्य के अभियान सिर्फ मथुरा और काशी ही तय नहीं किए हैं, बल्कि वह राम मंदिर सरीखे लक्ष्यों के साथ विकास, बुनियादी ढांचे, जन-कल्याण और प्रौद्योगिकी को लेकर भी आगे बढना चाहते हैं। उन्हें अनुभव है कि सिर्फ राम मंदिर की चुनावी रणनीति ही पर्याप्त नहीं है, लिहाजा अयोध्या से दिल्ली लौट कर उन्होंने एक करोड़ घरों की छत पर सौर-ऊर्जा का सिस्टम स्थापित करने वाली योजना की घोषणा की। अयोध्या का तो कायाकल्प हो चुका है। जो योजनाएं शेष हैं, उन पर कार्य लगातार जारी है।

बालिकाओं के प्रति अपराध को रोकने, उनके प्रति सोच को बदलने की जरूरत है

बालिका सुरक्षा एवं अधिकारों की प्रासंगिकता

सत्यपाल वशिष्ठ

बच्चे ही देश का भविष्य तथा समाज का दर्पण होते हैं। उनके लिए सबसे बड़ा पोषण वातावरण होता है, जिसमें वे पलते हैं। उनको किसी भी हानि, शोषण और दुव्र्यवहार से बचाना चाहिए तथा उनके अधिकारों का आदर करना चाहिए। यही समाज और हर नागरिक का कत्र्तव्य है और स्वस्थ समाज और देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति सच्ची सेवा है।

भारत 444 मिलियन बच्चों का घर है। मतलब हर चौथा व्यक्ति भारत में बच्चा है, जो 1 से 14 वर्ष आयु वर्ग में आता है। बच्चे ही देश का भविष्य तथा समाज का दर्पण होते हैं। उनके लिए सबसे बड़ा पोषण वातावरण होता है, जिसमें वे पलते हैं। उनको किसी भी हानि, शोषण और दुव्र्यवहार से बचाना चाहिए तथा उनके अधिकारों का आदर करना चाहिए। यही समाज और हर नागरिक का कत्र्तव्य है और स्वस्थ समाज और देश के उज्ज्वल भविष्य के प्रति सच्ची सेवा है। परंतु बालिकाओं को, वो आदर नहीं मिल रहा जो वराहमिहिर ने कहा था कि औरत भगवान ने एक रत्न बनाया है, उसको घर में खुशहाली की देवी के रूप मे इज्जत देनी चाहिए। मनु ने भी औरतों को सम्मान देने को कहा। उन्होंने कहा कि किसी परिवार का खुशहाल होना औरत को सम्मान देने से सीधा संबंध रखता है। परंतु भारतीय समाज में इस समय औरतों की स्थिति इतनी आदरणीय नहीं है। उनको हर जगह असमानता का सामना करना पड़ रहा है। इसी को दृष्टिगत रखकर, भारत सरकार के महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने 2008 से राष्ट्रीय बालिका दिवस हर साल 24 जनवरी को एक नए थीम के साथ मनाने का फैसला लिया, ताकि बालिकाओं के अधिकारों तथा असमानता के बारे में बालिकाओं और नागरिकों को जागरूक किया जा सके तथा बालिकाओं की शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषण को बढ़ावा मिले तथा उनके शोषण को रोका जा सके। उनके ऊपर लगी पाबंदियों से उन्हें वायु की तरह मुक्त करके पुरुषों के समान दर्जा दिया जा सके, ताकि वो अपना दिव्य रूप पहचान सकें और पितृसत्तात्मक, पूंजीवादी, उपभोक्तावादी सत्ता, जिसका बोझ औरत सदियों से सहन कर रही है, से टकराने की ओर बढ़े, क्योंकि पुरुष अभी भी उच्च सामाजिक स्थिति पाए हुए हैं और पारंपरिक सामाजिक अधिकार औरतों के लिए नहीं छोडऩा चाहते। भारत सरकार एवं राज्य सरकारों ने लड़कियों को आगे बढ़ाने तथा सामाजिक एवं आर्थिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए बहुत से प्रोग्राम शुरू किए हैं जिनमें बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना, सुकन्या समृद्धि योजना, सीबीएसई छात्रवृत्ति योजना, बालिका समृद्धि योजना, मुख्यमंत्री राजश्री योजना, मुख्यमंत्री लाड़ली लक्ष्मी योजना, माझी कन्या भाग्यश्री योजना, सिंगल गर्ल चाइल्ड स्कॉलरशिप योजना, पहली बेटी के होने पर 50000 रुपए की मदद, गर्भवती महिला को प्रसव पूरा होने के बाद 6400 रुपए,

मुख्यमंत्री कन्या सुरक्षा योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना और कन्या सुमंगला योजना आदि शामिल हैं। इन योजनाओं से बालिकाओं के लिंगानुपात में सुधार, कानूनी अधिकार, शिक्षा, चिकित्सा देखभाल, शादी आदि में सहायता तथा अवसर प्रदान हुए हैं। इसके साथ बालिका लिंग सुधार के लिए अल्ट्रासाउंड केंद्रों में गर्भधारण के बाद लिंग की जांच को कानूनी अवैध, बाल विवाह अवैध तथा 14 वर्ष तक की आयु के बच्चों के लिए मुफ्त तथा जरूरी शिक्षा की सुविधा दी है। मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेगनेंसी अधिनियम के सख्ती से लागू करने के बावजूद 0-6 वर्ष की बाल लिंगानुपात में सुधार नहीं हुआ। 1991 में देश मे 1000 बालकों पर 945 बलिकाएं थीं जो 2001 में 927 तथा 2011 में 918 हो गई। हरियाणा में स्थिति और खराब है। यहां रोहतक जिले के कुछ गांवों में यह दर 2023 में 800 से भी नीचे है। यह सब बेटे को पाने की लालसा के कारण है और यह मानसिकता अभी भी बहुत से देशवासियों की है। कई जगह तो लडक़ों की शादी के लिए लड़कियां दूसरे राज्यों से तस्करी करके लाई जा रही हैं। सवाल है कि 'अगर बेटी जन्म न लेगी घर में, बहू कहां से लाओगे, बेटे से वंश चलाने की चाहत में बहू बिन वंश कैसे चलाओगे?' सरकार द्वारा बालिकाओं की सुरक्षा के लिए बहुत से कानून बनाए गए हैं। इसके बावजूद बालिकाएं विभिन्न अपराधों की शिकार हो रही हैं। इनमें से जो अपराध 18 वर्ष की आयु के नीचे वाले बच्चों से होता है, भारत में उसे बच्चों के विरुद्ध अपराध कहते हैं। ये अपराध हैं : हत्या, अपहरण, यौन शोषण, परित्याग करना, तस्करी, जन्म पूर्व लिंग निर्धारण, कन्या भ्रूण हत्या, बाल विवाह, जबरदस्ती विवाह, तेजाब हमला, दहेज उत्पीडऩ, बाल प्रोनोग्राफी, बाल वेश्यावृत्ति के लिए जबरन अपहरण, जबरन विवाह, बाल श्रम, बाल भिक्षावृत्ति, अंगों के प्रत्यारोपण के लिए अपहरण, सम्मान के नाम पर किया अपराध, लज्जा भंग, सडक़ पर यौन उत्पीडऩ, स्कूलों में अध्यापकों द्वारा यौन उत्पीडऩ, लिंग भेद आदि। बालिकाओं पर यौन शोषण के अभी हाल ही में कुछ मामले घटे हैं। उनको देखकर लगता है कि औरतों को अभी भी समाज आदर से नहीं देखता। हिमाचल में गगरेट (ऊना) में 11 दिसंबर को एक बालिका का अपहरण करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई। मध्य प्रदेश में 30 दिसंबर को शहडोल जिले में सुनने और बोलने में अक्षम 17 वर्षीय लडक़ी के साथ 45 वर्षीय पड़ोसी ने दुष्कर्म किया। रोपड़ (पंजाब) में 15 वर्षीय दलित लडक़ी ने 31 दिसंबर 2023 को आत्महत्या कर ली क्योंकि उसके साथ दो लडक़ों ने बलात्कार किया था। अंबाला में एक ट्यूशन अध्यापक को दिसंबर 2023 को अदालत द्वारा 14 वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म व गर्भवती करने पर 20 साल की सजा सुनाई गई। कैथल तथा जींद में सरकारी स्कूल के प्रिंसिपलों को स्कूल की बालिकाओं के साथ यौन उत्पीडऩ करने के मामले में हिरासत में लिया गया। अमृतसर में एक अध्यापक पर 5 जनवरी 2024 को तीन लड़कियों के यौन उत्पीडऩ के मामले में केस दर्ज हुआ। सुंदरनगर (हिमाचल) में 6 वर्षीय बच्चे के साथ बलात्कार करने पर 45 वर्षीय पुरुष को 7 जनवरी 2023 को हिरासत में लिया गया। भारतीय जनता पार्टी के एक एमएलए रामदुलर (उत्तर प्रदेश) को 25 साल की सजा एक लडक़ी से बलात्कार पर दी गई। 10 नवंबर 2023 को पथनमिथट्टा (केरल) में एक 63 वर्षीय व्यक्ति को अपनी नाबालिग बेटी से बलात्कार करने का आरोपी पाए जाने पर अदालत ने 109 वर्ष की सजा सुनाई। पालघर (महाराष्ट्र) के नालासोपारा के एक व्यक्ति ने अपनी बेटी से बार-बार बलात्कार किया, फिर पीटने से उसकी मौत हो गई। पुणे में 50 वर्षीय एक व्यक्ति के विरुद्ध नाबालिग बेटी से बार-बार बलात्कार तथा गर्भवती करने पर केस दर्ज हुआ। ऐसे तो बहुत से मामले हो रहे हैं, परंतु इन चंद मामलों के ऊपर नजर डालें तो पता चलता है कि समाज में पिता-पुत्री, गुरु-शिष्य के रिश्तों की जो मर्यादा है उसको अमर्यादित पुरुषों ने तार-तार कर दिया है। बालिकाओं के प्रति अपराध को रोकने तथा उनके प्रति समाज की सोच को बदलने की सख्त जरूरत है।

दृष्टि कोण

अयोध्या राम मंदिरः कैसा पड़ेगा चुनावी प्रभाव? क्या बढ़ेंगी इंडिया गठबंधन की मुश्किलें

राजनीति और चुनाव में टाइमिंग का बहुत बड़ा महत्व है और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को टाइमिंग के खेल में महारत हासिल है। चुनावों के समय कौन सा मुद्दा उठाना है और कौन सा छोड़ना है? इसे वो वर्तमान के किसी भी अन्य राजनेता से ज्यादा बेहतर जानते हैं। अयोध्या में राम मंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद हिंदी पट्टी में उन्होंने एक और मास्टरस्ट्रोक चल दिया है। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री कर्पूरी ठाकुर, जिन्हें पिछड़ों का जनक कहा जाता है, को उनकी जन्म शताब्दी पर भारत रत्न देकर नरेंद्र मोदी ने हिंदी पट्टी के पिछड़ों और अति पिछड़ों को साध लिया है। कहते हैं, संसद का रास्ता उत्तर प्रदेश और बिहार से होकर गुजरता है। दोनों ही राज्यों में पिछड़े और अति पिछड़े चुनावी गणित में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न लेकर नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर सबको चौंकाया है। बिहार की राजनीति में सक्रिय राष्ट्रीय जनता दल और जनता दल (यू) ने शायद यह कल्पना नहीं की थी कि नरेंद्र मोदी उनसे कर्पूरी ठाकुर की विरासत इस तरह छीन लेंगे। दरअसल, बिहार भाजपा के लिए बेहद महत्वपूर्ण राज्य है और यहां नीतीश कुमार कुछ-कुछ सालों में पाला बदलने का खेल खेलते रहते हैं। नरेंद्र मोदी की कोशिश यही है कि बिहार की राजनीति से नीतीश

कुमार को अप्रासंगिक कर दिया जाए। वर्ष 2014 से इसके प्रयास भी वो लगातार करते आ रहे हैं। बिहार से लोकसभा की 40 सीटें हैं। वर्ष 2014 में जनता दल (यू), राजद और भाजपा, तीनों अलग-अलग चुनावी मैदान में उतरे थे। भाजपा के साथ रामविलास पासवान की लोक जनशक्ति पार्टी और उपेंद्र कुशवाह की राष्ट्रीय लोक समता पार्टी जैसे छोटे दल थे। चुनाव में भाजपा ने सहयोगियों के साथ 40 में से 31 सीटों पर विजय हासिल की थी। जनता दल (यू) को दो और राजद को चार सीटें ही मिली थीं। इसके बाद नीतीश कुमार भाजपा के साथ आ गए थे। वर्ष 2019 में उन्होंने भाजपा के साथ गठबंधन में रहते हुए बिहार में चुनाव लड़ा और लोकसभा की 16 सीटों पर विजय हासिल की। दोनों दलों के गठबंधन में राजद का सुपड़ा-साफ हो गया था और वो लोकसभा चुनाव में खाता भी नहीं खोल पाई थी। हालांकि, किसके बाद नीतीश कुमार एक बार पलटी मार कर राजद के साथ जा चुके हैं। इस साल होने वाले लोकसभा चुनाव में लग रहा है कि राजद और जनता दल (यू) साथ मिलकर बिहार में चुनाव लड़ेंगे। दोनों का गठबंधन भाजपा को नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न देने से इन दोनों पार्टियों का एक बड़ा वोट शेयर भाजपा की तरफ आ सकता है, यह अब साफ-साफ दिख रहा है। बिहार में पिछड़ों की राजनीति को लेकर पहले ही भाजपा और विपक्षी दलों में राजनीति तेज हो गई है। कर्पूरी ठाकुर की विरासत को हासिल करने के लिए बिहार के सभी प्रमुख दल एड़ी चोटी का जोर लगा रहे हैं, लेकिन बाजी नरेंद्र मोदी मार ले गए हैं। जहां तक हिंदी पट्टी के उत्तर प्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, हरियाणा, दिल्ली और भाजपा के गढ़ गुजरात, उत्तराखंड, हिमाचल, कर्नाटक व महाराष्ट्र की बात है तो इन सभी राज्यों में राम मंदिर का असर देखने को मिलेगा। यह वोटों में तब्दील भी होगा। इन राज्यों में लोकसभा की 327 सीटें हैं। इसके अलावा, पश्चिम बंगाल और पूर्वोत्तर के असम समेत अन्य राज्यों में भाजपा की स्थिति मजबूत दिख रही है। वो यहां पुनः वर्ष 2019 वाला प्रदर्शन दोहरा सकती है। दक्षिण में भी भाजपा को सीटें मिलती दिख रही हैं। नरेंद्र मोदी जब भाजपा के प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार घोषित हुए थे, उससे पहले वर्ष 2009 में लोकसभा चुनाव में भाजपा का वोट शेयर 18.80 प्रतिशत था और पार्टी की 116 सीटें थीं, लेकिन वर्ष 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के करिश्माई नेतृत्व ने भाजपा का वोट शेयर 31 प्रतिशत कर दिया और 282 सीटें पार्टी को मिलीं। भाजपा नेतृत्व वाले एनडीए ने 336 सीटों पर विजय हासिल की। वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी ने भाजपा के वोट शेयर को और बढ़ा दिया। यह बढ़कर 37.7 प्रतिशत हो गया और पार्टी ने अपने बलबूते पर 303 सीटों पर विजय हासिल की, यानी नरेंद्र मोदी जानते हैं कि जनता को क्या पसंद है और कैसे चुनाव-दर-चुनाव जीत हासिल करनी है। इस साल लोकसभा चुनाव में चंद दिन ही बचे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशभर में अपना चुनाव प्रचार शुरू कर दिया है, जबकि विपक्षी दल गठबंधन बनाकर सीटों की शेयरिंग में ही उलझे हुए हैं। नरेंद्र मोदी कोई भी मुद्दा विपक्ष के लिए छोड़ नहीं रहे हैं और हताश-निराश विपक्ष केवल घिसे-पिटे पुराने मुद्दों पर ही उन्हें घेरने की नाकाम कोशिश करता दिख रहा है।

कुछ अलग

फेसबुका इज माय बेस्ट फ्रेंड

मास्टर साहब ने फ्रेंडशिप में चीनी की तरह घुलती दुश्मनी के दौर में अपनी क्लास चार के बच्चों को अगले दिन माय बेस्ट फ्रेंड पर मौलिक सारगर्भित निबंध लिख कर लाने को कहा। दूसरे दिन उनकी क्लास के सारे बच्चे माय बेस्ट फ्रेंड पर निबंध लिखकर लाए तो मास्टर साहब ने सबसे पहले क्लास के मॉनिटर को अपना मौलिक निबंध क्लास के बच्चों के सामने पढने को कहा। जैसे ही क्लास के मॉनिटर ने मौलिक निबंध पढना शुरू किया, मास्टर साहब के तोते उड़ते गए। वह यूनिक मौलिक निबंध अब जनहित में सार्वजनिक किया जाता है : वैसे तो मेरे कई फ्रेंड हैं, जैसे इंस्टाग्राम, मैसेंजर, ट्विटर, व्हाट्सएप आदि इत्यादि। पर फेसबुका इज माय बेस्ट फ्रेंड बोले तो फ्रेंडों में इकलौती फ्रेंड! मैं प्यार से उसे बुक्कू कहता हूं तो वह प्यार से मुझे लुक्कू कहती है। मैं क्लास के भीतर हूं या बाहर, घर के अंदर हूं या बाहर, वह हरदम मेरे साथ रहती है और मैं हरदम उसके साथ रहता हूं। मुझे उसके साथ सोए सोए भी रहना बहुत अच्छा लगता है। मुझे उसके साथ रोटी खाते हुए भी रहना बहुत अच्छा लगता है। मुझे उसके साथ शौचालय में घंटों बैठे रहना बहुत अच्छा लगता है। वह मेरी इतनी अच्छी बेस्ट फ्रेंड है कि मैं मम्मा के बिना रह सकता हूं, मैं पापा के बिना रह सकता हूं, पर उसके बिना एक पल भी नहीं रह सकता। उसके पिता मार्क जुकेरबर्ग मेरे ताऊ हैं। पापा बताते हैं वे दूर पार से हमारे खानदान से हैं। वे बहुत ही खोजी दिमाग के आदमी हैं। माय फ्रेंड फेसबुका की मम्मा के बारे में कुछ पता नहीं। कुछ का कहना है कि वह मार्क जुकेरबर्ग की कोख से ही पैदा हुई है। कहने को तो उसके परिवार में उसके सिवाय और कोई नहीं, पर वह हर परिवार में है। माय फ्रेंड फेसबुका मुझे मेरी मम्मा से भी अधिक प्यार करती है। माय फ्रेंड फेसबुका मुझे मेरे डैड से भी अधिक प्यार करती है। माय फ्रेंड फेसबुका मुझे मेरी बहन से भी अधिक प्यार करती है। मैं भी माय बेस्ट फ्रेंड फेसबुका से अपनी मम्मा से भी अधिक प्यार करता हूं। मैं भी माय बेस्ट फ्रेंड फेसबुका से अपने डैड से भी अधिक प्यार करता हूं। मैं भी माय बेस्ट फ्रेंड फेसबुका से अपनी गर्लफ्रेंड से भी अधिक प्यार करता हूं। जबसे फेसबुका माय फ्रेंड बनी है तबसे मेरी फ्रेंड गणेशा से कट्टी हो गई है। जबसे फेसबुका माय फ्रेंड बनी है तबसे मेरी फ्रेंड हनुमाना से कट्टी हो गई है। जबसे फेसबुका माय फ्रेंड बनी है तबसे मेरी टॉम एंड जैरी से कट्टी हो गई है। जबसे फेसबुका माय फ्रेंड बनी है तबसे मेरी छोटा भीम से कट्टी हो गई है। माय फ्रेंड फेसबुका के पास ज्ञान ही ज्ञान है। उसके पास ध्यान की कमी नहीं। एक से एक ज्ञानी ध्यानी उसके दोस्त जो हैं। माय फ्रेंड फेसबुका के साथ मैं हरदम अपने को फिट एन फाइन फील करता हूं। माय फ्रेंड फेसबुका कभी भी मुझसे पहले नहीं सोती। हर सुबह वह मुझसे पहले जाग जाती है। सुबह जब मैं उठता हूं तो उसके साथ सैर को जाता हूं। मैं उसी के साथ बैठ कर रोज होम वर्क करता हूं। माय फ्रेंड फेसबुका बुद्धिमान होने के साथ साथ मेरा मनोरंजन भी बहुत करती है। उसे देख मैं पता नहीं क्यो मैं क्लास में अकेला ही मुस्कुराता रहता हूं। मुझे माय फ्रेंड फेसबुका के साथ मुस्कुराता देख कई बार मास्टर जी बहुत नाराज होते हैं। माय फ्रेंड फेसबुका बहुत हंसमुख और मृदुभाषी है। मैं उसके दोस्ताना और सरल स्वभाव का सम्मान करता हूं। बीच बीच में जब पापा मुझे उसके साथ देखकर डांटते हैं तो पापा और मेरे बीच मतभेद भी हो जाते हैं। लेकिन बाद में मुझे पापा को ही मनाना पड़ता है। मुझे अच्छी तरह याद है, जब मैं दूसरी में था, और जब पापा ने मेरा नेट पैक रिचार्ज नहीं करवाया था तो मेरा मन किया था कि...पर स्कूल जाकर मैंने अपने दोस्त दीपक से जब हॉट स्पॉट लिया था तो मेरा सारा गुस्सा खत्म हो गया था। माय फ्रेंड फेसबुका की तरह मेरा भी सपना है कि मैं भी बड़ा होकर हर दिल अजीज बनूं।

देश दुनीया से

राम राज्य की शुरुआत है श्री राम मंदिर

गर्भगृह में सभी विधि-विधान संपन्न करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री जी ने कहा, 'राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोडक़र उठ खड़ा होता राष्ट्र ऐसे ही नव-इतिहास का सृजन करता है। श्रीराम की कितनी बड़ी कृपा है कि हम सब इस पल को घटित होते देख रहे हैं।' प्रधानमंत्री जी के भाषण की खास बातें कभी भी नहीं भुलाई जा सकेंगी। उन्होंने इस दौरान भारतीय न्यायपालिका और सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, 'भारत के संविधान की पहली प्रति में भगवान राम मौजूद हैं। संविधान आने के बाद भी भगवान श्रीराम के अस्तित्व को लेकर दशकों तक कानूनी लड़ाई चलती रही।

अयोध्या में बरसों इंतजार के बाद सोमवार (22 जनवरी) को छोटे से मुहूर्त में श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई। संकल्प के साथ प्राण प्रतिष्ठा की विधि 12 बजकर 5 मिनट पर शुरू हुई, जो 1 घंटे से ज्यादा समय तक चली। गर्भगृह में सभी विधि-विधान संपन्न करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लोगों को संबोधित भी किया। प्रधानमंत्री जी ने कहा, 'राम मंदिर के निर्माण के बाद से देशवासियों में नया उत्साह पैदा हो रहा था। आज हमें सदियों की धरोहर मिली है, श्रीराम का मंदिर मिला है। गुलामी की मानसिकता को तोडक़र उठ खड़ा होता राष्ट्र ऐसे ही नव-इतिहास का सृजन करता है। श्रीराम की कितनी बड़ी कृपा है कि हम सब इस पल को घटित होते देख रहे हैं।' प्रधानमंत्री जी के भाषण की खास बातें कभी भी नहीं भुलाई जा सकेंगी। उन्होंने इस दौरान भारतीय न्यायपालिका और सुप्रीम कोर्ट के प्रति आभार जताया। उन्होंने कहा, 'भारत के संविधान की पहली प्रति में भगवान राम मौजूद हैं। संविधान आने के बाद भी भगवान श्रीराम के अस्तित्व को लेकर दशकों तक कानूनी लड़ाई चलती रही। मैं भारत की न्यायपालिका के प्रति आभार व्यक्त करता हूं, जिसने न्याय की गरिमा को बरकरार रखा।' प्रधानमंत्री ने कहा, 'एक समय था जब कुछ लोग कहते थे कि अगर राम मंदिर बनेगा तो अशांति फैलेगी। ऐसे लोग भारत की सामाजिक भावना की पवित्रता को समझने में असफल रहे। रामलला के इस मंदिर का निर्माण भारतीय समाज में शांति, धैर्य, सद्भाव और समन्वय का भी प्रतीक है।' प्रधानमंत्री जी की बात कि 'राम भारत की आस्था हैं, भारत की नींव हैं। राम भारत का विचार हैं, भारत का कानून हैं। राम भारत की चेतना हैं, भारत का चिंतन हैं। राम भारत की प्रतिष्ठा हैं, भारत की शक्ति हैं। राम प्रवाह हैं, राम प्रभाव हैं। राम आदर्श हैं और राम नीति हैं। राम स्थायित्व है, और राम निरंतरता है। राम व्यापक हैं, राम सर्वव्यापी हैं, राम ब्रह्मांड हैं, ब्रह्मांड की आत्मा हैं। और इसलिए जब राम की स्थापना होती है, तो उसका प्रभाव वर्षों-सदियों तक नहीं रहता, इसका प्रभाव हजारों वर्षों तक रहता है', अक्षरशः सच है। अब अयोध्या मे मर्यादा पुरुषोत्तम श्री राम जी का मंदिर सच्चाई में तब्दील हो चुका है। श्री राम चरित्र सिर्फ देशवासियों के लिए ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया के लिए प्रेरणादायक है। भगवान श्री राम से बढक़र राष्ट्रपुरुष कौन हो सकता है? इसे स्वयं देश के संविधान ने स्वीकार किया है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के लिए ब्रिटिश हुक्मरानों से लोहा लेने वाली प्रमुख शक्ति श्री राम ही थे। मृत्यु के अपने अंतिम समय में उन्होंने 'हे राम' ही कहा। आजादी से पहले का एक किस्सा है। एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जब नोआखाली में दंगा शांत कराते हुए घूम रहे थे, तब उन्हें बहुत तेज बुखार था। उनकी निजी चिकित्सक डा. सुशीला नैयर ने उन्हें दवा देनी चाही। लेकिन उन्होंने दवा लेने से साफ मना कर दिया। उन्होंने कहा कि मैं श्री राम नाम का पाठ करूंगा। अगर श्री राम उनसे इस देश के लिए और काम कराना चाहते हैं तो उन्हें बचाएंगे, वरना जीवन छीन लेंगे। इस विश्वास के साथ उनकी तबीयत सुधरी और उन्होंने लोगों के हृदय से नफरत निकालने का काम किया। महात्मा गांधी जी तो यहां तक कहते थे कि मैं सत्य को श्री

राम के नाम से पहचानता हूं। मेरी परीक्षा की कठिन से कठिन घड़ी में इसी नाम ने मेरी रक्षा की है और आज भी कर रहा है। पूरी दुनिया समझती है, विपरीत परिस्थितियों में जीवन से हार मान लेने वाले निराश-हताश व्यक्तियों के लिए भगवान श्रीराम का जीवन प्रेरणा का स्रोत है। उनके जीवन में कई बार ऐसी विषम परिस्थितियां उत्पन्न हुई जिनमें सामान्य व्यक्ति या तो निराशा या हताशा के गर्त में गिरकर अपना जीवन नष्ट कर लेता है अथवा ईर्ष्या-क्रोध के वशीभूत होकर पारिवारिक तथा सामाजिक सदाचार व नैतिक मर्यादाओं का उल्लंघन कर बैठता है। लेकिन भगवान श्रीराम ने इन विपरीत परिस्थितियों में न केवल सदाचार व नैतिक मर्यादाओं की स्थापना की, अपितु तालमेल और त्याग की भावना भी मजबूत की। अयोध्या में श्री राम मंदिर, राष्ट्र निर्माण के लिए निहित और हर भारत वासी के लिए अति जरूरी, संघर्ष के लिए वांछित शक्ति को मजबूत करेगा। आज दुनियाभर में 300 से ज्यादा रामायण और राम कथा प्रचलित हैं। भारत के अलावा कंबोडिया, इंडोनेशिया, नेपाल, भूटान, बांग्लादेश, चीन, मलेशिया, श्रीलंका, बाली, जावा, सुमात्रा, लाओस, कंपूचिया और थाईलैंड आदि देशों की लोक-संस्कृति व ग्रंथों में श्री राम याद किए जाते हैं। राम के बिना राष्ट्र व राष्ट्रीयता की कल्पना अधूरी है। श्री राम की फीलिंग के बिना भारतीय संस्कृति पूरी नहीं हो सकती है।

आप का नजरीया

हिमाचल ने अयोध्या को साधा

सारे देश में राम की धुन से कहीं अलग हिमाचल की कांग्रेस सरकार ने सियासत को खारिज कर राम को साक्षात स्वीकार किया है। ये नाचे बहुत होंगे इस हुजूम में, मगर किसी की रंगत नहीं हुई कबूल। अंततः बाईस जनवरी के निष्कर्ष हिमाचल में सरकार के आचरण में राम दरबार सजा गए। जाखू मंदिर में भगवान हनुमान की पूजा में मुख्यमंत्री का अलख और अयोध्या की व्याख्या में उप मुख्यमंत्री का ऐलान, राज्य के उद्गार को समवेत कर गए। हिमाचल ने जो सुना, उसमें से एक बड़ा हिस्सा सरकार ने ही कहा, क्योंकि सोमवार के जश्न में सार्वजनिक अवकाश का हुस्न था। जाहिर है राजनीति की कई सीढियां खींचकर मुख्यमंत्री ने हिमाचल की भक्ति और शक्ति का प्रगतिशील मानचित्र पेश कर दिया। कम से कम भाजपा को इतराने के लिए इतना स्थान तो नहीं मिला कि सरकार को घेर सके। दूसरी ओर कांग्रेस के कुछ नेता व सरकार के भागीदार अगर अयोध्या में दिखे, तो उनके सामने भाजपा का हिमाचली नूर नदारद रहा। सबसे अहम व संतुलित भूमिका में उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री नजर आए। वह व्यक्तिगत और सरकार के दायित्व में अयोध्या को हिमाचल में ही साध गए। पहले ही देव दर्शन की राह पर एचआरटीसी को हिमाचल के धार्मिक पर्यटन का ब्रांड एंबेसडर बनाने को प्रयासरत हैं और इसी कड़ी में जब अयोध्या धाम के लिए छह बसें चलाने की घोषणा करते हैं, तो मंदिर से जुड़ी अर्थव्यवस्था को नई दिशा देते हैं। अयोध्या में राम का उच्चारण दरअसल देश की व्यापकता में भगवान की नई व्याख्या है। ऐसे में अगर एचआरटीसी हरिद्वार के लिए 45 बसें व दर्शन सेवा के तहत हिमाचल व अन्य राज्यों के धार्मिक स्थलों से 175 बसों का काफिला चलेगा, तो वहां जय श्रीराम, जय माता दी और जो बोले सो निहाल का नारा भी बुलंद होगा। यह धार्मिक पर्यटन का नवाचार है जिसे उप मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने हिमाचल का स्लोगन बना दिया है। यह सामाजिक समरसता, सर्वधर्म समभाव और लोकतांत्रिक मर्यादा का नया स्वरूप जो सभी धर्मों को धारण करके भी अंततः धर्मनिरपेक्ष है। भारत धर्म की न तो बिसात बन सकता है और न ही धार्मिक आयोजनों का चिडियाघर, बल्कि समाज की स्वीकारोक्ति में नागरिकों की उत्सवधर्मिता का शृंगार जरूरी है। अयोध्या में राम के अवतार में उत्सव की उमंग सारे देश में गहरी हुई है। इसी प्रेरणा में अगर हिमाचल अपनी धार्मिक पृष्ठभूमि को उत्सव की नई परिपाटी बना दे, तो कई प्रमुख मंदिर, गुरुद्वारे व बौद्ध मठों के अलावा नदियों के उद्गम तथा देव संस्कृति की परंपराएं मदहोश कर सकती हैं। यह हिमाचल की परंपरा रही है और इसीलिए जाखू मंदिर में प्राण प्रतिष्ठित हनुमान की मूर्ति की स्थापना में सरकार की भूमिका रही है। मंदिरों के सरकारीकरण के पीछे वीरभद्र सिंह का उद्देश्य आज समझना होगा, क्योंकि अयोध्या से काफी पहले हिमाचल में सरकारों ने मंदिरों में पोंछा लगाया है। पिछली वीरभद्र सिंह सरकार ने एडीबी की मदद से कई मंदिरों के उद्धार का टीका लगाया, तो जयराम सरकार ने मंडी में शिवधाम की परिकल्पना में एक नए देवस्थान को चिन्हित किया। यह दीगर है शिवधाम समेत ऐसी कुछ अन्य परियोजनाएं सुस्त हो गईं, लेकिन सुक्खू सरकार ज्वालाजी, दियोटसिद्ध, चिंतपूर्णी व श्री नयनादेवी मंदिर के लिए धार्मिक पर्यटन की दृष्टि से नए विकास का शुभारंभ कर रही है।

राम देश दुनिया में समग्र सनातन के प्रतीक : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जोधपुर (हिंस)। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राम देश दुनिया के समग्र सनातन के प्रतीक है। उनका राममंदिर बनने से देश दुनिया में दूसरी दिवाली मनाई गई है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे तो तीसरी बाद दिवाली मनाई जाएगी। भारत की विदेश नीति है कि हर कोई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करना चाहता है। प्रदेश में कांग्रेस को उसके किए का दंड मिल चुका है। वे आज जोधपुर पहुंचने पर एयरपोर्ट पर मीडिया से मुखातिब हुए। इसके बाद वे शहर में प्रायोजित कई कार्यक्रमों में भाग लेने निकल गए। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राम देश दुनिया में समग्र सनातन के प्रतीक है। उनका राममंदिर बनने से देश ने दूसरी बार दिवाली मनाई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री बनेंगे और फिर तीसरी बार दिवाली मनाई जाएगी। प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के सवाल पर कहा कि कांग्रेस को उसके किए का दंड मिल चुका है। कांग्रेस शासन में पेपर लीक से लेकर भ्रष्टचार सभी कुछ चरम था, जिसका दंड उन्हें मिल गया है। पेपर लीक में दोषियों को बिलकुल नहीं बख्शा जाएगा। एसआईटी अपना काम कर रही है। जनता से किए गए वादों मसलन पेट्रोल डीजल के दाम करने की बात पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार ने जनता से जो वादे किए है वे पूरे किए जाएंगे, अभी प्रदेश पर पांच लाख करोड़ का कर्जा है, अर्थ व्यवस्था को पटरी पर लाने के प्रयास जारी है। जनता से किए वादे पूरे किए जाएंगे। फ्रांस के राष्ट्रपति गुरूवार को जयपुर आने के सवाल पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि यह भारत की विदेश नीति है कि हर कोई प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ मंच साझा करना चाहता है। फ्रांस के राष्ट्रपति के आने से देश नई ऊंचाईयों को छूएगा।

केंद्र सरकार के समर्थन से आज उप्र दुनिया में बना रहा विशिष्ट स्थान : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ (हिंस)। भारत का हृदय स्थल कहा जाने वाला उप्र भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक यात्रा का केंद्र प्राचीन काल से ही रहा है। प्रदेश सरकार ने केंद्र सरकार के समर्थन से देश और दुनिया में आज एक विशिष्ट स्थान बना रहा है। ये बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कही। वह उत्तर प्रदेश के स्थापना दिवस के अवसर पर शिल्पग्राम में बोल रहे थे। इस अवसर पर अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर काम करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया गया। उन्होंने कहा कि युवाओं की प्रतिभाओं के बावजूद यहां संकट था। उस समय उप्र की सरकार गठन होने पर उस समय के तत्कालीन राज्यपाल राम नाईक ने इस बात का स्मरण कराया और उसके बाद स्थानपना दिवस पर अपने कार्यों को स्मरण कराने का कार्यक्रम शुरू हुआ। स्थापना दिवस हमारे लिए बहुत महत्वपूर्ण है। आज अयोध्या में प्रभु श्रीरामलला की स्थापना होना और प्रदेश के स्थापना दिवस की बधाई देता हूं। यह अपनी परंपरा को प्रगति के रूप में आगे बढ़ाने का मौका होता है। 2018 से आज तक की प्रगति हमारे सामने हैं। पहले यहां का स्पोर्ट 88 हजार करोड़ रुपए का था। आज यह लगभग दो लाख करोड़ रुपए का प्रोडक्टर अकेले उप्र से हो रहा है। जब दुनिया भर के लोग आकर नोयडा में आकर देखा तो वे सब आकर्षित हुए। उन्होंने कहा कि उप्र के अंदर विश्वकर्मा ससम्मान को हमलोगों ने आगे बढ़ाया। यह महात्मा गांधी के गांव की परिकल्पना को साकार करता है। इस कार्यक्रम में हस्तशिल्पियों को सस्ते दर पर लोन उपलब्ध कराने का कार्यक्रम था। इसके तहत प्रधानमंत्री के आत्मनिर्भर भारत की संकल्पना को साकार कर रही है। तीसरे स्थापना दिवस पर सीएम अपरेंटिसशिप कार्यक्रम शुरू किया था। इसमें आज युवा भारी संख्या में जुड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमने अतीत से क्या सीखा है। यह स्थापना दिवस जानने का अवसर होता है। इसके माध्यम से हमें अतीत से सीख लेकर आगे बढ़ने का प्रयास करना चाहिए। 2017 के बाद उप्र ने सुरक्षा व्यवस्था पर हमने काम किया। आज परिणाम सबके सामने है। हमने इंफ्रास्ट्रक्चर का काम शुरू किया। आज हमारे पास बेहतर इंफ्रास्ट्रक्चर है। इंटरस्टेट कनेक्टिविटी भी आज बेहतर हुई है। हमारे किसानों, उद्यमियों ने हर क्षेत्र में बेहतर करने का प्रयास किया है, लेकिन उसे और बेहतर बनाने की जरूरत है।

जो राम का नहीं, वह किसी काम का नहीं : नंदी

लखनऊ (हिंस)। 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में प्रभु श्री रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद विपक्ष और अधिक हमलावर हो गया है। जिस पर उत्तर प्रदेश सरकार के औद्योगिक विकास मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नंदी ने विपक्ष पर करारा प्रहार किया है। मंत्री नंदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं। मंत्री नंदी ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा है कि हर गुजरते दिन के साथ यह एकदम स्पष्ट होता जा रहा है कि इंडी गठबंधन केवल और केवल नकारात्मकता व नफरत की बुनियाद पर खड़ा हुआ है। जनता द्वारा सिरे से नकार दी गई पार्टियां अपने-अपने परिवार का राजनैतिक अस्तित्व बचाने को लेकर एकजुट हुई हैं। न कोई नेता, न कोई एजेंडा, न कोई जनहित की बात। बस एक बात पर इन सबकी आम सहमति है और वह है हिंदू आस्था पर चोट करना, सनातन को अपमानित करना और रामभक्तों की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। मंत्री नंदी ने आगे लिखा है ऐसा लगता है कि इस गठबंधन पर आसुरी शक्तियों का प्रभाव है। प्राण-प्रतिष्ठा समारोह के सामूहिक बहिष्कार के बाद यह असलियत सबके सामने आ चुकी है। कांग्रेस, डीएमके, आरजेडी और समाजवादी पार्टी के नेताओं के आपत्तिजनक बयानों के बाद अब पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने रामभक्तों को *काफिर* कहा है। असल में पूरे देश में उत्साह, उत्सव, उल्लास और उमंग का माहौल देखकर इन नेताओं की रात की नींद गायब हो गई है। इस तरह के बयान उसी बौखलाहट और बेचैनी का प्रमाण है। *अब पछताए होत का जब चिड़िया चुग गई खेत।* जो राम का नहीं वो किसी काम का नहीं।

हरियाणा रोडवेज की हड़ताल से प्रदेशभर चक्का जाम, लाखों यात्री हुए परेशान

चंडीगढ़ (हिंस)। सरकार की वादाखिलाफी व घोषणा के बाद भी मांगों को पूरा न करने से खफा रोड़वेज कर्मचारियों ने हरियाणा रोडवेज कर्मचारी साझा मोर्चा के आहवान पर एक बार फिर चक्का जाम कर हड़ताल कर दी। जिस कारण लाखों यात्री परेशान हुए। कई लोग अपने काम पर भी नहीं पहुंच सके। यूनियनों का दावा है कि बुधवार को प्रदेशभर में रोडवेज की 3200 बसों में से करीब तीन हजार बसों का परिचालन नहीं हो सका। हरियाणा रोडवेज कर्मचारी साझा मोर्चा अब आंदोलन की अगली रणनीति 27 जनवरी को होने वाली राज्य स्तरीय बैठक में तय करेगा। साझा मोर्चा के वरिष्ठ नेता नरेंद्र दिनोद, सुमेर सिवाच, सरबत सिंह पूनिया, जयबीर घणघस, आजाद गिल, जगदीप लाठर, वीरेंद्र सिंगरोहा, दिनेश हुड्डा, अशोक खोखर, संजीव कुमार ने बताया कि सरकार बार-बार वादाखिलाफी कर रही है। उच्चाधिकारियों के टरकाऊ रवैये से कर्मचारियों को सड़कों पर उतरना पड़ रहा है। मोर्चा के साथ अनेक बैठक में विभाग के मंत्री और उच्चाधिकारी कर्मचारियों की मांगों के लिए गंभीर नहीं दिखाई दिए। सरकार के इस रवैए के खिलाफ 27 जनवरी को मोर्चा की बैठक कर आगामी निर्णायक आंदोलन का ऐलान करेगा। उन्होंने कहा कि हिट एंड रन कानून लागू कर सरकार ने चालकों पर सीधा हमला किया है। परिचालकों व लिपिकों का वेतनमान 35400 रुपए करने सहित अन्य मांगों को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा है। यह भी कहा कि परिवहन मंत्री और उच्चाधिकारियों के साथ कर्मचारी यूनियन की कई दौर की वार्ता हो चुकी है। बावजूद इसके मांगों को लागू नहीं किया जा रहा है, जिससे कर्मचारियों में सरकार के प्रति रोष है। उन्होंने बताया कि अर्जित अवकाश कटौती पत्र वापस लेकर दोबारा से अर्जित अवकाश में कटौती लागू कर दी गई। परिचालकों, लिपिकों व चालकों के वेतनमान की फाइल पर विचार नहीं किया गया। विभाग में पक्की भर्ती की बजाय कौशल रोजगार निगम से कच्ची भर्ती कर विभाग को बर्बादी की तरफ धकेल दिया है।

यूपी पीएससी परीक्षा में देवबंद के सिद्धार्थ गुप्ता बने टॉपर

सहारनपुर (हिंस)। यूपी पीएससी के मंगलवार की रात परिणाम आ गए थे। इस बार उत्तर प्रदेश में सिद्धार्थ गुप्ता ने टॉप किया है। लेकिन उनके लिए यूपी पीएससी की परीक्षा में सफल होना पहली बार नहीं है, इससे पहले यूपी पीएससी-2022 में उन्होंने सातवीं रैंक हासिल की। फिलहाल बिजनौर में नायब तहसीलदार के पद पर तैनात हैं। पिता राजेश गुप्ता किराना व्यापारी (बिजनेसमैन) और माता अंजना गुप्ता गृहणी हैं। वह 10 से 12 घंटे पढ़ाई करते हैं। यू-ट्यूब और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से करंट अफेयर्स को मजबूत किया। लेकिन उनका लक्ष्य अब आईएएस की परीक्षा पास करने का है। यूपीपीएससी-2023 में उत्तर प्रदेश के टॉपर सिद्धार्थ गुप्ता ने अपनी सफलता पर बताया कि इससे पूर्व यूपीपीएससी-2022 का एग्जाम पहले ही प्रयास में पास किया था। लेकिन 10 माह में सातवीं रैंक से पहली रैंक पर आ गए, इसको लेकर मन में बहुत खुशी है। सिद्धार्थ ने कहा कि बड़ों का आशीर्वाद है और कड़ी मेहनत रंग लाई है। मेरे पिता का सपना था कि वह बड़ा अधिकारी बनें, हालांकि इसके लिए उन्होंने कभी प्रेशर नहीं दिया। बस उन्होंने यह जरूर कहा कि बेटा तुम धैर्य और हिम्मत से पढ़ाई करो। आराम से पढ़ाई करके अपने देश और परिवार का नाम रोशन करो। उनका सपना धीरे-धीरे पूरा हो रहा है। सिद्धार्थ ने 2018 से जीतो? मेहनत की। मेहनत 2023 में साकार हुई। दूसरी बार जो रैंक मिली है, इसका श्रेय परिजनों और दोस्तों को दिया। क्योंकि परिवार का पूरा सहयोग रहा। वहीं उनके पिता राजेश गुप्ता और मां अंजना गुप्ता बेटे की सफलता पर भावुक होकर कहती हैं कि मेरे बेटे का बचपन का सपना पूरा हो गया है। लेकिन अब उसका सपना आईएएस बनने का है, जो भगवान जल्द पूरा करेंगे। सिद्धार्थ ने दून वैली देवबंद से 10वीं और 12वीं तक पढ़ाई की। दिल्ली यूनिवर्सिटी से संबद्ध हंसराज कॉलेज से ग्रेजुएशन किया।

कांग्रेस ने प्रायश्चित करने का अवसर खो दिया : अशोक तिवारी

अयोध्या (हिंस)। रामलला अपनी जन्मभूमि से पांच सौ वर्ष तक निर्वासित रहे। अब रामराज्य की नींव पड़ी। राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा केवल एक मंदिर की ही प्रतिष्ठा नहीं है, यह भव्य भारत की प्रतिष्ठा है। यह बातें विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय मंत्री व प्रवक्ता अशोक तिवारी ने हिंदुस्थान समाचार एजेंसी से साक्षात्कार के दौरान कही। प्रस्तुत है हिंदुस्थान समाचार एजेंसी के वरिष्ठ संवाददाता बृजनन्दन राजू से उनकी बातचीत के संक्षिप्त अंश। यह केवल रामलला की प्रतिष्ठा नहीं है। यह दुनिया में भारत के स्वाभिमान की प्रतिष्ठा है। भारत की मर्यादा, परम्पराओं और मान्यताओं की प्रतिष्ठा है। भारत के जीवनमूल्यों की प्रतिष्ठा है। राम मंदिर से दुनिया में भारत का गौरव व उसका स्वाभिमान बढ़ा है। जो कहते थे कि हिंदू एक रौंदी हुई कौम है। यह पद दलित व आतताईयों द्वारा रौंदी हुई कौम है। हिंदू अपने अपमान का परिमार्जन कर सकता है। उसका बदला भी ले सकता है। सबसे बड़ी बात यह है कि यह कार्यक्रम दुनिया को शांति का संदेश दिया है। रामलला भव्य दिव्य मंदिर में विरामान हो गए हैं। आपको कैसी अनुभूति हो रही है? जो उस क्षण के अनुभव हैं वह तो भगवान के कृपा की अनुभूति है। उसे शब्दों में बयां कर पाना संभव नहीं है। मंदिर परिसर में विराजमान सभी संत गदगद थे। कहा गया कि गिरा अनयन नयन बिन वाणी। जिसने देखा है उसको वाणी नहीं है जो बोल सकता है उसको वाणी नहीं है। उस दृश्य का वर्णन वर्णनातीत है। मैंने देखा कि कितने संत रोते रहे। देश के 150 से अधिक मत पंथ सम्प्रदाय उपासना पद्धति आध्यात्मिक परंपराओं के पूज्य संत यहां उपस्थित थे। इससे अधिक 50 से अधिक जनजातीय धार्मिक परम्पराओं के संत व प्रतिनिधि यहां उपस्थित थे। गिरिवासी, वनवासी, ग्रामवासी, तटवासी, द्वीपवासी ऐसा कोई क्षेत्र अछूता नहीं रहा, जिस उपासना परंपराओं के पूज्य संत यहां न आए हों।

झारखंड को सामाजिक, शैक्षणिक और आर्थिक रूप से मजबूत करना हमारा लक्ष्य: हेमंत सोरेन

रांची (हिंस)। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कहा कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन एक विश्वसनीय संस्थान है। फाउंडेशन इटकी में विश्वस्तरीय अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, पांच सौ शैय्या वाला मेडिकल कॉलेज तथा स्कूल का निर्माण करेगा। इटकी में संस्थान पांच हजार करोड़ रुपए निवेश करेगा। इन कार्यों से आने वाले समय में इटकी की पूरे देश में अलग पहचान होगी। मुख्यमंत्री बुधवार को इटकी के टीबी सेनेटोरियम मैदान पर आयोजित विश्वस्तरीय अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज और स्कूल निर्माण के शुभारम्भ कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2026 तक अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय एवं स्कूल में पठन-पाठन का काम शुरू होगा। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के कार्यों की रोशनी दूर तक पहुंचेगी। कमजोर से कमजोर परिवार तक फाउंडेशन की सहायता पहुंचाने का कार्य प्रतिबद्धता के साथ किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार खनिज संपदाओं से अलग हटकर विकास के अन्य संभावनाओं को तलाश रही है। झारखंड आमतौर पर खनिज संपदाओं के लिए जाना जाता रहा है। खनिज संपदाओं की भरमार होने के बावजूद झारखंड पिछड़े राज्यों के पायदान पर खड़ा रहा है। यहां लगभग एक सौ वर्ष से खनिज संपदाएं निकाली जाती रही हैं, परंतु इसका लाभ झारखंड के आदिवासी-मूलवासी, गरीब, पिछड़ा अल्पसंख्यक सहित किसी भी वर्ग-समुदाय के लोगों को पूर्ण रूप से नहीं मिल पाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन संस्थान एक ऐसा नाम है, जिसे पूरी दुनिया जानती है। यह फाउंडेशन व्यापार के लिए नहीं बल्कि सामाजिक सरोकार के लिए जाना जाता है। फाउंडेशन के प्रतिनिधियों के साथ राज्य सरकार ने एक बेहतर समन्वय बनाया। मुख्यमंत्री एवं अजीम प्रेमजी के बीच वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से वार्ता हुई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने अजीम प्रेम जी को पूरे झारखंडवासियों की तरफ से अभिनन्दन और *जोहार* किया। मुख्यमंत्री ने वर्चुअल माध्यम से उन्हें बताया कि आप और आपकी पूरी टीम के सहयोग से आज इटकी में अजीम प्रेमजी फाउंडेशन की ओरर से अजीम प्रेमजी यूनिवर्सिटी, मेडिकल कॉलेज तथा स्कूल निर्माण शुरू हो गया गया है। मुझे पूरा विश्वास है कि अजीम प्रेमजी फाउंडेशन इन सभी वर्ग समुदाय के लिए सेवाभाव के साथ कार्य करने में महत्ती भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2021 में कोरोना काल में भी राज्य सरकार एवं अजीम प्रेमजी फाउंडेशन के सीईओ अनुराग बेहर के बीच समन्वय बना रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के सर्वांगीण विकास के लिए हमारी सरकार ने राज्य में शिक्षा व्यवस्था को बदलने का पूरा प्रयास किया है। आज हम राज्य में प्राइवेट स्कूलों के तर्ज पर सरकारी स्कूलों को उत्कृष्ट विद्यालय के रूप में परिवर्तित कर रहे हैं।

रामलला दर्शन के लिए मुंबई से फतेहपुर पहुंची शबनम शेख

फतेहपुर (हिंस)। मुम्बई से चलकर फतेहपुर जनपद पहुंची रामभक्त मुस्लिम युवती का बुधवार को जोरदार स्वागत किया गया। उत्सावर्धन कर अयोध्या के श्री रामलला के लिए विदा किया गया। रामलला मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में न शामिल हो पाने पर अफसोस जताने के बाद भी रामलला के दर्शन का अपना संकल्प पूरा करने की बात कही। अयोध्या स्थित श्री रामलला मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के बाद लगातार देश-विदेश से रामभक्तों को प्रभु के दर्शन का सिलसिला जारी है। इसी क्रम में मुम्बई की रहने वाली मुस्लिम युवती शबनम शेख अपने तीन साथियों के साथ श्री रामलला के दर्शन के लिए अयोध्या जा रही है। आज वह फतेहपुर जनपद की सीमा में पहुंची, जहां इन रामभक्तों का जोरदार स्वागत किया गया है। शबनम शेख ने बताया कि वह मुस्लिम है, लेकिन वह राम की दीवानी है। इसलिए वह मुम्बई से पैदल चलकर अयोध्या में श्रीरामलला मंदिर पहुंच अपने आराध्य श्रीराम के दर्शन करेगी। उनका कहना है कि वह पिछले 34 दिनों से पद यात्रा करते हुए आज फतेहपुर जनपद पहुंची है। मुझे इस बात का दुख है कि वह 22 जनवरी को अयोध्या नहीं पहुंच पाई लेकिन फिर भी वह अयोध्या पहुंचकर मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम का दर्शन करेगी। शबनम शेख के अंदर भगवान श्रीराम की आस्था को देखकर लोगों ने जय श्रीराम के नारे लगाकर उसे अयोध्या के लिए विदा किया। शबनम शेख के साथ विनीत पांडेय, रमन राज शर्मा, शुभम गुप्ता जो कि पद यात्रा करते हुए पिछले 34 दिनों में 1350 किलोमीटर का रास्ता तय किया है। यह लोग फतेहपुर जनपद से होते हुए अयोध्या के लिए प्रस्थान किया।

कर्पूरी ठाकुर को भारत रत्न दिए जाने पर पीएम को बधाई : सीएम नीतीश

पटना (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री और महान समाजवादी नेता स्व कर्पूरी ठाकुर को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न दिए जाने की घोषणा पर मुख्यमंत्री ने हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने इसके लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी धन्यवाद दिया है। नीतीश कुमार ने महान समाजवादी नेता और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व कर्पूरी ठाकुर को देश के सर्वोच्च सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किए जाने के केंद्र सरकार के निर्णय पर हार्दिक प्रसन्नता व्यक्त की है और इसे सही निर्णय बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय कर्पूरी ठाकुर को उनकी 100 वीं जयंती पर दिया जाने वाला ये सर्वोच्च सम्मान दलितों, वंचितों और उपेक्षित तबकों के बीच सकारात्मक भाव पैदा करेगा।

गणतंत्र दिवस समारोह को लेकर जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट : आईजीपी, कश्मीर

श्रीनगर (हिंस)। कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) विधि कुमार बिरधी ने जनता को आश्वासन देते हुए कहा कि सुरक्षित गणतंत्र दिवस समारोह के दौरान जम्मू-कश्मीर पुलिस और सुरक्षा एजेंसियां किसी भी संभावित घटना से निपटने के लिए हाई अलर्ट पर हैं। बख्शी स्टेडियम श्रीनगर में फुल ड्रेस रिहर्सल के दौरान आईजीपी ने श्रीनगर और आसपास के इलाकों में अच्छी तरह से समन्वित सुरक्षा व्यवस्था पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस उत्सव के सुचारू संचालन के लिए पूरा सुरक्षा ग्रिड सतर्क रहेगा। उन्होंने कहा कि श्रीनगर जिले और आसपास के अन्य इलाकों में सुरक्षा के अच्छे इंतजाम हैं और सुरक्षा ग्रिड सतर्क है। आईजीपी ने जम्मू-कश्मीर पुलिस और अन्य सुरक्षा एजेंसियों के बीच मजबूत समन्वय पर प्रकाश डाला। उन्होंने सभी को समारोह में भाग लेने के लिए आमंत्रित करते हुए विश्वास जताया कि 26 जनवरी को कोई प्रतिबंध नहीं होगा।

मुख्यमंत्री ने जननायक कर्पूरी ठाकुर को श्रद्धांजलि दी

समस्तीपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने जननायक कर्पूरी ठाकुर के जन्म शताब्दी समारोह के अवसर पर कर्पूरी ग्राम स्थित कर्पूरी स्मृति भवन में भारत रत्न जननायक कर्पूरी ठाकुर के तैल चित्र पर माल्यार्पण किया । इस अवसर पर आयोजित सर्वधर्म प्रार्थना कार्यक्रम में भाग लिया तथा जननायक कर्पूरी ठाकुर के जीवन से संबंधित स्मरणांजलि स्मारिका पुस्तक का भी विमोचन किया। इसके बाद मुख्यमंत्री ने गोखुल कर्पूरी फुलेश्वरी महाविद्यालय जाने के क्रम में पंचायत सरकार भवन कर्पूरीग्राम का शिलान्यास किया एवं महाविद्यालय में स्थित त्रिमूर्ति भवन में प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। इसके पश्चात प्रभावती रामदुलारी उच्च विद्यालय कर्पूरीग्राम में स्थित जननायक कर्पूरी ठाकुर की प्रतिमा पर माल्यार्पण किया गया। मौके पर जननायक कर्पूरी ठाकुर के पुत्र एवं राज्यसभा सांसद रामनाथ ठाकुर, स्थानीय विधायक अख्तरुल इस्लाम शाहीन, विधायक अजय कुमार, दरभंगा प्रमंडल के आयुक्त मनीष कुमार, दरभंगा प्रक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक बाबू राम, जिलाधिकारी योगेन्द्र सिंह, पुलिस अधीक्षक विनय तिवारी एवम अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

सोशल मीडिया पर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाला रिजवान गिरफ्तार

अररिया (हिंस)। जिले की फारबिसगंज थाना पुलिस ने सोशल मीडिया पर भगवान राम को लेकर आपत्तिजनक पोस्ट करने वाले आरोपी मो. रिजवान को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। इसकी पुष्टि फारबिसगंज थानाध्यक्ष आफताब अहमद ने भी की। गिरफ्तार मो. रिजवान फारबिसगंज थाना क्षेत्र के रामपुर दक्षिण के रहने वाले मो.आरिफ के पुत्र हैं। जिन्होंने धर्म विशेष के खिलाफ आपत्तिजनक सामाजिक सौहार्द्र बिगाड़ने वाला पोस्ट किया था और वह पोस्ट तेजी से वायरल हो रहा था। मामले में फारबिसगंज थाना में प्राथमिकी कांड संख्या - 61/24 दिनांक - 23.01.24 भादवि की धारा 153(ए), 295, 295(ए), 298 एवं 66 आईटी एक्ट के तहत दर्ज किया गया था। फारबिसगंज थाना में प्राथमिकी दर्ज होने के बाद पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी रिजवान को गिरफ्तार किया गया और उसकी निशानदेही पर पुलिस ने पोस्ट करने में प्रयुक्त मोबाइल को भी जब्त किया है। थानाध्यक्ष आफताब अहमद ने पुष्टि करते हुए आरोपी युवक को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजने की बात कही।

प्रभु श्रीराम के भक्तों को दूसरी भक्ति अच्छी नहीं लगती : देवकीनंदन ठाकुर

लखनऊ (हिंस)। राजधानी लखनऊ के डीएवी कालेज प्रांगण में श्रीराम कथा करने आए कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर महाराज ने कहा कि प्रभु श्रीराम के भक्तों को दूसरी भक्ति अच्छी नहीं लगती है। भगवान की भक्ति में लीन होकर सब कुछ मिल जाता है। देवकीनंदन ठाकुर ने कथा की शुरुआत करते हुए अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर की जानकारी दी और उपस्थित लोगों से प्रभु श्रीराम के दर्शन करने का आग्रह किया। उन्होंने कथा में प्रभु श्रीराम की महिमा का वर्णन किया। इससे पहले कथा के मुख्य यजमान एवं उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक और उनकी धर्मपत्नी नम्रता पाठक ने आरती उतारकर कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर का स्वागत किया। उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि अयोध्या में प्रभु श्रीराम के आगमन पर लखनऊ के डीएवी कालेज में 24 जनवरी से एक फरवरी तक आध्यात्मिक गुरु और प्रसिद्ध कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर की अमृतमयी वाणी से भव्य राम कथा होगी। इस अवसर पर श्रीसीताराम यज्ञ का शुभारंभ भी होगा। लखनऊ के समस्त लोगों से आग्रह है, वे कथा सुनने के लिए पधारें और सुंदर कथा का श्रवण करें। कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के नेतृत्व में बुधवार की सुबह एक कलश यात्रा भी निकाली गयी। यह कलश यात्रा संस्कृत पाठशाला लालकुआं से शुरू होकर नाका होते हुए डीएवी कॉलेज पहुंची। जहां पर कलश लेकर चल रही महिलाओं ने कथावाचक देवकीनंदन ठाकुर के साथ श्रीराम भजन एवं गीत का गायन किया।

पिछले चार महीनों में जनवरी में सबसे ज्यादा बढ़ा कारोबार, पीएमआई का आंकड़ा 61 पर पहुंचा

नई दिल्ली।
मजबूत मांग के कारण जनवरी में भारत की व्यावसायिक गतिविधि चार महीनों में सबसे तेज गति से बढ़ी। एक निजी सर्वेक्षण में यह खुलासा हुआ है। सर्वेक्षण में अगस्त के बाद से सबसे तेज दर से इनपुट लागत बढ़ने का भी पता चला है। सर्वेक्षण के निष्कर्ष बताते हैं कि एशिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था कम से कम निकट अवधि में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। चालू वित्त वर्ष में भारत की विकास दर 6.9 प्रतिशत रहेगी। इस बारे में जानकारी दी गई। एसएंडपी ग्लोबल की ओर से संकलित एचएसबीसी का फ्लैश इंडिया कंपोजिट परचेजिंग मैनेजर्स इंडेक्स (पीएमआई) जनवरी महीने में बढ़कर 61.0 हो गया, यह सितंबर के बाद से इसका उच्चतम स्तर है। यह सूचकांक 50 अंक से ऊपर रहा। लगातार 30 वें महीने में इसमें विस्तार देखा गया। एचएसबीसी के चीफ इंडिया इकनॉमिस्ट प्रांजल भंडारी ने कहा, मैन्युफैक्चरिंग आउटपुट में मजबूती के साथ-साथ बिजनेस सर्विसेज एक्टिविटी की मदद से जनवरी में इकोनॉमी तेज रफ्तार से बढ़ी। नए ऑर्डर एक महीने पहले की तुलना में तेज गति से बढ़े, और उसके भीतर, अंतरराष्ट्रीय ऑर्डर पहले की तुलना में मजबूत रहे। जनवरी में मैन्युफैक्चरिंग पीएमआई बढ़कर 56.9 हो गया, जो पिछले महीने 54.9 था। प्रमुख सेवा उद्योग में गतिविधि भी तेज दर से बढ़ी और इसका पीएमआई दिसंबर में 59.0 से बढ़कर इस महीने 61.2 हो गया। यह मुख्य रूप से मांग में मजबूत विस्तार के कारण है। फैक्ट्री के नए ऑर्डर चार महीनों में सबसे तेज गति से बढ़े जबकि सेवा क्षेत्र में नए व्यवसाय में जुलाई 2023 के बाद से सबसे तेज दर से वृद्धि हुई। मांग में सुधार से आने वाले 12 महीनों के लिए फर्मों की उम्मीदों को बढ़ावा मिला, विशेष रूप से विनिर्माण में क्योंकि भविष्य का उत्पादन नौ वर्षों में अपने उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। कंपनियों ने लगातार 20वें महीने नियुक्तियां जारी रखीं, लेकिन सेवा उद्योग में उच्च रोजगार सृजन हुआ। हालांकि जनवरी में समग्र आउटपुट की कीमतें धीमी दर से बढ़ीं, लेकिन अगस्त 2023 के बाद से इनपुट लागत सबसे तेज गति से बढ़ी, यह दर्शाता है कि मूल्य दबाव ऊंचा रह सकता है। दिसंबर में भारत की खुदरा मुद्रास्फीति चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई।

न्यूज ब्रीफ

माइक्रोसॉफ्ट छोटे और सस्ते जेनएआई मॉडल पर कर रहा काम

सैन फ्रांसिस्को। माइक्रोसॉफ्ट कथित तौर पर एआई मार्केट में ज्यादा अवसरों का लाभ उठाने के लिए सस्ते, छोटे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मॉडल पर काम कर रहा है।रिपोर्ट में बताया गया है कि नई जेनरेटिव एआई टीम स्मॉलर लैंग्वेज मॉडल (एसएलएम) डेवलप करने पर फोकस करेगी जो ओपनएआई के जीपीटी -4 जैसे एलएलएम के समान है लेकिन कम कंप्यूटिंग पावर का उपयोग करता है। रिपोर्ट में आगे कहा गया, माइक्रोसॉफ्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को दोगुना कर रहा है जो ओपनएआई की तुलना में छोटी और चलाने में सस्ती है। रिपोर्ट में सूत्रों का हवाला देते हुए कहा गया है कि टेक जायंट ने कन्वर्सेशनल एआई डेवलप करने के लिए एक नई टीम बनाई है, जिसके लिए ओपनएआई के सॉफ्टवेयर की तुलना में कम कंप्यूटिंग पावर की आवश्यकता होती है। नई जेनएआई टीम का नेतृत्व कथित तौर पर माइक्रोसॉफ्ट कॉर्पोरेट वाइस-प्रेजिडेंट मिशा बिलेंको द्वारा किया जाएगा, और यह एज्योर क्लाउड यूनिट का हिस्सा होगा। कंपनी ने कई वरिष्ठ एआई डेवलपर्स को अपने रिसर्च ग्रुप से नई जेनएआई टीम में स्थानांतरित कर दिया है। इस बीच, ओपनएआई ने इस महीने एक जीपीटी स्टोर लॉन्च किया, जहां इसके प्रीमियम प्लान पर यूजर कंपनी के एलएलएम के आधार पर कस्टमाइज एआई मॉडल बेच और साझा कर सकते हैं। जीपीटी स्टोर तक पहुंचने के लिए, यूजर्स को ओपनएआई की प्रीमियम चैटजीपीटी प्लान में से एक चैटजीपीटी प्लस, चैटजीपीटी एंटरप्राइज़ या नई लॉन्च की गई चैटजीपीटी टीम का सब्सक्रिप्शन लेना होगा। ऑल्टमैन द्वारा संचालित कंपनी ने यह भी घोषणा की कि वह साल की पहली तिमाही में जीपीटी क्रिएटर्स के साथ एक रेवेन्यू शेयरिंग प्रोग्राम शुरू करेगी। चैटजीपीटी टीम की वार्षिक बिलिंग के लिए प्रति यूजर 25 डॉलर प्रति माह या मासिक बिलिंग के लिए 30 डॉलर प्रति माह है। टीम को 150 से ज्यादा लोगों वाली टीमों के लिए लक्षित किया गया है और यह चैटजीपीटी एंटरप्राइज में पाए जाने वाले कई फीचर्स प्रदान करती है, जिसमें जीपीटी-4 और डेल-ई 3 तक पहुंच और कस्टम जीपीटी बनाने की क्षमता शामिल है।

सोने की कीमतों में तेजी, चांदी भी चमकी

नई दिल्ली । सोने और चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। सोने के वायदा भाव 62 हजार और चांदी के वायदा भाव 71 हजार रुपये के ऊपर कारोबार करते दिखाई दिए। चांदी के वायदा भाव 71 हजार रुपये और सोने के 62 हजार रुपये से नीचे बंद हुए थे। वैश्विक बाजार में भी सोने-चांदी के वायदा भाव की शुरुआत तेजी के साथ हुई। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का बेंचमार्क फरवरी कॉन्ट्रैक्ट 26 रुपये की तेजी के साथ 61,994 रुपये के भाव पर खुला। जो 38 रुपये की तेजी के साथ 62,006 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। चांदी के वायदा भाव की शुरूआत भी तेजी के साथ हुई। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क मार्च कॉन्ट्रैक्ट 46 रुपये की तेजी के साथ 71,003 रुपये के भाव पर खुला, जो 110 रुपये की तेजी के साथ 71,076 रुपये के भाव पर कारोबार कर रहा था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कॉमेक्स पर सोना 2,030.70 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला। पिछला बंद भाव 2,025.80 डॉलर था। हालांकि यह 0.50 डॉलर की तेजी के साथ 2,026.30 डॉलर प्रति औंस के भाव पर कारोबार कर रहा था।

रुपया डॉलर के मुकाबले स्थिर खुला

मुंबई । घरेलू शेयर बाजारों में नरम रुख के बीच शुरुआती कारोबार में रुपया सपाट रुख के साथ खुला और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले एक पैसे बढ़कर 83.14 पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा व्यापारियों ने कहा कि विदेशी निवेशकों के बिकवाली दबाव के बीच रुपया थोड़ा नकारात्मक रुख के साथ कारोबार कर रहा है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 83.15 प्रति डॉलर पर खुला और फिर चढ़कर 83.14 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव के मुकाबले एक पैसे की बढ़त है। शुरुआती सौदों में रुपया 83.16 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर भी पहुंचा था। रुपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 83.15 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.14 प्रतिशत घटकर 103.46 पर रहा।

बजट कैसे तैयार होता है, क्या-क्या तैयारियां होती हैं, सबसे लंबा बजट भाषण किसका

नई दिल्ली ।
वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 01 फरवरी 2024 को अंतरिम बजट पेश करेंगी। यह बजट अप्रैल-मई 2024 में होने वाले अगले आम चुनाव से पहले सरकार का आखिरी बजट है। बजट पेश करने की तारीख तो एक फरवरी तय है, लेकिन इसकी तैयारी कई महीने पहले से शुरू हो जाती है। ऐसे में यह जानना जरूरी है कि भारतीय बजट के बारे में संविधान में क्या कहता है और इसे पेश करने के लिए सरकार कौन-कौन सी तैयारियां करती है

क्या है बजट, संविधान में इसका जिक्र कहां - संविधान में सीधे तौर पर बजट का जिक्र नहीं किया गया है। हालांकि, संविधान के अनुच्छेद 112 में वार्षिक वित्तीय विवरण की चर्चा है। इस अनुच्छेद के अंतर्गत ही सरकार को अपने हर साल की कमाई और व्यय का लेखा-जोखा देना अनिवार्य होता है। इस अनुच्छेद के मुताबिक, बजट पेश करने का अधिकार राष्ट्रपति को है। लेकिन राष्ट्रपति खुद बजट पेश नहीं करते, बल्कि अपनी तरफ से किसी मंत्री को बजट पेश करने के लिए कह सकते हैं। देश में हाल ही में यह तब हुआ था, जब 2019 में अरुण जेटली के बीमार होने पर पीयूष गोयल ने वित्त मंत्री न रहते हुए भी बजट पेश किया था। हालांकि, सामान्यत: वित्त मंत्री ही बजट पेश करते हैं।

बजट शब्द की उत्पत्ति - बजट शब्द फ्रांस के बुजे से निकला है, जिसका मतलब है चमड़े का बैग। ऐसा माना जाता है कि सरकार और उद्योगपति अपने कमाई और खर्च के दस्तावेज चमड़े के बैग में रखते हैं, इसलिए वित्त मंत्री भी अपने दस्तावेज एक चमड़े के बैग में लेकर संसद पहुंचते हैं। ब्रिटेन में इस शब्द के इस्तेमाल होता रहा है जो आगे भारत तक पहुंच गया।

क्या होता है बजट - बजट एक साल का लेखा-जोखा होता है। बजट पेश करने से पहले एक सर्वे से कराया जाता है, जिसमें सरकार की कमाई का अनुमान लगाया जाता है। बजट में सरकार अनुमान लगाती है कि उसे प्रत्यक्ष कर, अप्रत्यक्ष कर, रेलवे के किराए और अलग-अलग मंत्रालय के जरिए कितनी कमाई होगी। सर्वे में यह भी पता लगाया जाता है कि आगामी साल में सरकार का कितना खर्च अनुमानित होगा। सीधे शब्दों में कहें तो बजट एक साल में होने वाले अनुमानित राजस्व (कमाई) और खर्चों (अनुमानित व्यय) का ब्योरा होता है। वित्त मंत्री अपने इन्हीं कमाई और खर्च का ब्योरा बजट भाषण में देते हैं। इसे ही आम बजट या संघीय बजट कहते हैं। बजट की अवधि एक साल की होती है।

भारत में बजट कौन तैयार करता है - भारत में बजट को तैयार करने की प्रक्रिया काफी जटिल है। इसे बनाने में वित्त मंत्रालय के साथ नीति आयोग और खर्च से जुड़े मंत्रालय शामिल होते हैं। वित्त मंत्रालय इन्हीं अलग-अलग मंत्रालयों के अनुरोध पर खर्च का एक प्रस्ताव तैयार करता है। इसके बाद बजट बनाने का काम वित्त मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आर्थिक मामलों के विभाग का बजट सेक्शन करता है। बजट तैयार करने की प्रक्रिया क्या है आइए इसके विभिन्न चरणों के बारे में जानें

पहला चरण - बजट सेक्शन सभी केंद्रीय मंत्रालयों, राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों, स्वायत्त संस्थानों, विभागों, सैन्यबलों को एक सर्कुलर जारी करता है, जिसमें इन्हें आगामी साल के लिए एस्टिमेट (खर्चों का आकलन) तैयार करने का निर्देश दिया जाता है। मंत्रालयों और विभागों की तरफ से अपनी मांग रखे जाने के बाद वित्त मंत्रालय का व्यय विभाग सभी केंद्रीय मंत्रालयों से समझौते शुरू करता है।

दूसरा चरण - इसी दौरान आर्थिक मामलों के विभाग और राजस्व विभाग अलग-अलग हितधारकों जैसे- किसानों, व्यापारियों, अर्थशास्त्रियों, सिविल सोसाइटी संस्थानों के संपर्क में आते हैं और उनसे बजट को लेकर नजरिया पेश करने की मांग करते हैं। इस प्रक्रिया को प्री बजट डिस्कशन (बजट पूर्व चर्चा) भी कहा जाता है, क्योंकि यह बजट तैयार करने से पहले की प्रक्रिया है। इसके बाद वित्त मंत्री टैक्स को लेकर अंतिम फैसला लेते हैं। बजट के फाइनल होने से पहले, सभी प्रस्तावों पर प्रधानमंत्री से भी चर्चा की जाती है और उन्हें अगले फैसलों के बारे में अवगत कराया जाता है।

तीसरा और अंतिम चरण - आखिरी कदम के तौर पर वित्त मंत्रालय बजट तय करने से जुड़े सभी विभागों से आमदनी और खर्च की रसीदें हासिल करता है। इसके जरिए जुटाए गए आंकड़ों से अगले साल की अनुमानित कमाई और खर्चों की योजना तैयार होती है। इसके अलावा सरकार बजट को अंतिम रूप देने के लिए एक बार फिर राज्यों, बैंकरों, कृषि क्षेत्र के लोगों, अर्थशास्त्रियों और व्यापार संघों के साथ बैठक करती है। इसमें इन हितधारकों को टैक्स में छूट और आर्थिक मदद देने जैसी बातों पर चर्चा होती है। आखिर में वित्त मंत्रालय संशोधित बजट अनुमानों के आधार पर बजट भाषण तैयार करता है।

बजट पेश होने से पहले क्यों होता है हलवा समारोह - वित्त मंत्री बजट से ठीक पहले एक हलवा समारोह का भी आयोजन करती/करते हैं। यह हलवा समारोह इस बात का परिचायक होता है कि बजट को अंतिम रूप दिया जा चुका है और इसके छपने का काम शुरू हो चुका है। इस समारोह में बड़ी संख्या में बजट तैयार करने वाले अधिकारी और कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया जाता है। दरअसल, वित्त मंत्रालय के बजट विभाग के जितने भी अधिकारी बजट बनाने के कामों में जुटे होते हैं, उन्हें संसद में बजट पेश होने तक अपने परिवारों से संपर्क नहीं करने दिया जाता। ऐसे में सरकार उनकी मेहनत को लेकर आभार प्रकट के लिए हलवा समारोह का आयोजन करती है।

सबसे लंबा बजट भाषण किस वित्त मंत्री ने दिया - वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का केंद्रीय बजट 2021 का भाषण भारतीय इतिहास का सबसे लंबा बजट भाषण है यह 2 घंटे 40 मिनट तक चला था। इससे दौरान उन्होंने केंद्रीय बजट 2020 पेश करने के 2 घंटे 17 मिनट के अपने ही रिकॉर्ड को तोड़ा था। उनसे पहले सबसे लंबा बजट भाषण का रिकॉर्ड दिवंगत अरुण जेटली के नाम था। उनका 2014 का बजट भाषण 2 घंटे 10 मिनट लंबा था।

अब 45 की उम्र में ही रॉल्स-रॉयस खरीद लेते हैं अमीर भारतीय, बोले ब्रिटिश लग्जरी कार के निर्माता

चेन्नई ।
बेहद अमीर भारतीय अब 45 साल की उम्र में ही लग्जरी कार रॉल्स-रॉयस खरीद लेते हैं। ब्रिटिश लग्जरी कार निर्माता कंपनी के उत्पाद एवं क्षेत्रीय बिक्री प्रबंधक इवान कांग ने कहा, भारत में रॉल्स-रॉयस की कारें खरीदने वाले धनाढ्य लोगों की औसत आयु पहले की तुलना में घट गई है। अब लग्जरी कार खरीदने वालों अधिकतर ग्राहक करीब 45 वर्ष की आयु के बेहद अमीर भारतीय हैं। कांग ने कहा, रॉल्स-रॉयस कारें विशेष रूप से तैयार की जाती हैं और कीमत ग्राहकों की पसंद पर निर्भर करती है। स्पेक्टर मॉडल की शुरुआती कीमत (एक्स-शोरूम) 7.50 करोड़ रुपये है।

वेटिंग अवधि एक साल से ज्यादा - कांग ने स्पेक्टर श्रेणी वाली कार को 2023 में वैश्विक बाजार में पेश किए जाने के बाद से इसकी बुकिंग का कोई आंकड़ा देने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा, स्पेक्टर की मांग मजबूत रही है। इसकी आपूर्ति के लिए वेटिंग अवधि एक वर्ष से अधिक हो सकती है। ई-वाहन स्पेक्टर लॉन्च, कीमत 10 करोड़: रॉल्स-रॉयस मोटर कार्स ने अपना नया पूर्ण इलेक्ट्रिक वाहन 'स्पेक्टर' भारतीय बाजार में पेश किया। इसकी चेन्नई में शोरूम कीमत 10 करोड़ रुपये है। इस मौके पर स्पेक्टर मॉडल का 'चार्टरेस' (हरा-पीला) रंग का खास संस्करण भी पेश किया गया। यात्री वाहन उद्योग में 20 प्रतिशत तक वृद्धि संभव: यात्री वाहन (पीवी) उद्योग में चालू वित्त वर्ष के दौरान 18 से 20 फीसदी वृद्धि की उम्मीद है। मजबूत ऑर्डर बुक और आपूर्ति श्रृंखला में सुधार जैसे कारकों के दम पर 2024-25 में भी वृद्धि जारी रहने की संभावना है। क्रेडिट रेटिंग एजेंसी केयरएज ने एक रिपोर्ट में कहा, प्रीमियम श्रेणी की मांग अच्छी रहने की उम्मीद है। हालांकि, उच्च ब्याज दरों और महंगाई के कारण सस्ती कारों की मांग कम हो सकती है। इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर श्रेणी में पिछले कुछ वर्षों में बिक्री काफी बढ़ी है। कुल ई-वाहन बिक्री में इसका 6 फीसदी योगदान है। केयरएज रिसर्च की निदेशक तन्वी शाह ने कहा, 2022-24 में यात्री वाहन उद्योग ने 27 फीसदी की सालाना वृद्धि के साथ रिकॉर्ड बिक्री दर्ज की थी।

व्रूम ने बंद किया ई-कॉमर्स परिचालन लगभग 90 प्रतिशत नौकरियों की छंटनी

सैन फ्रांसिस्को।
इस्तेमाल किए गए वाहनों को खरीदने और बेचने के लिए अमेरिका स्थित अग्रणी ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म व्रूम ने घोषणा की है कि वह अपने ई-कॉमर्स परिचालन को बंद कर रहा है, साथ ही अपने प्रयुक्त वाहन डीलरशिप व्यवसाय को भी बंद कर रहा है इस दौरान लगभग 800 कर्मचारियों को नौकरी से निकाला जाएगा, जो कुल कार्यबल का लगभग 90 प्रतिशत है।

व्रूम ने अमेरिकी प्रतिभूति और विनिमय आयोग (एसईसी) के साथ फाइलिंग में कहा, कंपनी का अनुमान है कि वैल्यू मैक्सिमाइजेशन प्लान के पर्याप्त कार्यान्वयन से लगभग 800 कर्मचारी प्रभावित होंगे, जिसके चलते यूएसीसी या कारस्टोरी के संचालन में शामिल नहीं होने वाले लगभग 90 प्रतिशत कर्मचारियों की कमी की जाएगी। व्रूम के निदेशक मंडल द्वारा अनुमोदित वैल्यू मैक्सिमाइजेशन प्लान के तहत, कंपनी व्रूम डॉट कॉम के माध्यम से लेनदेन को निलंबित कर रही है, थोक चैनलों के माध्यम से अपनी वर्तमान प्रयुक्त वाहन सूची को बेचने की योजना बना रही है, और अतिरिक्त वाहनों की खरीद रोक रही है। कंपनी को उम्मीद है कि वैल्यू मैक्सिमाइजेशन प्लान 31 मार्च, 2024 तक काफी हद तक लागू हो जाएगा। कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी थॉमस शॉर्ट ने एक बयान में कहा, जैसा कि हमने पहले खुलासा किया था, हमारा इरादा अपने परिचालन के लिए फंड और 31 मार्च, 2024 की वर्तमान समाप्ति तिथि के बाद वाहन फ्लोरप्लान सुविधा के विस्तार का समर्थन करने के लिए अतिरिक्त पूंजी जुटाने का है।

उन्होंने कहा, ऐसा करने के महत्वपूर्ण प्रयासों के बावजूद, हम अंतत: मौजूदा बाजार में आवश्यक पूंजी जुटाने में असमर्थ रहे।

दिल्ली हाई कोर्ट ने गूगल को भ्रामक स्टारबक्स फ्रेंचाइजी गूगल फॉर्म को निलंबित करने का निर्देश दिया

नई दिल्ली।
दिल्ली उच्च न्यायालय ने एक निर्देश जारी कर गूगल से जनता को स्टारबक्स फ्रेंचाइजी के लिए आवेदन करने के लिए आमंत्रित करने वाले विभिन्न गूगल फॉर्म से जुड़े यूआरएल को निलंबित करने को कहा है।न्यायमूर्ति अनीश दयाल ने कहा कि मुकदमा दायर करने वाली स्टारबक्स, गूगल फॉर्म के इसी तरह के यूआरएल को सूचीबद्ध करते हुए एक हलफनामा दायर करने के लिए अधिकृत है। इसके बाद उम्मीद की जाती है कि जानकारी मिलने पर गूगल उन यूआरएल को निलंबित कर देगा। स्टारबक्स, जो अपने फ्रेंचाइजी होने का झूठा दावा करने वाली अज्ञात संस्थाओं के खिलाफ अदालत गया है, ने दोहराया कि पिछले साल अप्रैल में स्टारबक्स के पक्ष में अंतरिम निषेधाज्ञा दी गई थी। नए एप्लिकेशन का उद्देश्य उन धोखेबाजों पर लगाम लगाना है जो गूगल फॉर्म के माध्यम से खुद को स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ी के रूप में प्रस्तुत कर रहे थे। विशेष रूप से, बहुराष्ट्रीय कॉफ़ीहाउस श्रृंखला, स्टारबक्स, भारत में फ्रैंचाइज़ी मॉडल पर काम नहीं करती है। अदालत ने कहा, इसलिए, वादी के वकील का कहना है कि धोखेबाज़ स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ अवसरों के लिए आवेदन करने के लिए आम जनता से जानकारी मांग रहे हैं, जैसा कि ऊपर बताया गया है, भारत में मौजूद नहीं है। स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ी जैसे शीर्षकों वाले इन फर्जी फॉर्मों ने व्यक्तियों को यह विश्वास दिलाने के लिए गुमराह किया कि वे भारत में स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ी के लिए आवेदन कर सकते हैं।

अदालत ने भारत में गैर-मौजूद स्टारबक्स फ्रेंचाइजी से संबंधित जानकारी इकट्ठा करने के लिए धोखेबाजों द्वारा गूगल फॉर्म के दुरुपयोग के बारे में चिंताओं का हवाला देते हुए स्टारबक्स को राहत का अधिकार दिया। इसके अतिरिक्त, अदालत ने ऐसे भ्रामक तरीकों से आम जनता से निजी जानकारी और डेटा मांगने की अनुचितता पर जोर दिया। इसमें कहा गया है: इस न्यायालय की राय में, वादी इस आवेदन में जो राहत चाहते हैं वह पाने के हकदार होंगे, न केवल यह कि ये गूगल फॉर्म स्टारबक्स फ्रैंचाइज़ से संबंधित जानकारी प्राप्त करने के लिए धोखेबाजों द्वारा पोस्ट किए जा रहे हैं (जो कि) भारत में मौजूद नहीं हैं।

वनप्लस भारत में करेगा मेनलाइन नेटवर्क का विस्तार, 2024 में 50,000 रिटेलर स्टोर्स के साथ करेगा काम

नई दिल्ली।
ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड वनप्लस के लिए भारत एक महत्वपूर्ण बाजार बना हुआ है और कंपनी का लक्ष्य 2024 में देश में लगभग 50,000 मेनलाइन रिटेलर स्टोर के साथ काम करने का है।

वनप्लस इंडिया के सेल्स डायरेक्टर रंजीत सिंह ने बताया, वनप्लस ने हाल ही में अपनी फ्लैगशिप 12 सीरीज लॉन्च की है, जो परफॉर्मेंस, डिस्प्ले इनोवेशन, चार्जिंग कैपेबिलिटीज, कैमरा टेक्नोलॉजी और डिजाइन एस्थेटिक्स में महत्वपूर्ण प्रगति की है। निश्चित रूप से इस साल और ज्यादा निवेश लाने के लिए तैयार हैं, ताकि इसका अधिक लाभ लोगों को हो सके।

सिंह ने कहा, इस साल, हम अपनी खुदरा रणनीति पर नए सिरे से काम करने के लिए उत्साहित हैं। वनप्लस 2024 में मेनलाइन चैनल में निवेश को दो गुना तक बढ़ाना चाहता है। हम 2024 में पूरे भारत में 200 से ज्यादा नए वनप्लस एक्सपीरियंस स्टोर खोलकर अपनी मुख्य उपस्थिति का विस्तार करने के लिए तैयार हैं। वनप्लस 12 दो कलर वेरिएंट फ्लोई एमराल्ड और सिल्की ब्लैक में आएगा। 64,999 रुपये की कीमत में 12 जीबी प्लस 256 जीबी और 69,999 रुपये की कीमत में 16 जीबी प्लस 512 जीबी मिलेगा। यह 30 जनवरी से खरीदने के लिए उपलब्ध होगा। इसके अलावा, कंपनी ने वनप्लस 12आर को दो कलर्स कूल ब्लू और आयरन ग्रे में लॉन्च किया। 39,999 रुपये की कीमत में 8 जीबी प्लस 128 जीबी और 45,999 रुपये की कीमत में 16 जीबी प्लस 256 जीबी उपलब्ध होगा। वनप्लस 12आर 6 फरवरी से खरीद के लिए उपलब्ध होगा। वनप्लस 12 5जी के मूल में पावरफुल स्नैपड्रैगन 8 जेन 3 मोबाइल प्लेटफॉर्म है, जो ट्रिनिटी इंजन द्वारा समर्थित है, और 512 जीबी यूएफएस 4.0 रोम के साथ 16जीबी तक एलपीडीडीआर5एक्स रैम है। बताया, शानदार घड़ियों और हमारे चारों ओर मौजूद प्रकृति की सुंदरता से प्रेरित डिजाइन, टेक्नोलॉजी और एस्थेटिक अपील के सामंजस्यपूर्ण मिश्रण को दर्शाता है। चौथी पीढ़ी के हैसलब्लाड

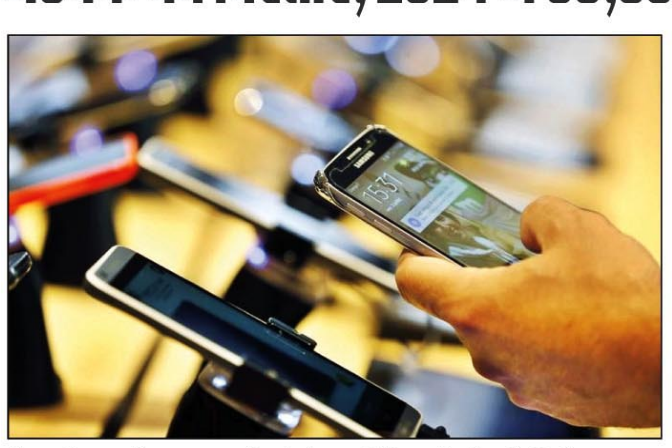

कैमरा सिस्टम में लगभग हर किसी के लिए कुछ न कुछ है, हमने एक्सपेरिमेंटल या प्रोफेशनल्स के लिए मास्टर मोड बनाने के लिए अपने प्रो मोड को भी बढ़ाया है।

कंपनी ने पिछले साल फोल्डेबल सेगमेंट में कदम रखा और वनप्लस ओपन पेश किया। सिंह के अनुसार, हमें अपने भारतीय समुदाय से अविश्वसनीय प्रतिक्रिया देखने को मिली। वनप्लस ओपन डिवाइस रिलायंस डिजिटल पर बिक्री के पहले दिन सबसे ज्यादा बिकने वाला फोल्डेबल स्मार्टफोन डिवाइस बनकर उभरा। इसी तरह, यह 1 लाख रुपये प्राइस सेगमेंट (जनवरी 2023-अक्टूबर 27 2023) में अपने ओपन सेल के दिन अमेजन पर सबसे ज्यादा बिकने वाला फोल्डेबल स्मार्टफोन बन गया। सिंह ने बताया, हमने अपने वनप्लस पैड और पैड गो के साथ टैबलेट के बिल्कुल नए सेगमेंट में भी कदम रखा, दोनों को पूरे भारत में हमारे कंज्यूमर्स से उल्लेखनीय प्रतिक्रिया मिली है। आईडीसी के अनुसार, वनप्लस 400-600 डॉलर के प्राइस सेगमेंट में भारत में टॉप ब्रांड के रूप में उभरा है। इसके अलावा, वनप्लस 11/11आर शिपमेंट के मामले में जनवरी-नवंबर 2023 की अवधि में मिड से हाई प्राइस सेगमेंट (400-600 डॉलर) में सबसे आगे रहा। सिंह ने कहा, जनवरी-नवंबर 2023 में हम 50 प्रतिशत से ज्यादा (आईडीसी के अनुसार) की वृद्धि के साथ टॉप 10 स्मार्टफोन ब्रांडों में सबसे तेजी से बढ़ने वाले ब्रांड के रूप में उभरे। वनप्लस 12 सीरीज के लॉन्च के साथ, कंपनी फ्लैगशिप टेक्नोलॉजी को फिर से परिभाषित करते हुए एक बार फिर अपने नेवर सेटल मंत्र को अपनाने के लिए तैयार है। सिंह ने कहा, और हमें विश्वास है कि हमारी कम्युनिटी को वह पसंद आएगा जो उनके लिए है। अपनी पहले की प्रतिबद्धता के अनुरूप, वनप्लस 2024 में टियर 2 और 3 मार्केट में विस्तार के साथ बाजार में पैठ बढ़ाना जारी रखेगा। सिंह ने बताया, अपने खुदरा विस्तार के साथ, हम भारत में अपने व्यापक सामुदायिक आधार को अपने प्रोडक्ट्स के साथ-साथ वनप्लस कनेक्टेड इकोसिस्टम का प्रत्यक्ष प्रीमियम एक्सपीरियंस हासिल करने का मौका देना चाहते हैं। एक ब्रांड के रूप में, वनप्लस ने हमेशा अपने समुदाय और अपने प्रोडक्ट्स पर उनकी प्रतिक्रिया को सुना है। कहा, 2024 भी अलग नहीं होगा। हम अपनी कम्युनिटी के हित को सबसे पहले रखेंगे। हम बेहतर परफॉर्मेंस और टेक्नोलॉजी के साथ हाई-क्वालिटी प्रोडक्ट्स उपलब्ध कराने के अपने वादे को पूरा करेंगे। सिंह ने आगे कहा, एक यूजर-सेंट्रिक ब्रांड के रूप में, हम भारत में अपने कंज्यूमर्स के लिए एडवांस टेक्नोलॉजी लाने में निवेश करेंगे और हम अपने बढ़ते यूजर बेस की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अपने प्रोडक्ट पोर्टफोलियो में विविधता लाना जारी रखेंगे।

सूर्यकुमार आईसीसी टी-20 क्रिकेटर ऑफ द ईयर बने : लगातार दूसरी बार मिला अवॉर्ड, 2023 में 18 मैचों में 733 रन बनाए

मुम्बई ।

टीम इंडिया के स्टार क्रिकेटर सूर्यकुमार यादव लगातार दूसरी बार आईसीसी मेंस टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर चुने गए हैं। साल 2022 के लिए भी यादव को अवॉर्ड से सम्मानित किया गया था।

आईसीसी मेंस टी-20 प्लेयर ऑफ द ईयर के लिए सिकंदर रजा, अल्पेश रमजानी और मार्क चापमन भी नॉमिनेट हुए थे, जिसमें से सूर्या ने पुरस्कार जीता। सूर्यकुमार यादव ने साल 2023 में 18 टी-20 इंटरनेशनल मैच में 733 रन बनाए हैं।

2023 में सबसे ज्यादा टी-20 रन बनाने वाले भारतीय

सूर्यकुमार यादव साल 2023 में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय बने। उन्होंने 17 पारियों में 48.86 की औसत और 155.95 की स्ट्राइक रेट से 733 रन बनाए।

वे 2023 में यूएई के मुहम्मद वसीम और युगांडा के रोजर मुकासा के बाद इस फॉर्मेट में तीसरे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी रहे। यूएई स्टार ने 23 मैचों में 863 रन बनाए, जबकि युगांडा के खिलाड़ी ने साल में 31 मैचों में 738 रन बनाए।

2023 में लगाए 2 शतक

सूर्यकुमार यादव ने साल 2023 में 2 शतक लगाए। इसमें से पहला शतक जनवरी में श्रीलंका के खिलाफ आया, जहां 51 गेंदों में 112 रनों की पारी में नौ छक्के और सात चौके शामिल थे। वहीं, दूसरा शतक साल के आखिरी टी-20 मैच में साउथ अफ्रीका के खिलाफ आया, जहां उन्होंने 100 रन की पारी खेली।

यादव टी-20 इंटरनेशनल में शतक लगाने के मामले में ग्लेन मैक्सवेल के साथ संयुक्त रूप से दूसरे नंबर पर है, दोनों ने 4-4 शतक लगाए हैं। पहले नंबर पर 5 शतक के साथ रोहित शर्मा लिस्ट में टॉप पर हैं।

आईसीसी टी-20 टीम ऑफ द ईयर के भी कप्तान

आईसीसी ने टी-20 टीम ऑफ द ईयर 2023 घोषित की थी, जिसमें सूर्यकुमार यादव को टीम का कप्तान बनाया गया था। वहीं, रवि बिश्नोई, यशस्वी जयसवाल और अर्शदीप सिंह टीम में शामिल किए जाने वाले तीन अन्य भारतीय रहे।

न्यूज ब्रीफ

द्रविड़ ने हैदराबाद की पिच को अच्छा बताया कहा, समय के साथ मिलेगा टर्न

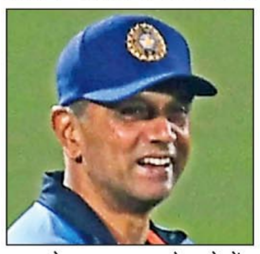

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ के अनुसार इंग्लैंड के खिलाफ पहले टेस्ट के लिए यहां की पिच अच्छी रहेगी। साथ ही कहा कि समय के साथ ही इससे स्पिनरों को अधिक सहायता मिलेगी। द्रविड़ ने कहा कि पिच के बारे में अभी कुछ कहना कठिन है। जब मैच शुरू होगा हम तब इसके बारे में पता करेंगे। मैंने जो देखा है उसमें यह पिच अच्छी दिख रही है। उन्होंने कहा कि पिच से हालांकि स्पिनरों को टर्न मिलेगा हालांकि ये कितनी जल्दी और कितनी तेजी से मिलता है इस बारे में मैं अभी कुछ नहीं कह सकता हूं। खेल जैसे-जैसे आगे बढ़ेगा निश्चित रूप से गेंद को अधिक टर्न मिलेगी। भारतीय खिलाड़ियों ने इस मैच के लिए यहां नेट अभ्यास सत्र में भाग लिया। टीम के लिए यह वैकल्पिक सत्र था पर तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को छोड़कर सभी खिलाड़ियों ने 2 घंटे से अधिक समय तक इस सत्र में भाग लिया। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने भी माना कि उनकी टीम ने भी पिच के बारे में चर्चा की है। उन्होंने कहा कि हमने पिच पर चर्चा की है। हम इसे लेकर ज्यादा परेशान नहीं है। हमारी टीम में इतना आत्मविश्वास है कि हम कुछ खास कर सकते हैं। हमारे पास स्पिनर है, हमारे पास तेज गेंदबाज हैं, हमारे पास अच्छे बल्लेबाज हैं और हाल के दिनों में हमारा प्रदर्शन काफी अच्छा रहा है। उन्होंने माना कि यह काफी कठिन होगा क्योंकि हम ऐसी पिचों पर खेलने के आदी नहीं है पर हमें इसका तरीका ढूंढना होगा। वुड ने कहा कि हम अपने को इन पिचों के अनुसार ढालेंगे। वहीं हैदराबाद क्रिकेट संघ के एक अधिकारी ने कहा कि हमारे पास पिच तैयार करने के लिए पर्याप्त समय है। इससे बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों को सहायता मिलेगी, लेकिन जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ेगा, इसमें बदलाव आएगा।

इंग्लैंड के खिलाफ आक्रमक रणनीति से मिलेंगे काफी विकेट

हैदराबाद । भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का मानना है कि इंग्लैंड के खिलाफ आक्रामक रुख अपनाना लाभप्रद रहेगा। बुमराह के अनुसार इससे पांच मैचों की टेस्ट सीरीज में उन्हें काफी विकेट मिल सकते हैं। कप्तान बेन स्टोक्स के नेतृत्व में इंग्लैंड की बैजबॉल (आक्रामक) होकर खेलने की रणनीति की भी इस सीरीज में कड़ी परीक्षा होगी। बुमराह ने कहा, 'मैं बैजबॉल शब्द से जुड़ा हुआ नहीं हूं पर वे सफल क्रिकेट खेल रहे हैं और आक्रामक रुख अपनाकर विरोधी का सामना कर रहे हैं जिससे दुनिया को पता चल रहा है कि टेस्ट क्रिकेट खेलने का एक और तरीका भी है। जुलाई 2022 में बुमराह को रोहित शर्मा के कोविड-19 के कारण बाहर होने के बाद बर्मिंघम में भारत की कप्तानी मिली थी। इसी मैच में उनको इंग्लैंड की इसी आक्रामक रणनीति को देखने का अवसर मिला। इस मैच को इंग्लैंड ने आक्रामक रवैया अपनाकर सात विकेट से जीता था। बुमराह ने कहा, 'एक गेंदबाज के रूप में मुझे लगता है कि आक्रामक रणनीति मुझे खेल में बनाए रखेगी। अगर वे ऐसा करने जा रहे हैं, इतनी तेजी से खेल रहे हैं तो वे मुझे थकाएंगे नहीं, मुझे काफी सारे विकेट मिल सकते हैं। मैं हमेशा इस बारे में सोचता हूं मैं कैसे चीजों का इस्तेमाल अपने लाभ के लिए कर सकता हूं। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस से प्रेरणा लेते हुए बुमराह अवसर मिलने पर भविष्य में कप्तानी की जिम्मेदारी संभालने के लिए तैयार हैं।

टी20 विश्व कप में भारत के खिलाफ खेलेंगे उन्मुक्त

मुम्बई । भारतीय क्रिकेटर उन्मुक्त चंद अब टी20 विश्व कप 2024 में अमेरिकी टीम से खेलते हुए नजर आयेंगे। उन्मुक्त ने भारतीय टीम में जगह नहीं मिलने पर अमेरिका का रुख किया था और वहां वह छा गये हैं। उन्मुक्त भारतीय अंडर-19 टीम के कप्तान भी रहे हैं। उन्होंने सितंबर 2021 में भारतीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। टी20 विश्व कप में संयुक्त राज्य अमेरिका संयुक्त मेजबान हैं। ऐसे में उसे टूर्नामेंट में खेलने के लिए प्रवेश मिला हुआ है। उन्मुक्त ने मान कि टूर्नामेंट में भारत के खिलाफ खेलना उन्हें अजीब लगेगा। 12 जून को न्यूयॉर्क में नासाउ काउंटी अंतर्राष्टीय क्रिकेट स्टेडियम में भारत का मुकाबला अमेरिका से होगा। इस क्रिकेटर ने कहा, कुछ ऐसा है जो बहुत अजीब होगा पर मुझे लगता है कि जब से मैंने भारत से संन्यास लिया है, मेरा अगला लक्ष्य हमेशा भारत के खिलाफ खेलना था क्योंकि मैं अपने को दुनिया की सर्वश्रेष्ठ टीम के खिलाफ परखना चाहता हूं। वहीं अमेरिका में रह रहे एक और पूर्व भारतीय क्रिकेटर स्मित पटेल ने भी जसप्रीत बुमराह के साथ खेलने के अनुभव के बारे में बात की है। स्मित ने उस मजेदार अनुभव को याद किया जब वह पहली बार जसप्रीत बुमराह से मिले थे और कहा था कि पूरी टीम उनके एक्शन से उत्साहित थी। पटेल ने बताया, इतने वर्षों में बुमराह के साथ काफी समय बिताया है। वह दिन अभी भी याद है जब वह पहली बार अभ्यास के लिए आया था और जो कुछ हम देख रहे थे उससे उसने हमें हैरान कर दिया था।

भारत और इंग्लैंड टेस्ट ; विराट की जगह पाटीदार टीम में

पिछले महीने वनडे डेब्यू किया था ; कोहली निजी कारणों की वजह से 2 टेस्ट से बाहर

मुम्बई ।

मध्यप्रदेश के दाएं हाथ के बल्लेबाज रजत पाटीदार शुरू हो रही इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले दो टेस्ट खेल सकते हैं। उन्हें टीम में विराट कोहली की जगह शामिल किया जाएगा। कोहली निजी कारणों की वजह से पहले दो टेस्ट नहीं खेलेंगे। बीसीसीआई के सूत्रों के हवाले से खबर दी है कि रजत को टेस्ट मैच खेलने के लिए हैदराबाद बुलाया गया है। पहला टेस्ट यहीं 25 जनवरी से शुरू हो रहा है। अगर मौका मिलता है तो 30 साल के इस बल्लेबाज का यह पहला इंटरनेशनल टेस्ट होगा।

रजत 12 जनवरी से इंडिया ए से इंग्लैंड ए के खिलाफ टेस्ट सीरिज का हिस्सा थे। उन्हें इंग्लैंड ए के खिलाफ शुरू हो रहे दूसरे टेस्ट मैच में खेलना था, लेकिन अब वह टीम का हिस्सा नहीं हैं।

पाटीदार ने 21 दिसंबर 2023 को साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे वनडे मैच में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू किया था, जहां उन्होंने ओपनिंग की और 16 गेंदों में 137.50 की स्ट्राइक रेट के साथ 22 रन बनाए।

बीसीसीआई ने कोहली को दी छुट्टी

बीसीसीआई ने बताया कि विराट कोहली ने कप्तान रोहित शर्मा, सिलेक्टर्स और टीम मैनेजमेंट से बात की और कहा- उन्होंने हमेशा इस बात पर जोर दिया है कि देश का प्रतिनिधित्व करना हमेशा उनकी सर्वोच्च प्राथमिकता रहे, लेकिन कुछ व्यक्तिगत परिस्थितियां उनकी उपस्थिति और पूरे ध्यान की मांग करती हैं। बोर्ड ने कहा कि सिलेक्शन

कमेटी जल्द ही टीम में उनके रिप्लेसमेंट प्लेयर के नाम का ऐलान करेगी।

फर्स्ट क्लास क्रिकेट में पाटीदार ने 12 शतक लगाए

रजत पाटीदार मध्यप्रदेश की ओर से रणजी खेलते हैं। वे फर्स्ट क्लास क्रिकेट के 55 मैच में 4000 रन पूरे कर चुके हैं। इसमें 12 शतक शामिल हैं।

इंडिया-ए के लिए पाटीदार ने 151 रन की पारी खेली

पिछले हफ्ते, पाटीदार ने भारत ए के लिए इंग्लैंड ए के खिलाफ पहले टेस्ट में 151 रन की पारी खेली। अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में पाटीदार ने 158 बॉल में 151 रन बनाए। इसमें 19 चौके और 5 सिक्स शामिल थे।

पहला मैच हैदराबाद में होगा

भारत और इंग्लैंड को 25 जनवरी से 5 टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। यह सीरीज 7 मार्च तक चलेगी। पहला मैचों हैदराबाद स्टेडियम में खेला जाएगा।

डब्लूटीसी के लिहाज से अहम है यह सीरीज

यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से अहम है। अभी भारतीय टीम चैंपियनशिप के पॉइंट्स टेबल के दूसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड 7वें नंबर पर है।

टेस्ट सीरीज में शार्ट पिच और बाऊंसर से रोहित पर लगाएंगे अंकुश : वुड

हैदराबाद । इंग्लैंड के तेज गेंदबाज मार्क वुड ने कहा है कि उनकी टीम भारत में भी जीत के लिए आक्रामक रणनीति का इस्तेमाल करेगी। वुड के अनुसार उनका लक्ष्य भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज रोहित शर्मा पर शार्ट पिच गेंदें फेंककर अंकुश लगना रहेगा। साथ ही कहा कि हमारा लक्ष्य भारतीय टीम को सीरीज में हराना रहेगा। यहां होने वाले पहले टेस्ट को लेकर वुड ने कहा कि पिचों की प्रकृति धीमी होने के बाद भी उनकी टीम को आक्रामक रणनीति से लाभ होगा। वुड ने कहा कि हां, जब मैं वहां मैदान पर उतरूंगा तो हालातों के अनुसार गेंदबाजी करुंगा। उन्होंने माना कि भारतीय धरती पर बाउंसर का कम ही इस्तेमाल होता है पर पिच कभी-कभी दोहरी गति वाली हो सकती है और ऐसे में बाऊंसर से विकेट मिलने की संभावना रहती है। उन्होंने कहा कि रोहित शॉर्ट गेंद के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करते हैं पर इसका अर्थ ये नहीं कि मैं बाउंसर नहीं फेंकूंगा। इसका मतलब केवल यह है कि मुझे बेहद सटीक होना होगा और सही समय पर गेंदबाजी करनी होगी। वुड ने कहा कि उनकी टीम हालातों के अनुकूल ढलने के लिए भी तैयार है। वुड ने कहा, ''मुझे लगता है कि हम खेल को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। मुझे लगता है कि कभी-कभी यह जरुरी होता है कि आप अपनी स्थिति बेहतर करो और फिर जब अवसर आए तो भारतीय टीम पर वापस बनाओ। इस खिलाड़ी ने कहा कि दबाव से निपटना भी यह तय करने में एक अहम कारक होगा कि क्या इंग्लैंड की टीम भारतीय धरती पर वैसी ही जीत दर्ज करती है जैसी उसने 2022 के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ हासिल की थी। तब उनकी टीम ने सभी तीन मैच जीते थे।

हार्टले पदार्पण करेंगे; एंडरसन पहले टेस्ट के लिए इंग्लैंड की अंतिम एकादश से बाहर

हैदराबाद ।

बाएं हाथ के स्पिनर टॉम हार्टले अपना टेस्ट डेब्यू करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जबकि अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में भारत के खिलाफ शुरू होने वाली सीरीज के शुरुआती मैच में इंग्लैंड की अंतिम एकादश में शामिल नहीं होंगे। इंग्लैंड ने अपनी टीम में चार स्पिनरों को शामिल किया है, जिसमें नवोदित हार्टले, जिन्होंने पिछले साल दो एकदिवसीय मैच खेले हैं, साथी बाएं हाथ के स्पिनर जैक लीच, लेग स्पिनर रेहान अहमद और जो रूट अंशकालिक ऑफ-स्पिन के साथ स्पिन-गेंदबाजी कर्तव्यों को साझा करने के लिए तैयार हैं। हार्टले ने लंकाशायर के लिए 20 प्रथम श्रेणी क्रिकेट मैचों में 36.57 की औसत से 40 विकेट लिए हैं। लेकिन इंग्लैंड इस विश्वास के साथ आया है कि वह 2021 श्रृंखला में भारत के लिए अक्षर पटेल ने जो किया था, उसे दोहराने में सक्षम होगा, जब मेजबान टीम ने घरेलू मैदान पर 3-1 से जीत हासिल की थी। कप्तान बेन स्टोक्स ने भारत में स्पिन के अनुकूल परिस्थितियों में रूट से गेंदबाजी की शुरुआत कराने का सुझाव भी दिया था। मेहमान टीम के पास तेज़ गेंदबाज़ मार्क वुड के रूप में केवल एक ही तेज़ गेंदबाज़ी विकल्प है। अहमद और लीच, शीर्ष क्रम के बल्लेबाज ओली पोप और विकेटकीपर-बल्लेबाज बेन फॉक्स के साथ, पिछले साल द ओवल में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इंग्लैंड के आखिरी टेस्ट में शामिल नहीं होने के बाद टीम में आए हैं। फॉक्स पिछले फरवरी में न्यूजीलैंड दौरे के बाद अपने पहले टेस्ट के लिए टीम में वापस आ गए हैं। जॉनी बेयरस्टो हैरी ब्रूक के स्थान पर पांचवें नंबर पर विशेषज्ञ बल्लेबाज होंगे जो व्यक्तिगत कारणों से दौरे से हट गए। इंग्लैंड ने आखिरी बार 12 साल पहले भारत में टेस्ट सीरीज जीती थी, जहां एलिस्टर कुक कप्तान थे और स्पिनर ग्रीम स्वान और मोंटी पनेसर ने 2-1 की जीत में प्रमुख भूमिका निभाई थी। 2021 के दौरे में, इंग्लैंड ने चेन्नई में शुरुआती टेस्ट जीता था।

नोवाक जोकोविच 11वीं बार सेमीफाइनल में पहुंचे अंतिम-4 में कोको गॉफ और सबालेंका में होगी टक्कर

मेलबर्न ।

सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। शीर्ष वरीयता प्राप्त जोकोविच ने अमेरिका टेलर फ्रित्ज को हराया। दोनों के बीच यह मैच करीब चार घंटे तक चला। इस मैराथन मुकाबले को जीतकर जोकोविच ने 11वीं बार सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उनका मुकाबला अंतिम-4 में इटली के यानिक सिनर से होगा। सिनर ने अन्य क्वार्टर फाइनल में रूस के आंद्रे रूबलेव की चुनौती को समाप्त किया।

फ्रित्ज के खिलाफ जोकोविच ने 7-6 (7-3), 4-6, 6-2, 6-3 से मैच को अपने नाम किया। जोकोविच अब तक ऑस्ट्रेलियन ओपन के क्वार्टर फाइनल में नहीं हारे हैं। 24 बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन ने मेलबर्न पार्क पर सभी दस सेमीफाइनल और फाइनल जीते हैं। वह 48वीं बार किसी ग्रैंडस्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वह 26 जनवरी को सिनर के खिलाफ उतरेंगे।

सिनर पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में

इटली के यानिक सिनर ने ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया है। वह पहली बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। चौथी वरीयता प्राप्त सिनर ने पांचवीं वरीय खिलाड़ी रूबलेव को 6-4, 7-6 (7-5), 6-3 से हराया। पिछले साल

विंबलडन में अंतिम चार में पहुंचने के बाद 22 वर्षीय खिलाड़ी अपने दूसरे ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। वह ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाले इटली के दूसरे पुरुष खिलाड़ी हैं। उनसे पहले 2022 में माटेओ बेरेटिनी ने यह उपलब्धि हासिल की थी।

कोको गॉफ ने कोस्त्युक को हराया

महिला वर्ग में कोको गाफ ने यूक्रेन की मार्ता कोस्त्युक को 7-6 (8-6), 6-7 (3-7), 6-2 से मात दी। अब उनका सामना गत चैम्पियन आर्यना सबालेंका से होगा। दूसरे मैच में बेलारूस की सबालेंका ने नौवीं वरीयता प्राप्त चेक गणराज्य की बारबरा क्रेइसिकोवा को 6-2, 6-3 से हराया। गॉफ और सबालेंका के बीच 25 जनवरी को मैच खेला जाएगा।

एशिया कप से बाहर होने के बाद भारत के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने कहा, यह हमारे लिए सीखने का अच्छा अनुभव था

अल, खोर (कतर)।

भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने निराशा व्यक्त की क्योंकि उनकी योजना विफल रही, जिसके परिणामस्वरूप कतर के अल बायेत स्टेडियम में एएफसी एशिया कप के अपने अंतिम ग्रुप मैच में सीरिया से 1-0 से हार का सामना करना पड़ा।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया और उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने शुरुआती मैचों में दो हार के बाद इस मैच में प्रवेश किया। इस मैच में केवल जीत ही तीसरे स्थान की सर्वश्रेष्ठ टीमों में से एक के रूप में राउंड 16 के लिए क्वालीफाई करने की उनकी उम्मीदों को जीवित रख सकती थी। हालाँकि, भारत ने अपना अभियान एक और हार के साथ समाप्त किया और बोर्ड पर शून्य अंक के साथ लौटा।

मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्टिमैक ने कहा, सीरियाई टीम को बधाई; वे अंतत: इसके हकदार थे। अंतिम क्षणों में वे अधिक शक्तिशाली और अधिक सहज थे। (यह) हमारे लिए एक अच्छा सीखने का अनुभव था, मैं कहूंगा, क्योंकि कुल मिलाकर, तीन मैचों में, हमने यह साबित कर दिया है हम इस स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। हर कोई देखता है कि भारतीय खेल में कौन से बिंदु गायब हैं: गोल करना, जो टीम में अच्छे गोल स्कोरर होने से आता है - लक्ष्य के सामने आत्मविश्वास वाले लोग।

क्रोएशियाई का मानना है कि एशियाई फुटबॉल के सबसे बड़े मंच पर भाग लेने से निस्संदेह खिलाड़ियों को मूल्यवान अनुभव मिलेगा, जो अंतत: भविष्य के लिए उनके विकास में योगदान देगा।

स्टिमैक ने कहा, हम यहां से एक अच्छा सबक ले सकते हैं और एएफसी एशिया कप के अगले संस्करण में, हम निश्चित रूप से बहुत मजबूत होंगे।

हालाँकि, यह अभियान भारतीय फुटबॉल टीम के लिए असंतोषजनक साबित हुआ। वे न केवल बोर्ड पर कोई अंक दर्ज करने में विफल रहे, बल्कि उन्हें अपने तीन ग्रुप-स्टेज मैचों में से किसी में भी गोल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा।

स्टिमैक इस गोल-स्कोरिंग चुनौती का श्रेय एक अनुभवी सेंटर फॉरवर्ड की अनुपस्थिति को देते हैं, इसे भारत के आशाजनक गोल-स्कोरिंग अवसरों को वास्तविक लक्ष्यों में बदलने में असमर्थता के प्राथमिक कारणों में से एक के रूप में पहचानते हैं।

उन्होंने कहा, टीम ने गोल करने के पर्याप्त मौके बनाए, और भारत में आप सभी जानते हैं कि हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोल क्यों नहीं कर रहे हैं। ऐसा तब होना चाहिए जब हम सेंटर-फ़ॉरवर्ड स्थिति में भारतीय खिलाड़ियों को रखना शुरू करेंगे; तब, हम ऐसा करने जा रहे हैं राष्ट्रीय टीम के लिए और भी कई गोल करने वाले खिलाड़ी हैं।

43 की उम्र में रोहन बोपन्ना ने रचा इतिहास, ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचकर बने नंबर-1

मेलबर्न ।

भारत के दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोहन बोपन्ना ने इतिहास रच दिया। उन्होंने अपने ऑस्ट्रेलियाई जोड़ीदार मैथ्यू एबडेन के साथ मिलकर ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंच गए। पुरुष युगल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में दोनों ने मिलकर मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्तेनी की जोड़ी को हराया। रोहन और एबडेन ने अर्जेंटीना की इस जोड़ी को 6-4, 7-6 (7-5) के अंतर से हराया। बोपन्ना ऑस्ट्रेलियन ओपन में पहली बार पुरुष युगल स्पर्धा के सेमीफाइनल में पहुंचे हैं। क्वार्टर फाइनल में मिली जीत के साथ ही उन्होंने इतिहास भी रच दिया। वह पुरुष युगल टेनिस रैंकिंग में शीर्ष पर पहुंच गए। उन्होंने पहली बार यह उपलब्धि हासिल की। खास बात यह है कि वह पहली बार 43 साल की उम्र में शीर्ष पर पहुंचे हैं। बोपन्ना पहली बार नंबर-1 बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए।

बोपन्ना ने तोड़ा राजीव राम का रिकॉर्ड - भारतीय टेनिस स्टार ने अमेरिका के राजीव राम को पछाड़कर नया रिकॉर्ड बनाया। राजीव राम अक्तूबर 2022 में 38 साल की उम्र में अपने

करियर में पहली बार ग्रेट ब्रिटेन के साथी जो सैलिसबरी को पीछे छोड़कर पहली बार शीर्ष पर पहुंचे थे।

पिछले साल यूएस ओपन के फाइनल में मिली थी हार - कोर्ट तीन पर जीत के साथ मेलबर्न पार्क में अपना लगातार 17वां टूर्नामेंट खेल रहे बोपन्ना अपने करियर में पहली बार ऑस्ट्रेलियन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन तीसरे दौर तक पहुंचना था। वह छह बार क्वार्टर फाइनल में बाहर हुए थे। टूर्नामेंट समाप्त होने के अगले दिन नई रैंकिंग में बोपन्ना शीर्ष पर दिखेंगे। बोपन्ना और एबडेन की जोड़ी पिछले साल यूएस ओपन के फाइनल में हार गई थी। चार महीने बाद दोनों फिर से ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंच गए।

सभी ग्रैंडस्लैम के सेमीफाइनल में पहुंचे - बोपन्ना की इस जीत ने सभी ग्रैंडस्लैम में कम से कम सेमीफाइनल में पहुंचने का उनका रिकॉर्ड पूरा कर दिया है। 2011, 2016, 2018 और 2021 में चार क्वार्टर फाइनल में हार के बाद बोपन्ना 2022 में मैटवे मिडलकूप के साथ फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। विंबलडन में उन्होंने 2013, 2015 और 2023 में तीन बार सेमीफाइनल में जगह बनाई। वहीं, यूएस ओपन में दो बार (2010 और 2023) फाइनल में पहुंचे हैं। वह अब तक युगल में ग्रैंडस्लैम नहीं जीत पाए हैं।

यह खास रिकॉर्ड बना सकते हैं बोपन्ना - दूसरी वरीयता प्राप्त पुरुष युगल जोड़ी का अगला मुकाबला चीन के गैर वरीय झांग झिझेन और चेक गणराज्य के टॉमस मचाक से होगा। झिझेन और मचाक ने क्वार्टर फाइनल में एडम पावलासेक और एरियल बेहार को 6-3, 6-1 से हराया। भारत का यह महान खिलाड़ी अब पुरुष युगल में पहली ग्रैंड स्लैमट्रॉफी से दो जीत दूर है। हालांकि, वह एक मिश्रित युगल ग्रैंडस्लैम चैंपियन है। उन्होंने 2017 में फ्रेंच ओपन में कनाडा की गैब्रिएला डाब्रोव्स्की के साथ मिलकर विजेता बने थे। एबडेन की बात करें तो वह मिश्रित युगल और पुरुष युगल में ग्रैंडस्लैम जीत चुके हैं। बोपन्ना अगर खिताब जीतते हैं तो वह ग्रैंडस्लैम पुरुष युगल चैंपियन बनने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन जाएंगे।

एमआई अमीरात लगातार दूसरी जीत से टॉप पर: आईएल टी-20में अबु धाबी नाइट राइडर्स को 9 विकेट से हराया; बोल्ट को 3 विकेट

मुम्बई । एमआई अमीरात ने आईएल टी-20में लगातार दूसरी जीत दर्ज की है। टीम ने अबु धाबी नाइट राइडर्स को 9 विकेट से हराया। इस जीत से टीम लीग की पॉइंट्स टेबल के टॉप पर आ गई है। टीम के खाते में दो जीत और एक हार हैं। टीम के पास सबसे ज्यादा 4 अंक हैं। टीम को ओपनिंग मैच में पराजय का सामना करना पड़ा, जबकि अमीरात ने दूसरे मैच में गल्फ जाइंट्स को 18 रन से हराया था। अबु धाबी में अमीरात की टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी और गेंदबाजी करने का फैसला लिया। अबु धाबी नाइट राइडर्स को उसी के होम ग्राउंड पर 14.1 ओवर में 95 रन पर ऑलआउट कर दिया। फिर बाद में 96 रन का टारगेट 8.1 ओवर में एक विकेट पर हासिल कर लिया। लेफ्ट हैंड पेसर ट्रेंट बोल्ट और मोहम्मद रोहिद ने 3-3 विकेट हासिल किए। अकील हुसैन को दो विकेट मिले। कीवी पेसर ट्रेंट बोल्ट प्लेयर ऑफ द मैच चुने गए। उन्होंने 14 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। अबु धाबी के 9 बैटर डबल डिजिट में नहीं पहुंच सके अबु धाबी नाइट राइडर्स की ओर से आंद्रे रसेल ने 25 गेंद पर 48 रन की पारी खेली। शेष बल्लेबाज नाकाम रहे। आलम यह रहा कि टीम के 9 बल्लेबाज डबल डिजिट में नहीं पहुंच से। अमीरात का एक विकेट ही ले सके गेंदबाज 96 रन का टारगेट डिफेंड करते हुए अबुधाबी के गेंदबाज एमआई अमीरात का एक विकेट ही हासिल कर सके। टीम के ओपनर मोहम्मद वसीम ने नाबाद 26 रन बनाए, जबकि कप्तान निकोलस पूरन ने नाबाद 39 रन की पारी खेली। कुसल परेरा 22 रन बनाकर आउट हुए।

पथरी हो या कैंसर बचाता है बथुआ

सब्जी, रायते व खाने में कई तरह से प्रयोग में लाया जाने वाला बथुआ अनेक औषधीय गुणों से भरपूर है। इसमें शरीर के लिए जरूरी पोषक तत्त्व पाए जाते हैं। इसे खाने से कई बीमारियों से बचा जा सकता है। पथरी हो या कैंसर सबसे बचाव करता है बथुआ। जानिए इससे होने वाले फायदों के बारे में...

बीमारियों में लाभकारी बथुआ

ब्रेस्ट कैंसर: आयुर्वेद में किए गए शोध के मुताबिक बथुए को नियमित खाने से ब्रेस्ट कैंसर की आशंका कम हो जाती है। इसमें मौजूद सेलिनियम, ओमेगा-3 व 6 फैटी एसिड ब्रेस्ट कैंसररोधक होते हैं।

जोड़ों में दर्द: इसके 10 ग्राम बीजों को करीब 200 मिलीलीटर पानी में उबालें। 50 मिलिलीटर बचने पर गर्मागर्म पिएं। ऐसा एक महीने तक सुबह-शाम करने से जोड़ों के दर्द में लाभ होता है। इसकी ताजी पत्तियों को पीसकर हल्का गर्म करें और दर्द वाले स्थान पर बांधें। इससे भी दर्द में आराम मिलता है।

एनीमिया: इसमें आयरन व फोलिक एसिड होता है। करीब डेढ़ माह तक सब्जी बनाकर खाने या इसका 15-20 मिलीलीटर (करीब 4 चम्मच) रस सुबह-शाम लेने से खून की कमी की समस्या दूर होती है।

पीलिया: इसके 15 मिलिलीटर रस को 30 मिलीलीटर गिलोय रस के साथ करीब 10 दिनों तक लेने से पीलिया में राहत मिलती है।

बवासीर: इसके पंचांग (तना, जड़, पत्ते, फूल व बीज) को सुखाकर चूर्ण बना लें। करीब 10 ग्राम चूर्ण 15 दिनों तक सुबह-शाम बकरी के दूध के साथ लें, समस्या दूर होगी।

अनियमित माहवारी: 10 ग्राम बीज को 200 मिली पानी में उबालें। 50 मिली बचने पर छान लें। छने हुए पानी में करीब 2 ग्राम सौंठ मिलाकर गर्म-गर्म पिएं। इससे अनियमित माहवारी की समस्या व दर्द में आराम मिलता है।

पथरी: बथुआ में क्षार होता है। पथरी की शुरुआती स्टेज में इसके रस को 20 दिनों तक पीने से पथरी टूटकर यूरिन के जरिए बाहर आ जाती है।

ये टॉयलेट है स्मॉर्ट, जांच लेता है बीमारी

दुनिया के सबसे बड़े टॉयलेट मैन्युफैक्चरर कंपनी टोटो ने एक अलग तरह के टॉयलेट का निर्माण किया, जिसकी खासियतें सुनकर आप चौंक सकते हैं। दरअसल, टॉयलेट मैन्युफैक्चरर कंपनी टोटो ने ऐसा टॉयलेट विकसित किया है, जो सेहत के संभावित खतरे के लिए किसी को भी आगाह कर सकता है। टोटो ने अपने इस अनोखे टॉयलेट के बारे में जानकारी जापान के योकोहामा में हुए मी-बायो जापान 2015 कॉन्फ्रेंस के दौरान दी। डॉक्टर की तरह सेहत के लिए अलर्ट करने वाले टॉयलेट के निर्माण में विशेष तकनीक प्रयोग की गई है। साथ ही इसमें प्रयोग की गई तकनीक को जापान की तेजी से बुजुर्ग होती जनसंख्या के लिए वरदान माना जा रहा है। दरअसल, टोटो कंपनी ने इस फ्लोस्काई नाम के टॉयलेट की खासियत है कि ये यूरिन फ्लो रेट को माप सकता है। इसके लिए इसे खास तरह के सेंसर्स से लैस किया गया है। ये सेंसर्स यूजर के यूरीन फ्लो रेट ही यूरीन के वॉल्यूम परिवर्तन जैसी कई तरह की गणनाएं कर लेते हैं। रीडिंग टॉयलेट से रीलीव होने के फौरन बाद मिल जाती है। ये तकनीक उन मरीजों के लिए बहुत लाभदायक है जो दूरदराज के इलाकों में रहते हैं। इन मरीजों से दूर बैठा डॉक्टर उनके स्वास्थ्य पर इस एप्लीकेशन के जरिए नजर रख सकता है।

यहां नलों से गिरती है शराब

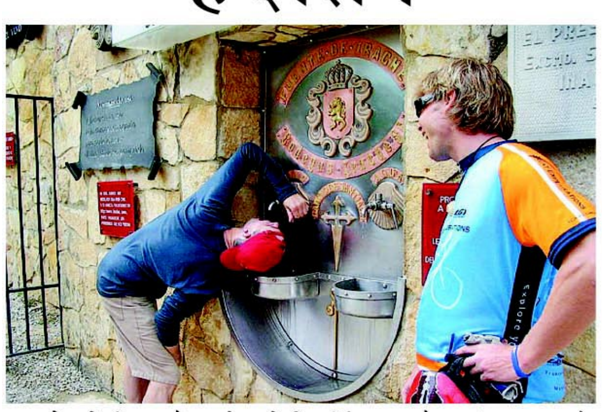

स्पेन में ईराच और एस्टेला ऐसी चर्चित जगह है, जहां पर शराब के गोदामों को देखकर और शराब से जुड़ी कई अलग तरह की बातें जानकर कोई भी व्यक्ति हैरान हो जाता है। यहां पर शराब से जुड़े कई किस्से सुनने को मिलते हैं, जिनमें से एक है एस्टेला में शराब पीने के लिए लगा नल। ये वो जगह है, जहां पर आपको शराब के तलबगार लोग नल के भर-भर कर कप में शराब पीते नजर आएंगे। बताया जाता है कि एस्टेला शराब के नल का निर्माण साल 1891 में किया गया था। साथ ही ये जगह 12वीं सदी में अंगूरों के बाग के रूप में जानी जाती थी। इसके बाद बदलते वक्त के साथ 1991 में इस जगह को नए तरीके से बनाया गया। यहां की छोटी-छोटी शराब की दुकानों की जगह पर शराब के हॉल का निर्माण किया गया, जिसमें रखे 23स्टेनलेस के ड्रमों में कुल लगभग 70 हजार लीटर शराब रखी जा सकती है। ईराच और एस्टेला के वाइन संग्रहालय में आने वाले लोगों के लिए वाइन फाउंटेन किसी अजूबे से कम नहीं है। यहां आने वाले लोगों के लिए शराब परोसने के बेहतर इंतजाम के साथ उनकी मौज-मस्ती के लिए भी खास तैयारियां की जाती है।

लैदर स्कर्ट से मिलेगा फॉर्मल और कैजुअल लुक

दिन के वक्त ऑफिस और रात को उसी ड्रेस में पार्टी में जाना चाहती हैं तो लैदर स्कर्ट अच्छा ऑप्शन साबित होगा। शायद एक पल के लिए पार्टी में लैदर स्कर्ट पहनने के बारे में सोच कर थोड़ा असहज जरूर महसूस करेंगी, लेकिन ये एक ऐसा आउटफिट है जिसे कई तरह से स्टाइल किया जा सकता है। लैदर स्कर्ट्स जो कि अभी रैम्प और रेड कारपेट पर छाई हैं, पार्टी और कैजुअल लुक में अच्छी दिखेंगी। जानिए लैदर स्कर्ट पहनने के कुछ तरीकों के बारे में, जिनसे लुक बदलना आसान होगा

क्यों जरूरी है ब्लड सर्कुलेशन

रक्त मानव शरीर का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा है। पूरे शरीर में न्यूट्रिएंट्स, इलेक्ट्रोलाइट्स, हार्मोन्स, हीट और ऑक्सीजन पहुंचाने का काम रक्त ही करता है। शरीर के विभिन्न हिस्सों को स्वस्थ्य रखने और रोग-प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने का काम भी ब्लड ही करता है। रक्त वाहिनियों की शाखाएं और घुमाव रक्त संचार को बाधित करते हैं और हृदय रोग की वजह बनते हैं।

पतली कमर चाहिए तो करें पादहस्तासन

पतली कमर की चाह किस स्त्री को नहीं है। हर उम्र की लड़कियों को पतली कमर की इच्छा होती है। लेकिन दिक्कत यह है कि पतली कमर हासिल करना किसी बड़े टास्क सरीखा हो गया है। पादहस्तासन इसके लिए सबसे सरल और सटीक उपाय है। चूंकि हाथों से पैरों को पकड़कर यह आसन किया जाता है इसलिए इसे पादहस्तासन कहते हैं। यह आसन पेट और कमर के पास जमा फैट को कम करने में मदद करता है जिससे कमर पतली और आकर्षक बनती है। यही नहीं शरीर को लचीलापन भी मिलता है। यही कारण है कि सिर्फ महिलाएं पादहस्तासन का हाथ थामें, यह सही नहीं है। पुरुषों को भी पादहस्तासन अपने पर्फेक्ट बॉडी शेप के लिए करना चाहिए। इसके बारे में विस्तार से हम आपको बताते हैं।

कैसे करें यह आसन

कंधे और रीढ़ की हड्डी को सीधा रखते हुए सावधान की मुद्रा में खड़े हो जाएं। अब दोनों हाथों को धीरे-धीरे ऊपर उठाकर हाथों को कंधे की सीध में लाकर थोड़ा-थोड़ा कंधों को आगे की ओर झुकाते हुए सिर के ऊपर तक उठाए। ध्यान रहे कि कंधे कानों से सटे हों। हथेलियां सामने की ओर हों। जब बांहें एक-दूसरे के समानान्तर ऊपर उठ जाएं तब धीरे-धीरे कमर को सीधा रख सांस अंदर लेते हुए नीचे की ओर झुकना प्रारम्भ करें। झुकते समय भी ख्याल रखें कि कंधे कानों से सटे ही रहें। घुटने सीधे रखते हुए दोनों हथेलियों से एड़ी-पंजे मिले दोनों पांव को टखने के पास से कस के पकड़कर माथे को घुटने से स्पर्श करने का प्रयास करें। सांस अंदर बाहर करते रहें। सुविधा अनुसार 30-40 सेकंड इस स्थिति में रहें। वापस आने के लिए धीरे-धीरे इस स्थिति से ऊपर उठिए। खड़ी मुद्रा में आकर हाथों को पुनः कमर से सटाने के बाद विश्राम स्थिति में आएं। 5 से 7 बार ऐसा करें।

इस आसन के फायदे

जैसा कि पहले ही जिक्र किया जा चुका है कि पतली कमर के लिए पादहस्तासन लाभकर है। साथ ही इसके करने से शरीर में लचीलापन भी आता है। इसके अलावा जिन लोगों को अपने कद में वृद्धि करनी है, उनके लिए भी यह सहायक है। हालांकि एक उम्र के बाद कद में वृद्धि असंभव होती है। बावजूद इसके शरीर में खिचाव होने के कारण कद की सामान्य वृद्धि देखी जा सकती है। बच्चों के लिए यह आसन बेहद फायदेमंद है। खासकर उन बच्चों के लिए जिन्हें अपने कद को लेकर संदेह है।

पादहस्तासन की खूबी की सूची अभी खत्म नहीं हुई है। पुरुष इस आसन को न करने की ठोस वजह दे सकते हैं कि यह आसन महिलाओं के लिए कारगर है। जबकि चौड़े सीने की चाह रखने वालों के लिए भी यह पर्फेक्ट योगासन है। अतः अगर आपमें परफेक्ट बॉडी शेप के साथ चौड़े सीने की चाहत है तो इस आसन से दूरी कम करिए। इसके अलावा यह आसन मूत्र-प्रणाली, गर्भाशय तथा जननेन्द्रिय स्रावों के लिए विशेष रूप से कारगर है।

इससे कब्ज दूर होती है। पीठ और रीढ़ की हड्डी को यह आसन मजबूत करता है और लचीला भी बनाता है। जंघाओं और पिंडलियों की मांसपेशियों को भी मजबूत करता है। आंतों के व पेट के प्रायः समस्त विकार इस आसन को नियमित करने से दूर होते हैं।

बरतें थोड़ी सावधानी

इस आसन को करने से पहले कई प्रकार की सावधानियां बरतनी पड़ती हैं। अगर आप अपने पैरों को नहीं छू पा रहे हैं तो इसका आहिस्ता आहिस्ता अभ्यास करें। इसे कतई झटपट पूरा करने की कोशिश न करें। पैरों की मांसपेशियां आहत हो सकती हैं। झटके से गर्दन नीचे करने से गर्दन लचक सकती है। इसी तरह की और भी समस्याएं पैदा हो सकती हैं। अगर इसे करने की सही विधि से आप बावस्ता नहीं हैं तो बेहतर होगा कि योग विशेषज्ञों से संपर्क करें। इसके अलावा अगर आपमें रीढ़ की हड्डी की किसी भी तरह की शिकायत है तो इस आसन से दूरी बनाए रखें। पेट से जुड़ी हर किसी भी प्रकार की बीमारी पादहस्तासन करने की इजाजत नहीं देते। अतः इसे न करें। साथ हृदय रोगी, उच्च रक्तचाप के मरीजों के लिए भी यह आसन सही नहीं है। उन्हें इसके नुकसान झेलने पड़ सकते हैं। एसिडिटी से पीड़ित लोगों के लिए भी यही सलाह दी जाती है कि वे इसे न करें।

सी पैप मशीन रातों को देगी सुकून

आपने अपने आसपास कुछ लोगों को सोते समय खर्राटे लेते हुए देखा होगा, कई बार ये खर्राटे स्लीप एप्निया भी कहते हैं। इसे नाक पर लगाकर सोने से स्टीम मिलती रहती है। जिससे वायु-मार्ग खुला रहता है व व्यक्ति चैन की नींद सो सकता है। इसके इस्तेमाल से खर्राटों में कमी होने के साथ-साथ नींद पूरी होने व ऑक्सीजन ठीक से मिलने से आप दिनभर एक्टिव रहते हैं, मूड ठीक रहता है व याददाश्त में सुधार होता है।

क्या है स्लीप एप्निया?

सोते समय जब हम सांस लेते हैं तो ऑक्सीजन नाक या मुंह के माध्यम से गले में स्थित वायु-मार्ग से होती हुई सीधे फेफड़ों और हृदय तक पहुंचती है। लेकिन कुछ लोगों में विभिन्न कारणों की वजह से यह मार्ग बाधित हो जाता है जिसकी वजह से ऑक्सीजन ठीक से नहीं पहुंच पाती और यह स्थिति गले में कंपन पैदा करती है जो कि खर्राटे के रूप में सुनाई देती है।

कभी-कभी यह रुकावट इतनी गंभीर हो जाती है कि गले का वायु-मार्ग पूरी तरह अवरुद्ध हो जाता है। ऐसे में व्यक्ति को बेचैनी महसूस होने लगती है। विशेषज्ञों के मुताबिक खर्राटों के कारण नींद पूरी नहीं हो पाती जिससे कमजोर एकाग्रक्षमता, सुस्ती और उनींदापन जैसे लक्षण होते हैं जो कि आगे चलकर ब्रेन स्ट्रोक और दिल के दौरे का जोखिम बढ़ा सकते हैं। साथ ही इससे लकवा, मानसिक अवसाद व डायबिटीज जैसी बीमारियों का भी खतरा बढ़ जाता है।

प्रमुख कारण

मुंह और गले की बनावट, छोटा जबड़ा, लंबी जीभ या अधिक वजन के कारण दोहरी ठोड़ी होना, सिगरेट की लत, मोटापा और लंबे समय तक जुकाम बना रहना।

ऐसे दूर होगी समस्या

सी-पैप मशीन: यह स्लीप एप्निया के लिए कारगर उपचार है। इसे नैबोलाइजर भी कहते हैं। इसे नाक पर लगाकर सोने से स्टीम मिलती रहती है। जिससे वायु-मार्ग खुला रहता है व व्यक्ति चैन की नींद सो सकता है। इसके इस्तेमाल से खर्राटों में कमी होने के साथ-साथ नींद पूरी होने व ऑक्सीजन ठीक से मिलने से आप दिनभर एक्टिव रहते हैं, मूड ठीक रहता है व याददाश्त में सुधार होता है। आजकल ये मशीन छोटे आकार व पहले की तुलना में हल्की आने लगी है जिसे रातभर बिस्तर के किनारे रखकर चैन की नींद सो सकते हैं।

सर्जरी भी है विकल्प: यदि आप रोजाना मशीन लगाने से बचना चाहते हैं तो इसका अन्य विकल्प है सर्जरी। यह उन लोगों को लिए भी अच्छा है जिनके मुंह और गले की बनावट में विकृति होती है। सर्जरी में रेडियो फ्रीक्वेंसी एब्लेशन द्वारा श्वास-मार्ग चौड़ा किया जाता है जो कि जबड़े की बनावट या किसी वजह से सिकुड़ गया है।

वजन करें कंट्रोल: अधिक वजन भी स्लीप एप्निया का एक प्रमुख कारण है। ऐसे में वे लोग जिनकी गर्दन मोटी है, उनमें वायु-मार्ग के आसपास अधिक ऊत्तकों के दबाव की आशंका रहती है। इससे वायु-मार्ग ब्लॉक हो सकता है। ऐसे में वजन कम करना जरूरी है।

औषधीय गुणों का भंडार है सदाबहार

कैंसर ऐसी बीमारी है जिसका पता सामान्यत-रोग बढ़ने के बाद ही चल पाता है। इस स्थिति में सर्जरी ही बीमारी के विकल्प के रूप में सामने आती है। आयुर्वेद शोधकर्ताओं ने सफेद फूल वाले सदाबहार पौधे को इस बीमारी में प्रभावी माना है।

इस तरह हैं कैंसर में लाभकारी

ये पत्तियां कैंसररोधी हैं। ये रोग बढ़ाने वाली कोशिकाओं के विकास को रोकती हैं साथ ही इस दौरान क्षतिग्रस्त हो गई कोशिकाओं को फिर से सेहतमंद बनाने का काम करती हैं। यदि इसकी पत्तियों से बने रस को कैंसर की पहली स्टेज वाले मरीज को दिया जाए तो उसके रोग के बढ़ने की आशंका कम हो जाती है। वहीं दूसरी व आखिरी स्टेज के दौरान इसके प्रयोग से मरीज की प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होकर उसके जीवित रहने की अवधि बढ़ सकती है।

ध्यान रहे

कड़वा स्वाद होने के कारण इसे खाली पेट लेने से उल्टी हो सकती है। इसलिए इसका प्रयोग कुछ खाकर ही करें। छोटे बच्चों को इसके रस में शक्कर या चूर्ण में गुड़ मिलाकर गोलियों के रूप में दिया जा सकता है।

अन्य रोगों में भी प्रभावी

डायबिटीज के मरीजों में ये एंटीडायबिटिक का काम करती हैं। ये रक्त में शर्करा की मात्रा को नियंत्रित रखती हैं। इनका सेवन स्वस्थ लोग भी कर सकते हैं। इससे उनका प्रतिरोधक तंत्र मजबूत होता है। सामान्य तासीर का होने की वजह से इसकी पत्तियों का प्रयोग हृदय व हाई बीपी के मरीज भी कर सकते हैं।

प्रयोग का तरीका

इसके पत्तों को सुखाकर चूर्ण बना लें व रोजाना नाश्ते के बाद आधा ग्राम चूर्ण को सादा पानी से लें। इसके अलावा रस को भी प्रयोग में लाया जा सकता है।

रोजाना पांच ताजा पत्तियों को पानी के साथ पीसकर बारीक कपड़े से छानकर रस निकालें व इसे भोजन करने के बाद पिएं।

ब्लड प्रेशर सामान्य करता है शवासन

यह आसन आरामदायक आसन भी होता है, क्योंकि शव का अर्थ है मृत, यानी शरीर शव के समान हो जाता है। इसलिए ही इस आसन को शवासन के नाम से जाना जाता है। यह दो शब्दों के योग से बना है, शव+आसन = शव आसन या शवासन। अगर इस आसन को नियमित 15-20 मिनट किया जाए तो दिमाग शांत हो जाता है और उच्च रक्तचाप सामान्य हो जाता है। यह एक शिथिल करने वाला आसन है और शरीर, मन, और आत्मा को ऊर्जा प्रदान करता है। शवासन एक मात्र ऐसा आसन है, जिसे हर आयुवर्ग के लोग कर सकते हैं। आइए जानते हैं कि यह आसन किस विधि से किया जाता है और इसके क्या लाभ होते हैं।

कैसे करें शवासन

इस आसन को करने के लिए पीठ के बल लेटकर दोनों पैरों में ज्यादा से ज्यादा अंतर रखें। पैरों के पंजे बाहर और एड़ियां अंदर की तरफ होनी चाहिए। दोनों हाथों को शरीर से लगभग एक फिट की दूरी पर रखें। हाथों की अंगुलियां मुड़ी हुई हों और गर्दन को सीधा रखें, आंखों को भी बंद रखें। शवासन में सबसे पहले पैर के अंगूठे से लेकर सिर तक का भाग ढीला छोड़ देते हैं। पूरा शरीर ढीला छोड़ने के बाद सबसे पहले मन को श्वांस-प्रश्वास के ऊपर लगाते हैं और मन के द्वारा यह महसूस करते हैं कि दोनों नासिकाओं से श्वास अंदर जा रही है तथा बाहर आ रही है। जब श्वांस अंदर जाती है तब नासिका के अग्र में हलकी-सी ठंडक महसूस होती है और जब हम श्वांस बाहर छोड़ते हैं तब हमें गरमाहट महसूस होता है। इस गर्माहट व ठंडक को अनुभव करें। इस तरह नासाग्रस से क्रमशः सीने तथा नाभि पर ध्यान केंद्रित करें। मन में उल्टी गिनती गिनते जाएं। 100 से लेकर 1 तक। यदि गलती हो जाए तो फिर से 100 से शुरू करें। ध्यान रहे कि आपका ध्यान सिर्फ शरीर से लगा हुआ होना चाहिए, मन में चल रहे विचारों पर नहीं। इसके लिए सांसों की गहराई को महसूस करें।

शवासन के फायदे

इस आसन को नियमित करने से श्वांस की स्थिति में हमारा मन शरीर से जुड़ा हुआ रहता है, जिससे शरीर में किसी प्रकार के बाहरी विचार उत्पन्न नहीं होते, यानी नकारात्मक विचार नहीं आते। इस कारण से हमारा मन पूर्णतः आरामदायक स्थिति में होता हैं, तब शरीर स्वतः ही शांति का अनुभव करता है।

थोड़ी सावधानी भी जरूरी

इस आसन का फायदा तभी है जब इसे करने दौरान आपकी आंखें बंद हों। हाथ को शरीर से एक फिट की दूरी पर व पैरों में एक से डेढ़ फीट की दूरी जरूरी है। इसमें शरीर को ढीला छोड़ देना चाहिए। श्वांस की स्थिति में शरीर को हिलाना नहीं चाहिए। यह मानसिक शांति और शुकून प्रदान करने वाला आसन है, इसे करने से मन और दिमाग दोनों शांत रहते हैं।

रेसिपी

मखाने की खीर

सामग्री

फूल मखनी - 1 कप
दूध - 5 कप
घी - 2
चीनी - 1/4 कप
केसर - 1
पिस्ता -
जायफल पाउडर - 1/2

विधि

कढ़ाई में थोड़ा घी डाल कर गरम कीजिए अब उसमे मखनी डाल कर भून लीजिए। मखनी ठंडा होने के बाद मिक्सी से पीस लीजिए। अब एक बर्तन में दूध और चीनी डाल कर उबालने रखें। चाशनी बनने के बाद आंच को धीमी करके मखनी पाउडर डाल कर मिलाए। अब दूध उबाल कर आधा होने के बाद पकाए। उसके बाद केसर, जायफल पाउडर मिलाकर 1 मिनट पकाए। मिश्रण ठंडा होने के बाद उसके ऊपर पिस्ता डाल कर सजाए। मखनी की खीर तैयार।

आलू कचौड़ी

सामग्री

मैदा - 1 कप , अजवाइन - 1/2 , तेल - 2, स्टफिंग के लिए, आलू - 3 , प्याज - 1 , हरी मिर्च - 1 , अदरक - (बारीक कटा हुआ), लाल मिर्च पाउडर - 1/2, हल्दी - 1/4
धनिया पाउडर, जीरा - गरम मसाला पाउडर - 1/2 , नमक - स्वादानुसार , तेल - अवयस्कता अनुसार

विधि

मैदा में नमक, अजवाइन, तेल डाल कर मिलाए अब उसमे थोड़ा थोड़ा पानी डाल कर नरम आटा गूथ लीजिए। आलू को उबाल कर छिलका हटा कर मेश कर लीजिए प्याज और हरी मिर्च को बारीक काट कीजिए। कढ़ाई में तेल डाल कर गरम कीजिए अब उसमे जीरा और अदरक डाल कर भुने उसके बाद बारीक कटा हुआ प्याज और हरी मिर्च डालकर पकाए अब नमक, हल्दी, लाल मिर्च पाउडर, धनिया पाउडर, गरम मसाला पाउडर डाल कर मिलाए उसके बाद मेश किया हुआ आलू डाल कर अच्छी तरह मिलाकर 2 मिनट पका कर गैस बंद कर लीजिए। अब आटे से निम्बू के आकार की लोई तोड़कर गोल कर लीजिए, एक लोई उठाए और हाथ पर रखकर उसे उंगलियो की सहायता से बड़ा कर, टोकरी जैसा बना लीजिए, आटे की इस टोकरी में आलू मिश्रण 1 या 2 चम्मच डाल दीजिए और आटे को चारों और से उठाकर मिश्रण को अच्छी तरह बंद करके कचौरी जैसा बना लीजिए, इसी तरह सारे कचौरी बना लीजिए। अब कढांई में तेल डाल कर गरम कीजिए, अब जितनी कचौरी कढ़ाई में आ जाय उतनी कचौरी कढ़ाई में डाल कर दोनों और गोल्डन ब्राउन होने तक तल कर निकाल लीजिए, इसी तरह सारे कचौरी बना कर तैयार कर लीजिए, गरमा गरम आलू की कचौरी तैयार।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**